# वार्षिक प्रतिवेदन
# ANNUAL REPORT
# 2019-20

## ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
(संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

## CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT
(A Central University established by an Act of the Parliament)

*CUO campus at Sunabeda, Koraput*

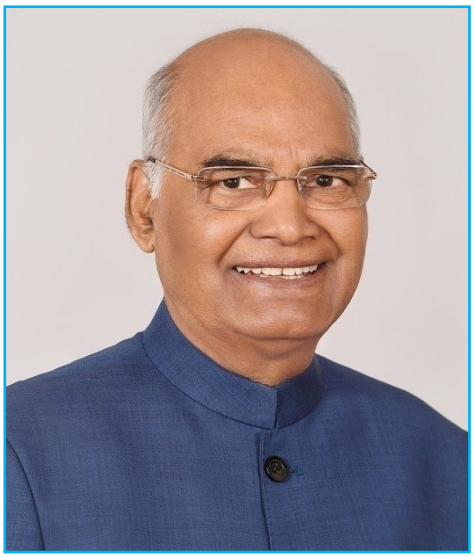

**महामहिम श्री राम नाथ कोविंद**

भारत के माननीय राष्ट्रपति

**His Excellency Shri Ram Nath Kovind**

Hon'ble President of India

**परिदर्शक**

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

**VISITOR**

Central University of Odisha, Koraput

**प्रो. पी.वी. कृष्णाभट्ट**

कुलाधिपति

**Prof. P.V. Krishna Bhatta**

CHANCELLOR

**प्रो. आई. रामाब्रह्मम**

कुलपति

**Prof. I. Ramabrahmam**

VICE-CHANCELLOR

# अनुक्रम


| क्रमांक | विषय | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1 | प्रस्तावना | i) |
| 2 | कुलपति की ओर से | ii) |
| 3 | एक नजर सीयूओ पर | 1 |
| 4 | विश्वविद्यालय के विद्यापीठों एवं विभागों की गतिविधियाँ | 15 |
| 5 | संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ | 33 |
| 6 | अनुसंधान गतिविधियाँ | 48 |
| 7 | छात्र नामांकन | 50 |
| 8 | अवसंरचनात्मक सुविधाएँ | 55 |
| 9 | भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पहल : सीयूओ का पर्यवेक्षण | 59 |
| 10 | विश्वविद्यालय के कार्यक्रम | 62 |
| 11 | विधिक तथा गैर विधिक समितियाँ | 66 |
| 12 | कोविड-19 के रोकथाम के उपाय | 70 |
| 13 | परिसर पर दृष्टि | 71 |
| 14 | समाचारपत्रों में सीयूओ | 73 |

वार्षिक प्रतिवेदन
2019 -20

**सलाहकार**

प्रो. आई .रामब्रह्मम
कुलपति

**संपादकीय समिति**

**अध्यक्ष**

प्रो. असित कुमार दास
अधिष्ठाता

**संयोजक**

डॉ. प्रदोष कुमार रथ
सहा. प्रोफेसर और
विभाग प्रभारी, डीजेएमसी

**समन्वय**

डॉ. फगुनाथ भोई
जनसंपर्क अधिकारी

**सदस्य**

प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद
अतिथि प्राध्यापक,
समाजशास्त्र

श्री संजीत कुमार दास
सहा. प्रोफेसर और
विभाग प्रभारी, डीईएलएल

श्री मानस दास
सहा. सहायक अधिष्ठाता
एफ एंड ए

# प्रस्तावना

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समय रेखा में एक और वर्ष बीत चुका है और वर्ष 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट संदर्भ के लिए तैयार है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में ओड़िशा के कोरापुट घाटी के सुंदर परिवेश में संसद के एक अधिनियम द्वारा हुई थी। इसकी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने और सामूदायिक कल्याण तथा सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के साथ-साथ देश के ज्ञान केंद्र के रूप में खुद को तैयार करने के अलावा विश्वविद्यालय सामूदायिक सेवा के लिए अपने आसपास के पाँच गाँवों को गोद लेकर अपना एक विशिष्ट स्थान बनाकर अपनी दृष्टि की क्षेत्र और राष्ट्र के लिए केंद्रीकता का औचित्य सिद्ध करता है।

विश्वविद्यालय में आधारभूत विज्ञान, जाव-विज्ञान, समाज विज्ञान, व्यवाय प्रबंधन और मानविकी के क्षेत्रांतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल और पी-एच.डी के कार्य चल रहे हैं। कई वर्षों से ,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हो रहे हैं औरअच्छे पदों पर कार्यस्त और राष्ट्र निर्माण में सफलतापूर्वक योग्य सिद्ध हुए हैं।

दिसंबर 2019 में नए कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम के पदभार ग्रहण करने के कारण वर्ष 2019 बहुत ही विशिष्ट रहा। विश्वविद्यालय दूरदर्शी कुलपति के गतिशील नेतृत्व में दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहा है। उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से, विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने के लिए कई शैक्षणिक व्याख्यान और संवाद आयोजित हुए। उनकी पहल से, विश्वविद्यालय में विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात व्यक्तियों नेअतिथि प्राध्यापक के रूप में पदभार सँभाला।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की प्रशासनिक भाग को सुनाबेड़ा परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया, जो विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर है। अधिक छात्रों की उपस्थिति के कारण और परिसर में छात्रावासों की उपस्थिति के कारण , विश्वविद्यालय ने प्रशासन को अपने लैंडिगुडा परिसर से सुनबेडा परिसर में स्थानांतरित करना आवश्यक समझा।

विश्वविद्यालय ने ओडिशा और आसपास के राज्यों पश्चिम बंगाल , छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों में फैले 12 केंद्रों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की। समर्थन सुविधाओं के रूप में विश्वविद्यालय छात्रों के लिए सुसज्जित छात्रावास एवं गैर छात्रावासी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय से शहर और शहर से विश्वविद्यालय तक की सुविधा प्रदान करता है। विशाल विश्वविद्यालय परिसर अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर लैब और 30 ,000 से अधिक शीर्षकों और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के साथ एक केंद्रीय पुस्तकालय से सुसज्जित है। परिसर में एक आरामदायक कैंटीन छात्रों और कर्मचारियों की खाद्य सामग्री की जरूरतों का ख्याल रखती है। अंतिम सत्र के छात्रों को प्लेसमेंट सहायता प्रदान की गई है , जिसके कारण उन्हें देश के विभिन्न कार्पोरेट क्षेत्रों में अच्छी नियुक्तियाँ मिली। सत्र व्यवस्था लागू है और स्वेच्छा चयन पद्धति विकसित किया जा रहा है। एक सुंदर वास्तुकला निर्मित अतिथि भवन पहले ही बन चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा पोषित एक सुंदर उद्यान परिसर की शोभा बढ़ा रहा है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफरैंकिंग प्रक्रिया में भी भाग लिया है इस अवधि के दौरान छात्रों ने राज्य के बाहर आयोजित अंतर्विश्वविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत , महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय के छात्रों के एक दल , वर्धा ने एक सप्ताह के लिए विश्वविद्यालय का दौरा किया और महाराष्ट्र और ओडिशा के बीच सांस्कृतिक समन्वय में सक्रिय रूप से शामिल हुए। आगे बहुत सारे अतिथि प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय का दौरा किया, जिन्होंने संगोष्ठी व्याख्यान के वितरण के साथ विश्वविद्यालय की गुणवत्ता को बढ़ाया।

वर्ष 2019-20 के दौरान वार्षिक प्रतिवेदन, शैक्षिक उत्कृष्टता, छात्र केंद्रित समर्थन प्रणाली, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समग्र दृष्टिकोण को प्रस्तुत करती है। यह अपने संकाय सदस्यों की उपलब्धि पर प्रकाश डालता है जो हमेशा ज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने के लिए योगदान करते हैं। विश्वविद्यालय दूरदर्शी कुलपति के गतिशील नेतृत्व में दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ एक आशाजनक भविष्य की ओर अग्रसर है। जिनका समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और सलाह ने वार्षिक प्रतिवेदन समिति को समय में प्रतिवेदन संकलित करने में मदद की है।

हम इस वार्षिक प्रतिवेदन में संकलित जानकारी और डेटा प्रदान करने के लिए संकाय, विभागध्यक्षों और प्रशासनिक प्रमुखों का भी धन्यवाद देते हैं। हम वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस वार्षिक प्रतिवेदन को वर्तमान रूप में आकार देने के लिए अथक प्रयास किया है।

वार्षिक प्रतिवेदन समिति

# कुलपति की ओर से

सन् 2009 में स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने अपने अस्तित्व के 10 सफल और सार्थक वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। व्यापक वैश्विक दृष्टि के साथ स्थानीय ज्ञान का आधार पोषित करने वाले ज्ञान समृद्ध समाज विकसित कर सकने वाले मानव संसाधन के निर्माण के उद्देश्य में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, ओड़िशा अपेक्षाओं पर खरा उतरा है ।

विगत् एक वर्ष में हमने अनेक उल्लखेनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं – पड़ोसी राज्यों सहित 12 केन्द्रों पर सफल प्रवेश परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन विश्वविद्यालय के 11वें निर्माण दिवस का व्याख्यान, अकादमिक विभागों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों की श्रृंखला। इस वर्ष भी उल्लेखनीय घटनाओं में विश्वविद्यालय के प्रशासन का लैंडीगुड़ा के मुख्य परिसर में स्थानान्तरण, दीर्घकालीन क्षेत्रीय माँग की पूर्ति के रूप में भारत सरकार द्वारा 'केन्द्रीय विश्वविद्यालय उड़ीसा ' के नाम में 'ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ', का परिवर्तन और सम्मानीय कुलाधिपति प्रो. पी.वी. कृष्ण भट्ट का विश्वविद्यालय का दो दिवसीय दौरा सम्मिलित हैं ।

2019-2020 का अकादमिक सत्र कई आधारों से घटनापूर्ण रहा है । अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मनाया जाना, संविधान दिवस, विश्व हिन्दी दिवस, मातृभाषा दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन प्रमुख घटनाएँ रहीं। इस अवधि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राजभाषा समिति ने विश्वविद्यालय का दौरा किया और कार्यालयीन व्यवहार में हिन्दी के प्रयोग के बारे में शिक्षकों और छात्रों से विस्तृत चर्चा की।

इस वर्ष बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय द्वारा संगोष्ठियों , विशेष व्याख्यानों और कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। उनमें उल्लेखनीय है- 'जल संरक्षण तथ जल प्रबन्धन 'पर संगोष्ठी, कोरापुट विकास तथा सीयूओ, गांधीवाद, मार्क्सवाद तथा अम्बेडकरवाद पर विशेष व्याख्यान, स्मार्ट कृषि के लिए टैपिंग फाइटोकेमिकल्स, शोध विषय का चयन और उसकी प्रासंगिकता प्रासंगिकता। इसके अलावा 'कार्यालय प्रबन्धन और दक्षता विकास ', 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग ' और 'सस्टेनेबिल डेवलेपमेंट एण्ड पब्लिक पॉलिसी, रीसेंट ट्रेंड्स पर कार्यशाला तथा एमओओसीएस और इनफ्लाइब्नेट सर्विसिजे टु सेंट्रल यूनिवर्सिटीज ' पर जागरूकता कुछ कार्यक्रम है जिससे विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षिक वातावरण निर्मित हुआ। विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफके श्रेणीकरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

छात्रों ने बहुत उत्साह से वार्षिक सांस्कृतिक दिवस, में भाग लिया और राज्य के बाहर अन्तर्राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। छात्रों की विश्वविद्यालय मंचों और बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता और अन्तः प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में छात्रों की सहभागिता से भावी छात्रों की दृष्टि ही विकसित नहीं होगी बल्कि वे उनके लिए अनुकरणीय भी सिद्ध होंगे।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अग्रणी कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अन्तर्गत केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा और अन्तर्राष्ट्रीय महात्मा गांधी हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के बीच में एक सप्ताह का छात्रों को परस्पर आवागमन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसे महाराष्ट्र और ओड़िशा की संस्कृतियों को निकट आने का अवसर ही नहीं मिला, बल्कि दोनों संस्कृतियों के बीच समन्वय का बोध भी उत्पन्न हुआ।

अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए जहाँ अतिथि संकाय की बड़ी संख्या में नियुक्ति हुई वहीं गुणवत्ता के शिक्षण में वृद्धि के लिए काफी संख्या में विख्यात विजिटिंग प्राध्यापक विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। आने वाले शिक्षण सत्र में MOOCS पाठ्यक्रम लागू करने का निर्बाय और छात्रों की विविधता में वृद्धि के लिए 2020-21 से CUCET जुड़ने का निर्णय विश्वविद्यालय के अकादमिक उन्नसन में मील के पत्थर थे। इसमें की सन्देह नहीं कि कोविड-19को केन्द्रय विश्वविद्यालय ओड़िशा के लिए चुनौतियाँ प्रस्तुत कीं लेकिन विश्वविद्यालय समुदाय ने आवश्चक मार्गदर्शन का पालन करते हुए और छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएँ लागू करके चुनौतियों का सामना किया।

मैं विश्वविद्यालय का सहयोग और समर्थन देने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार के विभिन्न अंगों तथा जिला प्रशासन का कृतज्ञ हूँ और उन्हें धन्यवाद देता हूँ। इस विद्या मन्दिर के विकास के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ के द्वारा किये गये सभी प्रयत्नों के लिए उन्हें भी धन्यवाद देता हूँ। मैं छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि और विश्वद्यालय के विकास में उनके योगदान के लिए बधाई देता हूँ। पुनः मैं आश्वस्त हूँ कि आने वाले वर्ष में विश्वविद्यालय सभी प्रकार की प्रगति और सम्पन्नता प्राप्त करेगा।

सभी के प्रति शुभकामनाओं के सहित!

प्रो. आई. रामब्रह्मम
कुलपति
ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

# एक नजर सीयूओ पर

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी। विश्वविद्यालय मानविकी, भाषा, सामाजिक विज्ञान और मौलिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान के प्रसार के लिए प्रयास करता है। इसका लक्ष्य अधिगम प्रक्रिया, अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना और लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनके शैक्षणिक, बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाना है। विश्वविद्यालय कोरापुट जिले के सुनाबेढ़ा में अवस्थित है। मुख्य परिसर सुनाबेढ़ा स्थित 430.37 एकड़ जमीन पर अवस्थित है। ओड़िशा सरकार ने सीयूओ को यह जमीन प्रदान किया है, और यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम में पंजीकृत हो चुका है।

## विश्वविद्यालय की दूरदृष्टि:

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बॉर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ मे लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)

## विश्वविद्यालय के लक्ष्य:

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएँगे।
- दूर दराज तक पहुँचने के लिए समावेशी शिक्षाह्न का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरिया बनाए रखना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

## तद्नुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की गयी:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर गुणवत्ता की संस्कृतिह्न की शिक्षा के लिए नीतिगत संरचना।

## ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हुते विशेष ध्यान देना।

## शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान समय मेंविश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम, पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फिल और पी-एच.डी.) प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम में शामिल हैं कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (तीन वर्षीय) और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षा में स्नातक, जबकि गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, वाणिज्य प्रशासन, अर्थनीति, अंग्रेजी, हिंदी, जनसंचार तथा पत्राचार, ओड़िया, संस्कृत, सामाजिक और सांख्यिकी में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम। नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, जनसंचार तथा पत्राचार, ओड़िया, और समाज विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा और सांख्यिकी में एम.फिल तथा पी-एच.डी. अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है। सबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वर्ष 2019-20 के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (पाँच वर्षीय), एक स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्षीय) एवं बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएँ चलाई जा रही हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष 2019-20 के लिए 368 छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।

शैक्षिक कैलेण्डर का केन्द्रो/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।

## कुलपति का पदस्थ होना

दिनांक 06 दिसम्बर 2019 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक प्रो. आई. रामाब्रह्मम, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे नियमित कुलपति के रूप में पदस्थ हुए।

## एनआईआरएफ रैंकिंग

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2019 में भाग लिया।

## संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई बाधाएँ एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पर में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढाँचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने कैंपस को कार्यक्रम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है। जून 2019 को विश्वविद्यालय ने अपने प्रशासनिक भागों का स्थानांतरण सुनाबेड़ा, लांडिगुड़ा, कोरापुट सीयूओ के अतिथि भवन में कर लिया है।

## मानव संसाधन

वर्तमान पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालाँकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में 33573 पुस्तकों का संग्रह है, 9000 से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ, ई-शोध सिंध (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधन का कनसोरटियम) संदर्भ पुस्तकें, सिरियल्स, शोधग्रंथ और डिजारटेशन और पत्रिकाओं की पुरानी संस्करण आदि खरीदी है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, पुस्तकालय के लिए 148 पुस्तकें मँगायी गयी है कैलेंडर 2019 के लिए 142 प्रिंट पत्रिकाएँ पुस्तकालय में मँगाई गयी है।

## विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु जयपुर, कोरापुट, सिमिलिगुडा और सुनाबेढ़ा से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर पाँच बसें प्रदान की गयी है। छात्रावास में रह रहे विद्यार्थीगण विविध शैक्षणिक, क्षेत्र परिदर्शन और विश्वविद्यालय तक पहुँचने के लिए और विविध शैक्षणिक कार्यक्रम तथा क्षेत्र परिदर्शन के लिए बस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

## वैधानिक समितियों की बैठकें

### कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की 28वीं बैठक 28 जून, 2019 को आयोजित की गई।

कार्यकारी परिषद की 30वीं बैठक 24 दिसम्बर, 2019 को आयोजित की गई।

कार्यकारी परिषद की 29वीं बैठक 01 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई।

### शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद की 18वीं बैठक 27 मई, 2019 को आयोजित की गई।

### वित्त समिति

वित्त समिति की 20वीं बैठक 27 जून, 2019 को आयोजित की गई।

वित्त समिति की 21वीं बैठक 30 सितम्बर, 2019 को आयोजित की गई।

वित्त समिति की 22वीं बैठक 24 दिसम्बर, 2019 को आयोजित की गई।

### भवन निर्माण समिति

भवन निर्माण समिति की 26वीं बैठक 12 जून, 2019 को आयोजित की गई।

## पदधारक सूची

## कुलाधिपति

| नाम | अवधि |
|---|---|
| प्रो. के. श्रीनाथ रेड्डी<br>अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) | 31.08.2012 से 30.08.2017 तक |
| प्रो. पी.वी. कृष्णा भट्ट<br>अध्यक्ष, सेंटर फॉर एडुकेशनल एण्ड सोशल स्टडीज (सईएसएस) | 11.07.2018 अब तक |

## कुलपति

| नाम | अवधि |
|---|---|
| प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी | 28.02.2009 से 27.02.2014 तक |
| प्रो. महम्मद मियां (अतिरिक्त प्रभार) | 01.04.2014 से 13.05.2015 तक |
| प्रो. तलत अहम्मद (अतिरिक्त प्रभार) | 15.05.2015 से 06.08.2015 तक |
| प्रो. सचिदानंद मोहांति | 07.08.2015से28.02.2019 तक |
| प्रो. शरत कुमार पलिता (कुलपति प्रभारी) | 01.03.2019 से 06.12.2019 तक |
| प्रो. आई रामाब्रह्मम | 06.12.2019 से अब तक |

***पारदर्शिता***

*ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी मामलों में जीएफआर नियमों, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्दों और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।*

## विश्वविद्यालय का मानव संसाधन

विश्वविद्यालय की मानव शक्ति : वर्ष 2019-20 के दौरान विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के नियमित और प्रतिबंधित कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है -

### विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

| क्रमांक | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. आई. रामाब्रह्मम | कुलपति |
| 2. | प्रो. शरत कुमार पलिता | अधिष्ठाता, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण |
| 3. | प्रो. असित कुमार दास | अधिष्ठाता |
| 4. | श्री के. कोसला राव | वित्त अधिकारी (प्रभारी) |
| 5 | डॉ. जयन्त कुमार नायक | परीक्षा नियंत्रक प्रभारी |

### नियमित शैक्षणिक कर्मचारी

| क्रमांक | नाम | पदनाम | विभाग | विद्यापीठ |
|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रो. शरत कुमार पलिता | प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग (बीसीएनआर) | बीसीएनआर विद्यापीठ |
| 2 | डॉ. जयंत कुमार नायक | सहायक प्रोफेसर | मानव शास्त्र अध्ययन विभाग | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 3 | श्री श्रीनिवास बी. कोंटनाक | सहायक प्रोफेसर | यथा | यथा |
| 4 | डॉ. काकोली बनर्जी | सहायक प्रोफेसर | बीसीएनआर | बीसीएनआर विद्यापीठ |
| 5 | डॉ. देबब्रत पांडा | सहायक प्रोफेसर | बीसीएनआर | बीसीएनआर विद्यापीठ |
| 6 | श्री प्रशांत कुमार बेहेरा | सहायक प्रोफेसर | अर्थशास्त्र | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 7 | डॉ. मिनती साहु | सहायक प्रोफेसर | अर्थशास्त्र | यथा |
| 8 | श्री बिश्वजित भोई | सहायक प्रोफेसर | अर्थशास्त्र | यथा |
| 9 | डॉ. रमेंद्र कुमारी पाढ़ी | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | शिक्षा | शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ |
| 10 | श्री संजीत कुमार दास | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग | भाषा विद्यापीठ |
| 11 | डॉ. प्रदोष कुमार रथ | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग | शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ |
| 12 | डॉ. सौरभ गुप्ता | सहायक प्रोफेसर | यथा | यथा |
| 13 | श्री ज्योतिष्का दत्ता | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | गणित विज्ञान | मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ |
| 14 | डॉ. आलोक बराल | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | ओड़िआ भाषा एवं साहित्य विभाग | भाषा विद्यापीठ |
| 15 | डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई | सहायक प्रोफेसर | यथा | यथा |
| 16 | डॉ. कपिल खेमुंदु | सहायक प्रोफेसर | समाजशास्त्र विभाग | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 17 | डॉ. महेश कुमार पांडा | सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी | सांख्यिकी | अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ |

## व्याख्याता (संविदा)

| क्रमांक | नाम | विभाग | विद्यापीठ |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. मीरा स्वांइ | मानवशास्त्र अध्ययन विभाग | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 2 | डॉ. प्रीतिश बेहेरा | वाणिज्य प्रबंधन | वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ |
| 3 | श्री सुबाष चंद्र पट्टनायक | यथा | यथा |
| 4 | डॉ. ए. मोहन मुरधीधर | यथा | यथा |
| 5 | सुश्री सुमन मिश्र | यथा | यथा |
| 6 | डॉ. गिरिधर मोहांत | यथा | यथा |
| 7 | श्री सुशांत कुमार | कंप्यूटर विज्ञान | मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ |
| 8 | श्री पतितपावन रथ | यथा | यथा |
| 9 | श्री संदीप कुमार साहु | यथा | यथा |
| 10 | डॉ. सर्वेश्वर बारिक | यथा | यथा |
| 11 | श्री संतोष कुमार रथ | यथा | यथा |
| 12 | श्री सुभ्रजीत रथ | अर्थशास्त्र | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 13 | श्री केदारसेन साहु | यथा | यथा |
| 14 | श्री के. वेंकट एन राव | शिक्षा | शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ |
| 15 | श्री अक्षय कुमार भोई | यथा | यथा |
| 16 | श्री पी. डब्ल्यू बनर्जी | यथा | यथा |
| 17 | डॉ. शिशिर कुमार बेज | यथा | यथा |
| 18 | सुश्री बी. सोरेन | यथा | यथा |
| 19 | डॉ. मयूरी मिश्रा | हिंदी | भाषा विद्यापीठ |
| 20 | डॉ. शताब्दी बेहेरा | यथा | यथा |
| 21 | डॉ. सौम्य रंजन दाश | यथा | यथा |
| 22 | श्री जयंत कुमार स्वाईं | अंग्रेजी | भाषा विद्यापीठ |
| 23 | सुश्री डोली चौधुरी | यथा | यथा |
| 24 | सुश्री मेहुली सांत्रा | यथा | यथा |
| 25 | सुश्री सोनी पाढ़ी | पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग | शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ |
| 26 | सुश्री तलत जे. बेगम | यथा | यथा |
| 27 | श्री सुजीत कुमार मोहांती | यथा | यथा |
| 28 | श्री रमेश चन्द्र माटी | गणित | मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ |
| 29 | सुश्री कृष्णा मलिक | यथा | यथा |
| 30 | सुश्री दीपक राउत | यथा | यथा |
| 31 | डॉ. आनन्द विश्वास | यथा | यथा |
| 32 | डॉ. दीपन ज्योति मोहांती | यथा | यथा |
| 33 | श्री प्रीतम कुमार भोई | यथा | यथा |
| 34 | डॉ. रुद्राणी मोहांती | ओड़िया भाषा तथा साहित्य | भाषा विद्यापीठ |
| 35 | डॉ. गणेश प्रसाद साहु | यथा | यथा |
| 36 | डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी | संस्कृत | यथा |
| 37 | डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य | संस्कृत भाषा | यथा |
| 38 | डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा | समाजशास्त्र | समाज विज्ञान विद्यापीठ |
| 39 | डॉ. नुपूर पट्टनायक | यथा | यथा |
| 40 | डॉ. विजय चंद महाराणा | यथा | यथा |
| 41 | सुश्री सुमन दास | सांख्यिकी विभाग | अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ |
| 42 | सुश्री स्वतिका प्रधान | सांख्यिकी विभाग | अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ |
| 43 | डॉ. निरूपमा साहु | सांख्यिकी विभाग | अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ |

## अतिथि प्रवक्ता

| क्रमांक | नाम | विभाग | क्रमांक | नाम | विभाग |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. उमा शंकर पाढ़ी | अंग्रेजी विभाग | 13 | सुश्री पबीशा चट्टोपाध्याय | व्यवसाय प्रशासन विभाग |
| 2 | डॉ. रानी सिंह | हिंदी विभाग | 14 | श्री यादव देवी प्रसाद बेहरा | व्यवसाय प्रशासन विभाग |
| 3 | श्री पुरन्दरा बिश्वाल | हिंदी विभाग | 15 | श्री श्रीनिवास राव के. | व्यवसाय प्रशासन विभाग |
| 4 | श्री श्रीनिवास स्वाईं | संस्कृत विभाग | 16 | सुश्री लोचन शर्मा | मानव विज्ञान विभाग |
| 5 | श्री पी.जी. राजा कुमार | शिक्षा विभाग | 17 | डॉ. अंजली दाश | अर्थशास्त्र विभाग |
| 6 | डॉ. शुभेन्दु मोहन श्रीचंदन मिश्रा | गणित विभाग | 18 | डॉ. रामा बाबु एम. | मानव विज्ञान विभाग |
| 7 | श्री सिद्धान्त बेहरा | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | 19 | सुश्री रचना | अंग्रेजी विभाग |
| 8 | सुश्री साथी लक्षी गोट्टापु | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | 20 | डॉ. बांशेलकीकर यशपाल | अंग्रेजी विभाग |
| 9 | डॉ. मानस कुमार मलिक | समाज विज्ञान विभाग | 21 | सुश्री स्वागतिका भोई | शिक्षा विभाग |
| 10 | डॉ. प्रदीप चन्द्र आचार्य | संस्कृत विभाग | 22 | डॉ. अभिषेक भौमिक | मानव विज्ञान विभाग |
| 11 | डॉ. जयप्रकाश साहू | संस्कृत विभाग | 23 | प्रो. वीरेश रचप्पा बाडीगर | अंग्रेजी विभाग |
| 12 | डॉ. चक्रपानी पोखरेल | संस्कृत विभाग | | | |

## अतिथि प्राध्यापक

| क्रमांक | नाम | विभाग |
|---|---|---|
| 1 | प्रो. ई. राजा राव | अंग्रेजी विभाग |
| 2 | प्रो. कृष्णा चन्द्र प्रधान | ओड़िआ विभाग |
| 3 | प्रो. हेमराज मीणा | हिंदी विभाग |
| 4 | प्रो. आर.वी.के. शास्त्री | संस्कृत विभाग |
| 5 | प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद | जैव विविधता विभाग और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण |
| 6 | प्रो. दुर्गा प्रसाद | समाजशास्त्र विभाग |
| 7 | प्रो. बी.सी. बारीक | समाजशास्त्र विभाग |
| 8 | प्रो. भागवत पात्रा | अर्थशास्त्र विभाग |
| 9 | प्रो. प्रमोद कुमार जेना | जे. एवं एम.सी विभाग |
| 10 | प्रो. अक्षय राउत | जे. एवं एम.सी विभाग |
| 11 | प्रो. सबिता पी. पट्टनायक | शिक्षा विभाग |

## गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची

| क्रमांक | नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री के.वी. उमा महेश्वर राव | संयुक्त अधिष्ठाता | प्रशासन |
| 2. | श्री के. कोशला राव | संयुक्त अधिष्ठाता | अकादमिक एवं वित्त |
| 3. | श्री सुधाकर पट्टनायक | ओआईसी | अनुरक्षण |
| 4. | श्री एम. एम. पात्र | विशेष कार्य अधिकारी | प्रशासन |
| 5. | श्री बिजयानन्द प्रधान | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | केंद्रीय पुस्तकालय |
| 6. | डॉ. फगुनाथ भोई | जन संपर्क अधिकारी | जनसंपर्क |
| 7. | श्री मानस कुमार दास | सहायक अधिष्ठाता | वित्त |
| 8. | ई. पद्मलोचन स्वाईं | सहायक अभियंता | अभियांत्रिकी |
| 9. | श्री बरदा प्रसाद राउतराय | अनुभाग अधिकारी | प्रशासन |
| 10. | श्री संजीव पाप्नेजा | तकनीकी सहायक | कम्प्यूटर प्रयोगशाला |
| 11. | श्री रूद्रनारायण | प्रोफेशनल सहायक | पुस्तकालय |
| 12. | श्री शिवराम पात्र | सहायक | शैक्षणिक |
| 13. | श्री मानस चन्द्र पाण्डा | सहायक | शैक्षणिक |
| 14. | श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डा | प्रवर श्रेणी लिपिक | प्रशासन |
| 15. | श्री अजित प्रसाद पात्र | प्रवर श्रेणी लिपिक | वित्त |
| 16. | श्री अजय कुमार महापात्र | प्रयोगशाला सहायक | नृविज्ञान विभाग |
| 17. | श्री मुकुन्द खिलो | पुस्तकालय सहायक | पुस्तकालय |
| 18. | श्री प्रमोद कुमार परिड़ा | निम्न श्रेणी लिपिक | वित्त |
| 19. | श्री तुषारकान्त दास | निम्न श्रेणी लिपिक | अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर |
| 20. | श्री मिलन राउल | कार्यालय सहायक | शैक्षणिक |
| 21. | सुश्री प्रीति कुमारी रथ | कार्यालय सहायक | प्रशासन |
| 22. | डॉ. मधुसूदन महापात्रा | चिकित्सक | प्रशासन |
| 23. | श्री पी.पी. क्षेत्रीय | जेपीए | अनुरक्षण |
| 24. | श्री निरंजन पाढ़ी | प्रबंधन, अतिथि भवन | प्रशासन(06.11.2019को छोड़ा गया) |
| 25. | श्री गंगाधर डाकुआ | बागबानी निरीक्षक | अनुरक्षण |
| 26. | श्री भगवान नाहक | परामर्शदाता | प्रशासन(01.06.2020 को छोड़ा गया) |
| 27. | श्री अनुज कुमार सिंह | परामर्शदाता (आईटी) | पुस्तकालय |
| 28. | श्री प्रदीप कुमार मोहंती | खेलकूद परामर्शदाता | प्रशासन |

## प्रो. आई. रामब्रह्मम ने कुलपति के रूप में पदभार संभाला

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रो. आई रामब्रह्मम ने ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे नियमति कुलपति के रूप में 06 दिसम्बर 2019 को पदभार संभाला। भारत का राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद ने केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की विधान 2(1) के तहत प्रोफेसर आई. रामब्रह्मम को उनकी नियुक्ति तिथि से 5 वर्ष तक या उनकी आयु 70 वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (सीयूओ) के कुलपति के रूप में नियुक्त किया जिसकी सूचना 3 दिसंबर 2019 को मानव संसाधन विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति से प्राप्त हुई। 03 दिसम्बर 2019 को उन्होंने, तत्कालीनी उपकुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांती जो कि 28 फरवरी 2019 को अवसर ग्रहण किए थे, के बाद बने अंतरीम उपकुलपति प्रो0 एस के पालिता से अपना पदभार ग्रहण किया।

प्रो. आई रामब्रह्मम के पास हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ सोशल साइंस के राजनीतिक विज्ञान के वरिष्ठ संकाय सदस्य के रूप में एक विशाल और प्रभावशाली अकादमिक व प्रशासनिक अनुभव है।

प्रो. ररामब्रह्मम ने यू एच एच से राजनीति विज्ञान में पी-एच.डी. की और आंध्रे विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन में एम.ए. किया। उनके पास 30 से अधिक वर्षों का शिक्षण अनुभव है और उन्होंने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इन्होंने 20 से अधिक विद्वानों का निर्देशन किया है तथा कई शोध परियोनाओं को पूरा भी किया है।प्रो. रामब्रह्मम शिक्षा-नीति, ई-गवर्नेंस, ई-पाठशाला पहल आदि पर ध्यान देने के साथ-साथ शासन, ग्रामीण विकास उच्च शिक्षा और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में काम करते हैं। इन्होंने ई-पाठशाला और स्वयम् पोर्टल के लिए लोक प्रशासन में 100 से अधिक मॉड्यूल तैयार किए हैं।

# अतिथि प्राध्यापक

**प्रोफेसर बी. सी. बारिक**
समाज विज्ञान विभाग

प्रो. विष्णु चरण बारिक ने 20 जनवरी 2020 को ओडिशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विज्ञान विभाग में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्यभार सम्भाला। यहाँ पदभार सम्भालने के पूर्व वे स्वामी रामानन्द तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विभाग में वरिष्ठ प्राध्यापक (पूर्व निदेशक) थे। उन्हें 10 नवम्बर 2011 से 9 नवम्बर 2014 तक संबलपुर विश्वविद्यालय (ओड़िशा) के कुलपति का पद संभालने का सौभ्याय प्राप्त हुआ। कृषि विज्ञान अध्ययन, प्रवासन, कमजोर-वर्ग, बाँध और विस्थापन तथा जल प्रबंधन इनके शोध-क्षेत्र रहे हैं। प्रो. बारिक के आठ पुस्तक तथा चालीस से भी अधिक शोध पत्र जिनमें पुस्तक समीक्षा भी शामिल हैं, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

**प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद**
समाजशास्त्र विभाग

प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद ने 20 जनवरी 2020 को ओडिशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामजशास्त्र विभाग में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्यभार संभाला। इन्होंने आईआईएम-अहमदाबाद, आईआरएमए-आनंद, एनआईआरडी-हैदराबाद, एनसीआरआई-हैदराबाद, मिजोरम के केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा अदीस अबाबा के सिविल सेवा इथियोपिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थानों के साथ काम किया है। एक शिक्षक, शोधकर्ता तथा सलाहकार के रूप में इन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, थाईलैण्ड, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार तथा इथियोपिया का दौरा किया है। वे राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (एनआईआरडी) हैदराबाद के निदेशक थे।

उन्होंने विभिन् क्षमताओं पर भी काम किया है, जिनमें अध्यक्ष और सीईओ, राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद (एनसीआर आई), मानव संस्धन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, हैदराबाद, निदेशक – प्रोफेसर तथा प्रमुख, पंचायती राज केन्द्र, एनआईआरडी, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, राजेन्द्र नगर हैदराबाद शामिल हैं। ग्रामीण विकास के अन्तर्गत शोध कार्य अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षण, वकालत तथा परामर्श के क्षेत्र में इन्हें चालीस वर्षों का अनुभव है साथ ही एनआई आरडी के निदेशक, प्रोफेसर सह प्रमुख के रूप में तथा सात अन्य संस्थानों विभागों जैसे एच आर डी, संचार, लैंगिक अध्ययन, व्यवहार और संगठनात्मक विकास, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण, पंचायती राज, ग्रामीण प्रबंधन, सुशासन तथा स्नातकोत्तर अध्ययन में 25 वर्षों का अनुभव है। इनके 6 पुस्तकें अन्यत्र 18 अध्याय, 36 अनुसंधान मोनोग्राफ रिपोर्ट केस अध्ययन के अलावा 63 शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं।

**प्रो. ई. राजा राव**

अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग

उन्होंने 16.01.2020 को सीयूओ में पदभार संभाला। पदभार संभालने के पूर्व वे इंग्लिश के स्नातकोत्तर विभाग के प्रोफेसर थे तथा बेहरामपुर के कनेडियन अध्ययन केन्द्र के निदेशक भी थे। इन्होंने वरिष्ठ फुलब्राइट फैलोशिप, कैनेडियन एकेडेमिक रिसर्च फैलोशिप, यूजीसी टीचर फेलो, कैनेडियन रिसर्च फैलोशिप तथा अपने पी-एच.डी. थीसीस के लिए 'मेरिटोरियस अवार्ड' प्राप्त किया है। उनका अमेरिकी साहित्य, अफ्रीकी-अमेरिकी साहित्य, ब्रिटिश साहित्य, परा औपनिवेशिक अध्ययन, साहित्य सिद्धस्त, स्त्री लेखन, भारती अंग्रेजी साहित्य में शिक्षण और अनुसंधान में 40 वर्षों से अधिक का अनुभव रहा है साथ ही राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के पत्र पत्रिकाओं में अच्छी संख्या में लेख प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने अपने शैक्षणिक जीवन के दौरान 49 शोध विद्वानों (30 एम.फिल. तथा 19 पी.एच.डी) का निर्देशन किया है। वे एक रचनात्मक लेखक भी हैं। उन्होंने उप-प्रधान अन्वेषक के रूप में, यूजीसी मेजर रसर्च प्रोजेक्ट पर प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर बी.के. त्रिपाठी के साथ ओड़िशा के जनजातीय लोगों की लोककथा और पौराणिक कथाओं पर सहयोगात्मक कार्य किया है। प्रो0 राव ने एक बार और प्रतिष्ठित फैलोशिप पर फ्रांस और कनाडा का दौरा किया है। समकालीन अफ्रीका-अमरिकी कथा पर एक पुस्तक की रचना की है तथा अंग्रेजी और कनाडाई साहित्य पर दो पत्रिकाओं का संपादन किया है।

**प्रो. मजीती नरसिम्हा वरा प्रसाद**
जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

सीयूओ में पदभार संभालने से पहले प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना में एमेरिट्स प्रोफेसर थे। वे जैव प्रौद्योगिक कार्यक्रम तथा पर्यावरण शिक्षण तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के समन्वयक के रूप में सेवा दे चुके हैं। उन्होंने 19 पी-एच.डी विद्वानों तथा सात एम.फिल. के विद्वानों का निर्देशन किया है साथ ही 21 शोध परियोजनाओं को पूरा किया है। उनके शोध लेख 204 पीयर रिव्यू जर्नल्स, 127 पुस्तक अध्याय, 26 पुस्तकों के रूप में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने अब तक 6 अकादमिक सम्मान प्राप्त किया है तथा अतिथि प्राध्यापक के रूप में बारह देशों का भ्रमण भी किया है।

**प्रो. हेमराज मीणा**
हिन्दी विभाग

प्रो. मीणा ने 21 जनवरी 2020 को सीयूओ में अतिथि प्राध्यापक का पदभार संभाला। पदभार संभालने से पहले वे 'केन्द्रीय हिंदी संस्थान', गुवाहाटी के क्षेत्रीय निर्देशक थे। इनके पास केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्र जैसे अहमदाबाद, आगरा, मेघालय, असम में प्रशासनिक कार्य में ग्यारह वर्षों का अनुभव है। उनके पास हिन्दी साहित्य में अध्यापन का 34 वर्षों का अनुभव है। वे विश्व हिन्दी सम्मान, डॉ. जगदीश गुप्ता साहित्य सम्मान, सूर्य अंर्तभारती भाषा सम्मान, साहित्य श्री सम्मान तथा शितिक सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें 6 पुस्तकों, 500 आलेख, 100 कविताओं तता 9 हिन्दी साहित्यिक पत्रिकाओं के संपादक के रूप में जाना जाता है। उन्हें हिन्दी साहित्य तथा भाषा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे, भारतीय काव्य, पाश्चात्य काव्य, दलित तथा जनजातीय साहित्य, हिन्दी आलोचना कथा साहित्य, उपन्यास व कविता, हिन्दी साहित्य का इतिहास आदि क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त है।

**प्रो. भागवत पात्रो**
अर्थशास्त्र विभाग

प्रो. भागवत पात्रो 15 जनवरी 2020 को अतिथि प्रध्यापक के रूप में विश्वविद्यालय का कार्यभार संभाला। उनके पास बेहरमपुर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में एक समृद्ध शैक्षणिक अनुभव है। यहाँ पदभार संभालने से पहले वे भुवनेश्वर के बिड़ला ग्लोबल विश्वविद्यालय में अतिथि प्रध्यापक थे। उन्होंने एक सहायक प्रोफेसर के रूप मे महाराष्ट्र नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, मुम्बई में भी कार्य किया। इकोनोमेट्रिक्स, सार्वजनिक अर्थशास्त्र एवं विकास अर्थशास्त्र के क्षेत्र में माहिर है। इन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार के दो अनुसंधान परियोजना को पूरा किया। स्वयं के बल पर उन्होंने विदेश भ्रमण भी किया है। उनके प्रकाशन सूची में 12 पुस्तकें तथा मोनोग्राफ, 21 पुस्तक समीक्षा, 2 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में लेख, 32 राष्ट्रीय। क्षेत्रीय पत्रिकाओं में लेख शामिल हैं। इन्होंने ग्यारह पी-एच.डी. विद्वानों को निर्देशित किया है।

**प्रो. प्रमोदा कुमार जेना**
पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

प्रो. जेना 20 जनवरी 2020 को इस विश्वविद्यालय में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्यभार संभाला। इससे पहले वे गुरू जभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के संचार प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी विभाग में सितम्बर 1994 से जुलाई 2016 तक पढ़ा रहे थे। इन्होंने 9 पी.एच.डी विद्वानों का निर्देशन किया। वे गूरू जम्भेश्वर विज्ञान और प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के संचार प्रबंधन तथा प्रोद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुके हैं तथा यहीं वे डीन का पदभार भी संभाला है। उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में अच्छी खासी लेख प्रकाशित किये हैं। विकास के लिए संचार क्षेत्र में विशेषज्ञ प्रो0 जेना ने काफी प्रयोगात्मक कार्य किये हैं, जैसे ग्रामीण समाचार पत्र 'द ग्राम्यवाणी', 'गाँव खबर', 'ग्राम पहल' शुरूआत।

**प्रो. अक्षय राउत, आईआईएस (रिटायर्ड)**
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

फरवरी 2020 में यहाँ कार्यभार संभालने से पहले फरवरी 2019 में अक्षय राउत ने सार्वजनिक सेवा के 38 साल पूरे किए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे महानिदेशक स्वच्छ भारत मिशन, पेय जल तथा स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार तथा महानिदेशक भारत का निर्वाचन कमीशन, में अपनी सेवा दे चुके हैं। वे संघीय सिविल सेवा 'भारतीय सूचना सेवा' में कार्यरत हैं, इसी दौरान उन्होंने प्रबंधन कार्यक्रमों / परियोजनाओं / वित्त / खरीद / वार्ता में वरिष्ठ पदों पर सेवा दी। उनकी विशेषज्ञता तथा नेतृत्व के क्षेत्र सामाजिक लामबंदी, संचार सार्वजनिक अभियान, संस्थान निर्माण, शैक्षणिक तथा क्षमता विकास, परियोजना कार्यान्वयन और अभिनव हस्तक्षेप जैसे क्षेत्र हैं। वे वर्तमान में यूनिसेफ के साथ जल और स्वच्छता के लिए क्षमता निर्माण में राष्ट्रीय स्तर के टीम लीडर हैं और जल शक्ति के नवनिर्मित मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग के प्रयासों का समर्थक हैं।

प्रो. राउत ने स्वच्छ भारत मिशन में महत्वपूर्ण व्यवहार परिवर्तन और सामूहिक विकास कार्यों का नेतृत्व किया। इसके अलावा अंतर विभागयी समन्वय, कॉर्पोरेट और मीडिया की व्यस्तता और गंगा बैंकों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में स्वच्छता पर तेजी से नजर रखने और कुछ महत्वपूर्ण स्थितियों पर कार्य कर रहे हैं। स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिए उन्होंने स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ शक्ति, सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह, स्वच्छ सुंदर शौचालय तथा स्वच्छ कुंभ जैसे कार्यक्रम को संचालित कर रहे हैं। उन्होंने केन्द्रीय तथा राज्य एजेंसियों, शैक्षिक संस्थानों, गैर सरकारी और कॉर्पोरेट संस्थाओं एवं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास साझेदारों के साथ मिलकर स्वच्छता एक्शन प्लान, स्वच्छ आइकोनिक प्लेस, स्वच्छ पखवाड़ा, जिला स्वच्छ भारत और स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप जैसी अभिनव परियोजनाओं का भी नेतृत्व किया। इस प्रकार सभी के व्यवहार में स्वच्छता को आगे रखने की योजना।

2009 से 2014 तक, भारत के चुनाव आयोग के महानिदेशक के रूप में अक्षय राउत ने पहल की जिसके कारण सभी चुनावों में नामांकन और मतदाता के रिकॉर्ड मतदान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वे एसभीईईपी, एनभीडी, ईसीआई कैंपस एम्बेसेडर, भारत और दुनिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गहरा करने के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान और सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रथाओं के लिए पुरस्कार जैसे हस्तक्षेपों से जुड़ा हुआ है। एसभीईईपी और एनभीडी को अब दुनिया भर में प्रशंसित और अपनाया गया है। अक्षय राउत ने पहले महानिदेशक के रूप में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी और इलेक्शन मैनेजमेंट की नींव रखी।

**प्रो. कृष्णा चन्द्र प्रधान**
ओड़आ भाषा एवं साहित्य विभाग

प्रो. कृष्णा चन्द्र प्रधान जनवरी 2020 को ओडिशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के ओड़आ विभाग में अतिथि प्राध्यापक के रूप में कार्यभार संभाला। उनके पास विभिन्न विश्वविद्यालयों में बत्तीस वर्षों का शिक्षण अनुभव है। अपने श्रेय के लिए 52 पुस्तकें, 190 शोध एवं लोकप्रिय लेख प्रकाशित किए हैं। इन्होंने चार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, दो राष्ट्रीय सम्मलेनों एवं बत्तीस राज्य स्तरीय संगोष्ठियों में भाग लिया। उनके मार्ग दर्शन में तीस विद्वानों को पी-एच.डी. की उपाधि तथा तीन विद्वानों को डी.लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने दो प्रमुख यूजीसी अनुसंधान परियोजनाओं को भी पूरा किया है। उनके पास सिनेट सदस्य, विभागाध्यक्ष, विभिन्न संघों के उपाध्यक्ष, एकीकृत शिक्षा, प्रबंध संपादक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के अध्ययन मंडल के सदस्य, पाठ्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में 16 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव है। उन्होंने केन्द्रयी साहित्य अकादमी एवं राज्य साहित्य अकादमी के परिषदीय सदस्य के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वे सरस्वती सम्मान, सरला पुरस्कार, केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार, राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार आदि विभिन्न प्रतिष्ठित निकायों के अंतिम निर्णायक सदस्य के रूप में काम करते हैं। उन्हें ओड़िशा साहित्य अकादमी पुरस्कार, झंकार पुरस्कार, सरला गंगाधर मेहर पुरस्कार, उत्कल साहित्य समाज पुरस्कार, फकीर मोहन साहित्य परिषद पुरस्कार, भारद्वाज पुरस्कार, केन्द्रपाड़ा जिला साहित्य पुरस्कार और सुरेन्द्र गभाना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

**प्रो. आर. वी. रामाकृष्णा शास्त्री**
संस्कृत विभाग

प्रो. शास्त्री 06 मार्च, 2020 को सीयूओ में अतिथि प्राध्यापक के रूप में पदभार संभाला। 2006 से 2019 तक वे हैदराबाद विश्वविद्यालय में संस्कृत के प्रोफेसर थे। उनके पास भाषा प्रवीण तथा व्याकरण प्रवीण में शैक्षणिक एवं शोध के अनुभव हैं। संस्कृत के अलावा उन्होंने तेलुगु में एम.ए. एवं पी-एच.डी की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने भाषा विज्ञान में एम.ए. एवं ज्योतिषा में एम.ए. कर अपने अकादमिक कैरियर को समृद्ध बनाया। उनकी प्रकाशित पुस्तकें संस्कृत व्याकरण, वेदांग पाणिन्य शिक्षा, वेदांग ज्योतिष और वेदांग चंडास पर है।

**प्रो. सबिता प्रभा पट्नायक**
शिक्षा विभाग

प्रो. पटनायक 20 जनवरी 2020 को शिक्षा विभाग में अपना कार्यभार संभाला। सीयूओ में शामिल होने से पहले उन्होंने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर से अपने शिक्षण कैरियर की शुरूआत की और तीस से अधिक वर्षों तक वहाँ सेवा की। वे आरआईई, एनसीईआरटी और इग्नू की पाठ्यचर्या विकास समिति से जुड़ी हुई हैं। वे सर्वशिक्षा अभियान के नेशनल रिसोर्स ग्रुप की सदस्य, शिक्षकों के विश्लेषण की आवश्यकता के लिए आर एमएस ए अनुसंधान दल, न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सिफारिश के कार्यान्वयन  के लिए समिति, और गुजरात के लिए एमएचआरडी की संयुक्त समीक्षा समिति से जुड़े हुए हैं। उन्होंने 8 पी-एच.डी. विद्वानों को निर्देशित किया है। उन्होंने 7 राष्ट्रीय परियोजनाओं और 1 अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना पूरी की है। अपने श्रेय के लिए इन्होंने एक पुस्तक तथा 22 शोध लेख प्रकाशित कराए हैं। वे 08 अंतर्राष्ट्रीय और 25 राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए दुनिया भर की यात्रा की हैं। इन्होंने राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में 18 बार शैक्षणिक समन्वयक एवं 50 बार संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया। इन्होंने 06 शैक्षणिक उपकरण, 03 प्रशिक्षण पैकेज, 05 हैंडबुक, इग्नू के लिए सामग्री और शिक्षा से संबंधित 02 वीडियो फिल्में भी विकसित की हैं।

## शैक्षणिक कार्यक्रम

| क्रमांक | विद्यापीठ का नाम | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम तथा अवधि |
|---|---|---|---|
| 01 | भाषा विद्यापीठ | ओड़िआ भाषा तथा साहित्य | ओड़िया में एम.ए. (दो वर्ष)<br>ओड़िया में एम.फिल. (एक वर्ष)<br>ओड़िया में पी-एच.डी. |
| | | अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग | ओड़िया में एम.ए. (दो वर्ष) |
| | | हिंदी विभाग | हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष) |
| | | संस्कृत विभाग | संस्कृत में एम.ए. (दो वर्ष) |
| 02 | समाज विज्ञान विद्यापीठ | नृविज्ञान विभाग | नृविज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष)<br>नृविज्ञान में एम.फिल (एक वर्ष)<br>नृविज्ञान में पी-एच.डी |
| | | समाजशास्त्र विभाग | समाजशास्त्र में एम.ए (दो वर्ष)<br>समाजशास्त्र में एम.फिल<br>समाजशास्त्र में पी-एच.डी |
| | | अर्थशास्त्र विभाग | अर्थशास्त्र में एम.एससी (दो वर्ष)<br>अर्थशास्त्र में एम.फिल (एक वर्ष)<br>अर्थशास्त्र में पी-एच.डी. |
| 03 | शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ | जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग | जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम.ए (दो वर्ष)<br>जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम. फिल (एक वर्ष)<br>जनसंचार एवं पत्रकारिता में पी-एच.डी |
| | | शिक्षक शिक्षा विभाग | शिक्षक शिक्षा में स्नातक (दो वर्ष)<br>शिक्षक शिक्षा में एम.फिल (एक वर्ष)<br>शिक्षक शिक्षा में पी-एच.डी |
| 04 | मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ | गणित विज्ञान विभाग | पाँच एकीकृत वर्षीय गणित विज्ञान में एम.एससी (पाँच वर्ष) |
| | | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (तीन वर्ष) |
| 05 | जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ | जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन विभाग | जैव विविधतामें एम.एससी (दो वर्ष)<br>जैव विविधतामें एम.फिल. (एक वर्ष)<br>जैव विविधतामें पी-एच.डी |
| 06 | वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन | व्यापार प्रबंधन विभाग | व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष) |
| 07 | अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ | सांख्यिकी विभाग | सांख्यिकी में एम.एससी (दो वर्ष)<br>सांख्यिकी में एम.फिल (एक वर्ष)<br>सांख्यिकी में पी-एच.डी. |

बीसीएनआर – जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

# शैक्षणिक कैलेण्डर (2019-2020)

| घटनाएँ | वर्षाकालीन सत्रांत | शीतकालीन सत्रांत |
|---|---|---|
| छुट्टी के बाद पुनः खोलने | **शिक्षकों के लिए :**15 जुलाई, 2019 (सोम)<br>**छात्रों के लिए :**15 जुलाई, 2019 (सोम) | **शिक्षकों के लिए :**06जनवरी, 2020(सोम)<br>**छात्रों के लिए :**06जनवरी, 2020(सोम) |
| पंजीकरण | 15 - 22जुलाई, 2019 (सोम - सोम)<br>(3,5, 7एवं 9 सेमेस्टर) | 6–13 जनवरी, 2020 (सोमवार से सोमवार)<br>(सभी सेमेस्टर) |
| विलम्ब शुल्क सहित पंजीकरण | 23 - 31जुलाई, 2019 (मंगल - बुध)<br>(3,5, 7एवं 9 सेमेस्टर) | 14–22 जनवरी, 2020 (मंगलवार से शुक्रवार)(सभी सेमेस्टर) |
| कक्षा शुरु | 15जुलाई, 2019 (सोम)<br>(3,5, 7एवं 9 सेमेस्टर)<br>(3rd ,5th , 7th& 9th Semester) | 6 जनवरी, 2020 (सोमवार)<br>(सभी सेमेस्टर) |
| पाठ्यक्रम जो / परिवर्तन के लिए अंतिम तिथि | 23 जुलाई 2019 (मंगल) | 14 जनवरी 2020 (मंगल) |
| पूरक / सुधार / विशेष पूरक परीक्षा के लिए आवेदन सहित निर्धारित शुल्क चालान के लिए अंतिम तिथि | 18 जुलाई, 2019 (वृहस्पतिवार)<br>(2/4 /6 /8 /10 सेमेस्टर के लिए) | 8 जनवरी, 2020 (बुध)<br>(1/3 /5 /7 /9सेमेस्टर के लिए) |
| पूरक / सुधार / विशेष पूरक परीक्षा | 19-25 जुलाई, 2019 (शुक्र - वृहस्पति)<br>(2/4 /6 /8 /10 सेमेस्टर के लिए) | 10 – 16 जनवरी, 2020 (शुक्र – वृहस्पति)<br>(1/3 /5 /7 /9सेमेस्टर के लिए) |
| पूरक / सुधार / विशेष पूरक परीक्षा परिणाम घोषणा | 22 जुलाई, 2019 (सोम) | 13 जनवरी, 2020 (सोम) |
| रिपिट परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क चालान सहित आवेदन की अंतिम तिथि | 30 जुलाई, 2019 (मंगल) | 21 जनवरी, 2020 (मंगल) |
| पूरक परीक्षा के परिणाम प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि | 2 अगस्त, 2019 (शुक्र) | 24 जनवरी, 2020 (शुक्र) |
| पहला मिड टर्म परीक्षा* | 13 – 20 अगस्त, 2019 (मंगल – मंगल) | 4 – 11 फरवरी, 2020 (मंगल – मंगल) |
| छात्र परिषद चुनाव ** | 6 सितम्बर, 2019 (शुक्र) | …… |
| स्थापना दिवस | 29 अगस्त, 2019 (वृहस्पति) | …… |
| दूसरा मिड टर्म परीक्षा* | 20 – 27 सितम्बर, 2019 (शुक्र – शुक्र) | 11 – 18 मार्च, 2020 (बुध – बुध) |
| मिड सेमेस्टर अवकाश | 30 सितम्बर – 11 अक्टूबर, 2019 (सोम – शुक्र) | …… |
| तीसरा मिड टर्म परीक्षा* | 7 – 14 नवम्बर, 2019 (वृहस्पति – वृहस्पति) | 1 – 8 अप्रैल, 2020 (बुध – बुध) |
| वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ** | …….. | 10 अप्रैल, 2020 (शुक्र) |
| पाठ्यक्रम ड्रापिंग करने की अंतिम तिथि | 19 नवम्बर, 2019 (सोम) | 13 अप्रैल, 2020 (शुक्र) |
| वार्षिक खेल बैठक | 21 – 24 नवम्बर, 2019 (वृहस्पति – रवि) | …….. |
| कथाओं की अंतिम तिथि | 6 दिसम्बर, 2019 (शुक्र) | 1 मई, 2020 (शुक्र) |
| उपस्थिति शीट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 6 दिसम्बर, 2019 (शुक्र) | 1 मई, 2020 (शुक्र) |
| अंतिम सेमेस्टर परीक्षा | 9 – 17 दिसम्बर, 2019 (सोम-मंगल) | 4 – 12 मई, 2020 (सोम – मंगल) |
| परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय को अंक तथा ग्रेड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 20 दिसम्बर, 2019 (शुक्र) | 15 मई, 2020 (शुक्र) |
| परिणाम घोषणा | 31 दिसम्बर, 2019 (मंगल) | 25 मई, 2020 (सोम) |
| अवकाश | **छात्रों के लिए :**18 दिसम्बर 2019 – 3 जनवरी, 2020 (बुध – शुक्र)<br>**शिक्षकों के लिए :**23 दिसम्बर, 2019 – 3 जनवरी, 2020 (सोम – शुक्र) | **छात्रों के लिए :**13 मई 2019 – 10 जनवरी, 2020 (बुध – शुक्र)<br>**शिक्षकों के लिए :**18मई, 2019 –10जुलाई, 2020 (सोम – शुक्र) |

* परीक्षा के बाद कक्षाएँ जारी रहेंगी और मिड सेमेस्टर परीक्षा के बीच शनिवार, रविवार शिक्षण दिवस होंगे।

**भविष्य में विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम तिथि तय की जाएगी।

**Note:**बी.एड छात्रों के लिए, शनिवार को शिक्षण दिवस माना जाएगा क्योंकि विद्यापीठ आधारित इंटर्नशिव की गतिविधियों के दौरान शिक्षण दिवस होना है।

# विश्वविद्यालय के विद्यापीठों एवं विभागों की गतिविधियाँ

## भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रधान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उप्यासकार, कवि, कहानी लेखों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त चार भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

## अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल) ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में क्षिक वर्ष 2009-10 से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलिन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त, तुलनात्मक साहित्य एवं अंग्रेजी भाषा की स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

### उद्देश्य

इस विभाग के निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वनविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषा शास्त्र में एम.फिल/पी-एच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- विभागीय अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन किया जाना।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाना है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग करना।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **श्री संजीत कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| 2 | संपर्क विवरण | अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा,<br>ई-मेल:hod.english@cuo.ac.in |
| 3 | शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएँ | 1. श्री संजीत कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एम.फिल., यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>2. प्रो. ई.राजा राव, बरहमपुर विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त, अंग्रेजी में पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक (16.01.2020 को शामिल)-अतिथि प्राध्यापक<br>3. प्रो. वी. आर. बाडीगर, कर्नाटक, गुलबर्ग विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता (13.02.2020 को शामिल)<br>4. डॉ. बी. यशपाल मुरारी, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता (21.01.2020 को शामिल)<br>5. डॉ. उमाशंकर पाढ़ी, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता, (14.01.2020 को शामिल)<br>6. सुश्रीरचना, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता (05.02.2020 को शामिल) |
| 4 | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 4 मार्च 2020 को अंग्रेजी में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित की गई।
- दिनांक 22 जुलाई से 2 अगस्त 2019 के दौरान संबलपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी के सेवानिवृत्त प्रध्यापक रामशंकर नंदा ने विभाग का दौरा किया और उत्तर औपनिवेशिक / राष्ट्रमंडल साहित्य और शेक्सपीयर तथा 17वीं शताब्दी के साहित्य पर कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 11 से 15 नवम्बर के दौरान रेवेंशॉ विश्वविद्यालय, कटक के अंग्रेजी के सेवानिवृत प्राध्यापक ने विभाग का दौरा किया और साहित्यिक सिद्धान्त तथा आलोचना में भारत में अंग्रेजी लेखन पर कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 22 से 25 अक्टूबर के दौरान एनआईएसईआर, भुवनेश्वर के रीडर डॉ. अमरजीत नायक ने विभाग का दौरा किया और अनुवाद सिद्धान्त तथा प्रयोग पर की व्याख्यान दिए।
- दिनांक 18 से 22 नवम्बर 2019 के दौरान एनआईएसईआर भुवनेश्वर के रीडर एफ प्रो0 ओ. वर्गीस ने विभाग का दौरा किया और अमेरिकी साहित्य पर कई व्याख्या दिए।
- दिसम्बर 2019 में प्रज्ञास रंजन साहू ने यूजीसी नेट जे.आर.एफ की परीक्षा उत्तीर्ण की।

## ओड़िया भाषा तथा साहित्य विभाग

ओड़िआ भाषा एवं साहित्य विभाग सन् 2009 में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। विभाग तुलनात्मक साहित्य, लोक हित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पी-एच.डी तथा एम.फिल) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र 2013-14 से इस केंद्र में किया गया था। यह विभाग अपनी स्थापना के बाद से अपनी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। विभाग के शिक्षकों को परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए शोध निबंध की निगरानी करना पड़ता है। जहाँ छात्रों को चौथे सेमीस्टर में नृविज्ञान और समाज शास्त्रीय फील्डवर्क का अनुभव मिलता है। विभाग से अनेक छात्रों को यूजीसी/जेआरएफ/नेट पूरा किया है और उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में भर्ती कराए गए हैं।

### उद्देश्य

- ओड़िशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है,
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओड़िशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना।
- ओड़िया भाषा और साहित्य को जीवित रखने के लिए अतीत के परंपरा को बनाए रखना,
- विविध अनुसंधान कार्य आयोजित करना और संचालित करना जिससे कि अपने विकास के लिए ओडिया बढ़ सके,
- विभागीय वार्षिक अनुसंधान पत्रिका का आरंभ करना,
- एक प्राचीन भाषा चेयर की स्थापना करना और एमआईएल के तहत ओडिया में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू करना, जो ओड़िया भाषा के विकास और विस्तार में सहायक हो सके,
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना।
- विभागीय पुस्तकालय, लोक म्यूजियम, भाषा प्रयोगशाला और पांडुलिपि के संरक्षण के एक अलग यूनिट स्थापित करना और
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है जिससे विभागीय अनुसंधान और शिक्षण समृद्ध हो सके

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| 1 | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **डॉ. आलोक बराल, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| 2 | संपर्क विवरण | ओडिआ भाषा तथा साहित्य विभाग<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004<br>ओड़िशा, ई-मेल: hod.odia@cuo.ac.in |
| 3 | शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ | 1. डॉ. अलोक बराल, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>2. डॉ. प्रदोष कुमार स्वाईं, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>3. डॉ. रुद्राणी मोहंती, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी., व्याख्याता (संविदा)<br>4. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) |
| 4 | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण | ओड़िया भाषा तथा साहित्य में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) एवं पी-एच.डी. |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इस अवधि के दौरान सात छात्रों ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सात छात्रों में से जुगीराम पटेल और अशोक कुमार नायक ने यूजीसी-जेआरएप की परीक्षा उत्तीर्ण की, जबकि बाल्मीकि करुआँ, सरोज कुमार बिसोई, मोतीलाल नाइक, इंद्रजीत पतरान्ड तथा ललित कुमार सेठी ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- प्रख्यात शिक्षाविदों ने विभाग का दौरा किया और विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। वे हैं – विश्वभारती शांतिनिकेतन के ओड़िआ के सेवानिवृत प्राध्यापक वैष्णव चरण समल, उत्कल विश्वविद्यालय के ओड़िआ के सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघमित्रा मिश्रा, बेरहमपुर विश्वविद्यालय के ओड़िआ के प्राध्यापक प्रसन्न कुमार स्वाईं, बेरहमपुर विश्विद्यालय के ओड़िआ के प्राध्यापक देवी प्रसन्न पटनायक, उत्कल विश्वविद्यालय के ओड़िआ के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. मणीन्द्र कुमार मेहर, विभाग में अतिथि प्राध्यापक के रूप में शामिल हुए संबलपुर विश्वविद्यालय के ओड़िआ के सेवानिवृत्त प्राध्यापक कृष्णचंद्र प्रधान।
- ओड़िआ के सेवानिवृत प्रोफेसर कृष्ण चंद्र प्रधान, संबलपुर विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में विभाग में शामिल हुए।
- दिनांक 21 जनवरी 2020 को विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर वैश्वीकरण के युग में मातृभाषा की चुनौतियाँ विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। ओड़िशा के प्रख्यात लेखक, आलोचक और शोधकर्ता प्राध्यापक देवेन्द्र कुमार दास ने मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठी पर चर्चा की।

## हिंदी विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2015 से 2016 के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में 2 वर्षों में हिंदी भाषा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ की गई। विधिवत शिक्षक विभाग के छात्रों को व्यापक रूप से अनिवार्य अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, मीडिया अध्ययन आदि जैसे विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में लिंगुआ फ्रैंका के रूप में अंग्रेजी के बाद हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाता है।

### उद्देश्य

- अकादमिक सत्र के दौरान विभाग में हिंदी के प्रतिष्ठित प्राध्यापकों के पैनल को आमंत्रित करना।
- विभागीय पुस्तकालय स्थापित करना,
- हिंदी साहित्य में पी-एच.डी और एम.फिल जैसे अनुसंधान कार्यक्रम प्रारम्भ करना।
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलन का आयोजन करना,
- नियमित संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन का आयोजन करना,
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर संसाधनों को समृद्ध करना और
- विश्वविद्यालय में हिंदी में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करना,

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **श्री संजीत कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| **2** | संपर्क विवरण | हिंदी विभाग<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट, ओड़िशा,<br>ई-मेल:hod.hindi@cuo.ac.in |
| **3** | शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ | 1. प्रो. हेमराज मीणा, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक<br>2. डॉ. मयूरी मिश्रा, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, व्याख्याता (संविदा)<br>3. डॉ. शताब्दी बेहेरा, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>4. डॉ. सौम्या रंजन दाश, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>5. डॉ. रानी सिंह, स्नातकोत्तर, बी-एड, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता<br>6. श्री पुरंदर बिश्वाल, स्नातकोत्तर, बी-एड, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता |
| **4** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण | हिंदी में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 29 जुलाई से 2 अगस्त 2019 के दौरान संबलपुर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एम.एल. शर्मा नेविभाग में हिन्दी काव्य (मध्ययुगीन और आधुनिक) विषय पर कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 24 से 26 जुलाई 2019 के दौरान राजेन्द्र विश्वविद्यालय, बोलंगीर, के हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार सिंह ने हिन्दी साहित्य का इतिहास और अनुवाद प्रविद्धि पर कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 19 से 22 अगस्त 2019 के दौरान आंध्रा विश्वविद्यालय के सेवा निवृत प्राध्यापक शेख मुहम्मद इकबाल ने हिन्दी विभाग में भाषा विज्ञान अनुवाद अध्ययन पर कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 21 जनवरी 2020 को राजस्थान विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक हेमराज मीणा अतिथि प्राध्यापक के रूप में शामिल हुए।
- दिनांक 4 मार्च 2020 को मिजोरम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक सुशील कुमार शर्मा और हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक आर. एस. सरराजू हिन्दी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संशोधन समिति के सदस्य के रूप में शामिल हुए।
- दिनांक 10 जनवरी को हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक आलोक पांडे ने हिन्दी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा हिन्दी साहित्य और मीडिया विषय पर व्याख्यान दिया। हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।
- दिसम्बर 2019 में श्री आलोक बिश्वाल और श्री विकास कुमार गौतम ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

## संस्कृत भाषा विभाग

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2015-16 के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और संस्कृत भाषा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाया जाता है। संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है। इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्यत के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक)।

### उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्रके दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करना है;
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना;
- वार्षिक / संगोष्ठी / कार्यशाला सम्मेलन आयोजित करना है;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना;
- संस्कृत के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;
- अभिमुखीकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना;
- आय विभागनों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग ;
- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना;
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **डॉ. आलोक बराल, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| **2** | संपर्क विवरण | संस्कृत विभाग<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-764003, ओड़िशा<br>ई-मेल : hod.sanskrit@cuo.ac.in |
| **3** | शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ | **1.** प्रो. आर.वी. रामा कृष्णा शास्त्री, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी., अतिथि प्राध्यापक<br>2. डॉ. बिरेन्द्र कुमार साडंगी , स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, बी.एड. व्याख्याता (संविदा) |

| | | |
|---|---|---|
| | | 3. डॉ. श्रीनिवास स्वाईं, स्नातकोत्तर, नेट, अतिथि प्रवक्ता<br>4. डॉ. प्रदीप चन्द्र आचार्य, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, बी.एड., अतिथि प्रवक्ता<br>5. डॉ. जयप्रकाश साहू, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, बी.एड., अतिथि प्रवक्ता<br>6. डॉ. चक्रपाणी पोखरेल, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, नेट, अतिथि प्रवक्ता |
| **4** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण | संस्कृत में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रख्यात शिक्षाविदों ने विभाग का दौरा किया और अतिथि प्राध्यापक के रूप में विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। वे हैं – उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, संस्कृत की प्राध्यापिका प्रतिभा मंजरी रथ और एस.वी. एम. ऑटोनोमस महाविद्यालय, जगतसिंहपुर, ओड़िशा सरकार के संस्कृत सेवानिवृत के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. नारायण दास।
- दिनांक 24 सितम्बर 2019 को संस्कृत दिवस के अवसर पर विभाग में संस्कृत : आज और कल विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उत्कल विश्वविद्यालय के संस्कृत के सेवानिवृत्त प्राध्यापक गोपाल कृष्ण दास ने मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- अतिथि प्राध्यापक के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत प्राध्यापक आर.वी. रामकृष्ण शास्त्री शामिल हुए।

## समाजविज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधयों में अन्तर्विषयक दृष्टि कोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू कीगयी है । इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इस में सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है । अधो वर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास तीन केन्द्र हैं जिस में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने को पहल की गयी है:

### मानवविज्ञानविभाग

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान अध्ययन विभाग सन् 2009 से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पाँचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठें एवं सातवें बैच के चल रहाहै, शैक्षिक वर्ष 2013-14 से नृविज्ञान में एम.फिल एवं पी-एच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैसे नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है । छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं । केन्द्र मानवविज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है । वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं । विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है । विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है ।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **मुख्य का नाम** | **डॉ. जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| **2** | संपर्क विवरण | नृविज्ञान अध्ययन विभाग<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा<br>E-mail: hod.anth@cuo.ac.in |
| **3** | शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्ताएँ | 1. डॉ. जयन्त कुमार नायक, एम.एमसी, एम.फिल., पी-एच-डी, यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर<br>2. श्री बी.के. श्रीनिवास, एम.एमसी, यूजीसी (नेट) सहायक प्रोफेसर<br>3. डॉ. मीरा स्वाईं, एम.ए, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी (नेट), व्याख्याता (संविदा)<br>4. डॉ. राम बाबु मल्लवारपु, स्नातकोत्तर, एम.फिल. पी-एच.डी, यूजीसी पीडीएफ, आईसीएसएसआर पीडीएफ, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता<br>5. डॉ. अभिषेक भौमिक, एम.एससी, पी-एच.डी, तथा यूजीसी-नेट (जेआरएफ), अतिथि प्रवक्ता<br>6. सुश्री लोचन शर्मा, एम.एससी, एम.फिल., यूजीसी-नेट (जेआरएफ), अतिथि प्रवक्ता<br>7. सुश्री मौसुमी नायक, एम.एससी, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता |
| **4** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | एम.एससी. (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष), एवं पी-एच.डी., नृविज्ञान |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 09 अगस्त 2019 को विभाग में देशजभाषा पर विश्वके स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया है।
- तीसरे सत्र के छात्रों के लिए 15 दिन की अवधि में दो चक्रों में (16.09.2019 से 25.09.2019 तक 10 दिन के लिए और इस चक्र21.10.2019-25.10.2019 तक के लिए कोरापुट के देंदुकला गाँव में) फील्ड वर्क का आयोजन किया गया।
- इस अवधि के दौरान मानव विज्ञान में एक शोध छात्र श्री राजेश्वर महाराणा को पी-एच.डी की उपाधि मिली। इन्होंने अपना शोध-कार्य डॉ. जयन्त कुमार नायक के कुशल निदेशन में पूरा किया।
- इस अवधि के दौरान तीन शोध छात्रों – कुमारी प्रियदर्शिनी गरदा, श्री जुगल प्रकाश कोरकोरा और श्री कमल कुमार सांरगों का एम.फिल की उपाधि मिली। इन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. जयन्त कुमार नायक के कुशल निदेशन में पूरा किया।
- इस अवधि के दौरान चार अतिथि प्रवक्ता विभाग में शामिल हुए। वे हैं – डॉ. राम बाबू मल्लावरपु, डॉ. अभिषेक भौमिक, सुश्री लोचन शर्मा और सुश्री मौसमी नायक।
- मार्च 2019 के दौरान अंग्रेजी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कम्युनिकेटिव इंग्लिश और सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला में विभाग के तीस छात्रों ने भाग लिया।

## समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरात 2009 से काम कर रहा है। यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम (एम.फिल., तथा पी-एच.डी) प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है।

अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फिल. एवं पी-एच-डी.) शैक्षणिक वर्ष 2013-2014 से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **डॉ. कपिल खेमेंडु, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| **2** | संपर्क विवरण | **समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग**<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-764003, ओड़िशा,<br>ई-मेल: hod.sociology@cuo.ac.in |
| **3** | शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ | 1. प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद (अतिथि प्राध्यापक)<br>2. प्रो. बी.सी. बारिक (अतिथि प्राध्यापक)<br>3. डॉ. कपिल खेमुंडु, एम.ए., एम.फिल, पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी<br>4. डॉ. आदित्य केशरी मिश्र, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>5. डॉ. नुपुर पट्टनायक, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>6. डॉ. बिजय चन्द महाराणा, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) |
| **4** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | एम.ए. (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष), एवं पी-एच.डी.-समाज शास्त्र |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग ने 29 जुलाई 2019 को 'गांधीवाद, अम्बेडकरवाद और 'मार्क्सवाद : दलित मुक्ति और मुक्ति के लिए एक विश्लेषणात्मक प्रवचन ' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
- दिनांक 30 जुलाई 2019 को समाज विज्ञान विभाग ने 'द पावर ऑफ डेवेलपमेंट ऑफ थर्ड वर्ल्ड कन्ट्रीज ' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

## अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 2011 में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओड़िशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। इस विभाग में विभिन्न विशेषज्ञता के साथ पर्याप्त संकाय सदस्य हैं। इसके अलावा विभाग कक्षाओं को लेने और अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करता है।

यह विभाग अर्थशास्त्र में एम.ए., एम.फिल, और पी-एच.डी के कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनोमेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोन करता है। भारत में एक अग्रणी शिक्षण और शोध केंद्र के रूप में विभाग, आदिवासी अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र ग्रामीण अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र आदि के क्षेत्रों में नियमित रूप से क्षेत्र सर्वेक्षण, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन करता है।

### विभाग का लक्ष्य

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाना।
- नवाचार शिक्षण, उन्नत अनुसंधान और जन नीति विश्लेषण पर जोर देते हुए अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभराना।
- जनजाति अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र के क्षेत्र में व्यापक और गहराई अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना और गरीबी तथा मानव विकास और अन्य मुख्य 7त्रों पर अध्ययन करना।
- कक्षा के बाहर अर्थशास्त्र को लेना, जिसमें तर्कसंगत निर्णय लेने के लिए छात्रों के बीच कौशल और संवेदनशीलता को सुलाझाने में समस्याएँ उत्पन्न करें।
- अंतर अनुशासनिक अध्ययन और शोध के माध्यम से अर्थशास्त्र में ज्ञान बनाना और प्रसारित करना।
- गाणितिक, इकोनोमेट्रिक्स, कंप्यूटर अनुप्रयोग और उद्योग प्लेसमेंट उन्मुख पाठ्यक्रमों वाले अनुप्रयोग अर्थशास्त्र में एमए की डिग्री प्रदान करना।
- आने वाले वर्षों में नये शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को आरंभ करना जैसे कि अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में पाँच वर्षीय एकीकृत एमए, विकास अध्ययन एमए और अर्थशास्त्र में पोस्ट डॉक्टरॉल डिग्री (डी. लीट) आदि।
- विभिन्न सरकारी और घरेलू संगठनों से अलग-अलग अर्थशास्त्रीय मुद्दों पर छोटे और बड़े अनुसंधान परियोजनाओं को लेना।
- आर्थिक नीति निर्धारण, मूल्यांकन और समीक्षा के लिए एक ज्ञान के भंडार के रूप में सरकारी एजेंसियों के साथ जुड़े रहना।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1.** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्राध्यापक तथा विभाग प्रभारी |
| **2.** | संपर्क विवरण | अर्थशास्त्र विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा<br>ई-मेल: prasantakumarbehera@gmail.com |
| **3.** | शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ | 1. प्रो. भागवता पात्रो, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., अतिथि प्राध्यापक<br>2. श्री प्रशान्त कुमार बेहेरा, स्नातकोत्तर, एम.फिल., यूजीस-नेट, सहायक प्राध्यापक तथा विभाग प्रभारी<br>3. डॉ. मिनती साहू, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., यूजीस-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>4. श्री बिश्वजीत भोई, स्नातकोत्तर, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>5. श्री सुभ्रजीत रथ,स्नातकोत्तर, एम.फिल., तथा यूजीस-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>6. डॉ. अंजली दाश,स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता |
| **4.** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. तथा पी-एच.डी |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 21 से 24 अक्टूबर 2019 के दौरान जेएनयू, नई दिल्ली के अर्थशास्त्र के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. अलीमलाई कन्नन ने विभाग का दौरा किया और अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर, एम.फिल. तथा पी-एच.डी के छात्रों के लिए व्याख्यान दिए।
- दिनांक 25 अक्टूबर 2019 को 'भारत में नीतिगत सुधारों के लिए आर्थिक विकास के लिए बाध्यकारी बाधाओं की पहचान ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें जेएनयू, नई दिल्ली के अर्थशास्त्र के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. अलीमलाई कन्नन ने व्याख्यान दिए।
- दिनांक 24 नवम्बर 2019 को अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर के छात्रों (बैच 2018-2020) के लिए नंदपुर कोरापुट जला ओड़िशा में 'जीतन की गुणवत्ता : एक घरेलू स्तर का विश्लेषण ओड़िशा के कोरापुट जिला के नंदपुर ब्लॉक में' विषय पर एक फील्ड सर्वेक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 3 मार्च 2020 को विभाग में 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति : हालिया रूझान ' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री चारुदत्त पाणिग्रही संस्थापक और निदेशक एफआईडीआर, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा विशेष व्याख्या दिया गया।
- दिनांक 8 अप्रैल 2019 को अध्ययन मंडल की बैठक हुई।
- पी-एच.डी. शोध छात्रा कुमारी करिश्मा राणा, श्री शुभाशीष बेहेरा और श्री प्रीतम रंजन साहू ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। श्री सोमनाथ साहू ने आंध्र प्रदेश सेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- दिनांक 20-22 दिसम्बर भुवनेश्वर 2019 के दौरान प्राकृतिक इतिहास के क्षेत्रीय संग्राहलय में आयोजित ओड़िशा पर्यावरण कांग्रेस 2019 में 'माइनिंग एण्ड इकोनॉमिक डेवेलपमेंट इन ओड़िशा-एन एनालाइसीस ' विषय पर अधिवेशन की कार्यवाही पी-एच.डी शोध छात्रा पुनम दास ने प्रकाशित की। (आईएसबीएन – 978-81-9208415-9) (सह लेखक – एम. साहू)
- दिनांक 21 से 25 अक्टूबर 2019 के दौरान सीयूओ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम में डॉ. एलिमलाई कन्नन द्वारा दिए गए व्याख्यान में पूनम दास ने भाग लिया।
- दिनांक 20-20 दिसम्बर 2019 के दौरान प्राकृतिक इतिहास के क्षेत्रीय संग्रहालय, भुवनेश्वर में आयोजित ओड़िशा पर्यावरण कांग्रेस 2019 'खनन और सामाजिक कल्याण – एक खनन और ओड़िशा में गैर-खनन जिलों में शैक्षिक विकास का तुलनात्मक अध्ययन ' विषय पर अधिवेशन की कार्यवाही पी-एच.डी. शोध छात्रा करिश्मा राणा ने प्रकाशित की। (आईएसबीएन – 978-81-920841-5-9) (सह लेखक – एम. साहू)
- दिनांक 9-10 जनवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा करिश्मा राणा ने बिड़ला ग्लोबल विश्वविद्यालय के बिरड़ला स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमैनीटिज में 'आर्थिक विकास जातीयता बनाम जनसंख्या ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'फैक्टर डिटरमाइनिंग एकेडेमिक एचीवमेंट ऑफ एलीमेंट्री स्टूडेंट्स, एविडेंस फ्रॉम बालासोर डिस्ट्रिक्ट' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 20 से 22 दिसम्बर 2019 के दौरान प्राकृतिक इतिहास के क्षेत्रीय संग्रहालय, भुवनेश्वर में आयोजित ओड़िशा पर्यावरण कांग्रेस, 2019 में भाग लिया और 'खनन और सामाजिक कल्याण एक खनन और ओड़िशा में गैर खनन जिलों में शैक्षिक विकास का तुलनात्मक अध्ययन ' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 9-10 जनवरी 2020 के दौरान एम.फिल. शोध छात्र अर्चना बारिक ने बिड़ला ग्लोबल विश्वविद्यालय के बिड़ला स्कूल ऑफ साइंस एंड ह्यूमेनीटिज में आर्थिक विकास : जातीयता बनाम जनसंख्या विष्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'ओड़िशा के बरगढ़ जिले में धान प्रोक्योरमेंट ऑटोमेशन सिस्टम की दक्षता' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 22-23 फरवरी 2020 के दौरान एम.फिल. शोध छात्र अर्चना बारिक ने स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग, बेरहमपुर विश्वविद्यालय गंजम, ओड़िसा द्वारा आयोजित विकास पर्यावरण और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'ओड़िशा में धान अधिप्राप्त स्वचालन प्रणाली चुनौतियाँ और संभावनाएँ' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 3 मार्च 2020 को एम.फिल शोध-छात्रा अर्चना बारिक ने विभाग द्वारा आयोजि 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति : हालिया रूझान ' विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एम.फिल. शोध छात्र अर्चना बारिक ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग ' पर कार्यशाला में भाग लिया।
- विभाग के छात्रों रंजीत कुमार साहू और रंजुलता कहार ने ओड़िशा व्याख्याता एसएसबी की परीक्षा उत्तीर्ण की।

## शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ में दो विभाग हैं एक है पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग और दूसरा है शिक्षक शिक्षा विभाग।

### पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिन्हित किया है। केंद्र में मल्टी मीडिया प्रयोगशाला सहित इंटरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयर सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मीडिया हाउसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों, एन जीओ आदि में नियुक्ति मिली है। केंद्र पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.फिल. तथा पी-एच.डी. कार्यक्रम को चला रहा है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है।

## पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मीडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ-साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के ले के नोडल केंद्र के रूप में काम करना।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मीडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ-साथ नयी मीडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशाक्ति प्रदान करना।

अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना।

## विभाग

| 1 | **विभाग अध्यक्ष का नाम** | **डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
|---|---|---|
| 2 | संपर्क विवरण | पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा<br>ई-मेल:hod.jmc@cuo.ac.in |
| 3 | शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ | 1. प्रो. प्रमोद कुमार जेना, पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक<br>2. प्रो. अक्षय राउत, आईआईएस (सेवानिवृत), पूर्व प्रबंध संचालक, स्वच्छ भारत अभियान तथा भारतीय चुनाव कमीशन, अतिथि प्राध्यापक<br>3. डॉ. प्रदोष रथ, स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र), एमजेएमसी, पी-एच.डी (यूजीसी-नेट-जेआरएफ), सहायक प्राध्यापक<br>4. डॉ. सौरव गुप्ता, पी-एच.डी. स्नातकोत्तर (जेएंडएमसी), यूजीसी-नेट, सहायक प्रध्यापक<br>5. सुश्री सोनी पाढ़ी, एमजेएमसी, (यूजीसी-नेट-जेआरएफ), व्याख्याता (संविदा)<br>6. श्री सुजीत कुमार मोहंती, स्नातकोत्तर (संचार), (यूजीसी नेट), व्याख्याता (संविदा)<br>7. सुश्री तलत जहाँ बेगम, स्नातकोत्तर (जेएंडएमसी), व्याख्याता (संविदा) |
| 4 | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | स्नातकोत्तर, जेएंडएमसी (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) तथा जेएंडएमसी में पी-एच.डी |

## विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- पत्रकारिता एवं जनसंचार में नौ छात्रों ने एम.ए की परीक्षा उत्तीर्ण की। सुश्री डी.एम. यास्मीन लेंका और श्री जयदेव मजुमदार को प्रथम स्थान मिला।
- इस अवधि के दौरान तीन शोधार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार में पी-एच.डी की उपाधि मिली। वे हैं – श्री सौरभ गुप्ता, मोहम्मद आमीर पाशा और श्री राकेश कुमार दूबे। इन्होंने डॉ. पी. के रथ के कुशल निदेशन में अपना शोध कार्य पूरा किया।
- इस अवधि के दौरान सुश्री दीपान्निता दत्ता को पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.फि. की उपाधि मिली। डॉ. पी.के. रथ के कुशल निदेशन में इन्होंने अपना शोध कार्य पूरा किया।
- दिनांक 26 जुलाई 2019 को विभाग द्वारा 'संचार अनुसंधान विधियों' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। असम के तेजपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्वत प्राध्यापक सुनील कांत बेहेरा ने संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- दिनांक 9 अगस्त 2019 को विभाग द्वारा 'संचार के विकास में टेलीविजय की भूमिका 'विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक बांदी बालस्वामी ने संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- दिनांक 21-22 अगस्त 2019 के दौरान विभाग द्वारा 'गवर्नमेंट मीडिया : मैनेजमेंट एंड फंक्शन ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, डी.डी. भुवनेश्वर, आईआईएस के ज्वाइंट डायरेक्टर श्री बद्री नारायण अधिकारी ने विशेष व्याख्यान दिया।
- दिनांक 13-15 नवम्बर 2019 के दौरान श्री अभिजीत मंडल डिजीटल हेड, संवाद प्रतिदिन 'न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी एंड इट्स एप्लीकेशन ' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

- दिनांक 16 नवम्बर 2019 को विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया।
- दिनांक 22 नवम्बर 2019 को विभाग द्वारा 'जनसंपर्क अभियान' विषय पर एक संगोष्टी का आयोजन किया गया, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. गोपा बागची ने संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- दिनांक 17 जनवरी 2020 को विभाग द्वारा 'जनसंचार के सिद्धान्त ' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। असम, विश्वविद्यालय सिल्चर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्राध्यापक ज्ञान प्रकाश पांडे ने संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
- जनवरी 2020 को प्राध्यापक अक्षय राउत अतिथि प्राध्यापक के रूप में विभाग में शामिल हुए।
- दिनांक 12 मार्च 2020 को 'मीडिया इन डेवेलपमेंट : सम लेसर नॉट एक्सपेरिमेंट्स ' विषय पर विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सीयूओ के अतिथि प्राध्यापक ने संगोष्ठी व्याख्यान दिया।

## शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग वर्ष 2013 में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यताएँ प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, शिक्षक शिक्षा विभाग अत्याधुनिक शैक्षिक पद्धतियों और शिक्षाविदों के माध्यम से मानव पूँजी को मोल्डिंग का लक्ष्य रखता है। विभाग एक और सभी को शिक्षा प्रदान करने के अपने कारण के प्रति समर्पित है। यह अपने प्रयास में शिक्षकों को अपनी सासंक्तिक विरासत को संरक्षित करने और नवाचार के लिए आवश्यक परिवर्तनों को शामिल करने की क्षमता के साथ रहेगा। चार वर्षों की अवधि के भीतर, भारत में खुद को प्रमुख शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

### उद्देश्य

- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान संसाधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है।
- इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री कार्यक्रम को प्रारंभ करना है।
- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन / कार्यशाला / सम्मेलनों का आयोजन किया।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों से समझौता करना।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करना।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस-पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करना।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **अधिष्ठता तथा मुख्य का नाम** | **श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी** |
| **2** | संपर्क के लिए विवरण | शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय<br>सुनाबेढ़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा, ई-मेल :hod.education@cuo.ac.in |
| **3** | शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ | 1. प्रो. सबिता प्रभा पटनायक, एम.एससी (जूलोजी), एम.एड (शिक्षा), पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक |
| | | 2. डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, स्नातकोत्तर, एम.एड, एम.फिल., पी-एच.डी, पीजीडीजीसी (एनसीईआरटी), यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक<br>3. श्री के.वी. नरसिम्हा राव, स्नातकोत्तर (अंग्रेजी), एम.एड, व्याख्याता (संविदा)<br>4. श्री अक्षय कुमार भोई, स्नातकोत्तर, एम.फिल, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>5. डॉ. पी. विलियम बनर्जी, एम.एससी, एम.एड, एम.फिल., व्याख्यात (संविदा)<br>6. श्री बलभद्र सेनापति, स्नातकोत्तर, बी.एड, एम.फिल, शिक्षा, (नेट), अतिथि प्रवक्ता (शामिल जनवरी, 2020)<br>7. डॉ. पुव्वड़ा जॉर्ज राजाकुमार, एम.एससी (भौतिक विज्ञान), एम.एड, पी-एच.डी (शिक्षा), अतिथि प्रवक्ता (शामिल जनवरी, 2020)<br>8. सुश्री स्वागता भोई, विजुअल कला में स्नातकोत्तर, अतिति प्रवक्ता (शामिल, 2020) |
| **4.** | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | शिक्षा में स्नातक (बी.एड) (2 वर्ष), शिक्षा में एम.फिल, पी-एच.डी (शिक्षा) |

## विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 28 नवम्बर 2019 को सीयूओ द्वारा गोद लिये गये गाँवों में 'एजुकेशनल सर्वे एंड विलेज अवेयरनेस' प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 8 अगस्त 2019 से 19 नवम्बर 2019 के दौरान बी.एड के तीसरे सत्र के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए स्कूल इंटर्नशिप गतिविधियों का आयोजन विभिन्न परपाटी के विद्यालयों-जगन्नाथ विद्यापीठ सुनाबेड़ा, सरकारी उच्च विद्यालय निघमानीगुडा डुमरीपुट जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल सेमिलगुड़ा, नेताजी इंग्लिश मीडियम स्कूल सेमिलीगुड़ा, एडीएवी स्कूल सुनाबेड़ा-II और श्री अरविंद इंट्रीग्रल स्कूल सुनाबेड़ा में किया गया।
- दिनांक 15 से 22 अक्टूबर 2019 के दौरान बी.एड के प्रथम सत्र कोरापुट जिले के (सत्र-2019-20) के प्रसिद्ध शिक्षकों के लिए विभिन्न शिक्षाशास्त्र और अधिगम के नवाचार केन्द्रों पर प्रारम्भिक विद्यालय अनुभव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 08 अप्रैल 2019 पर 'कंस्ट्रक्टिविस्ट टीचिंग एंड टीचर एजुकेशन : थ्योरी एंड प्रैक्टिस ' विषय पर एक संगोष्ठी व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, प्राध्यापक प्रशान्त कुमार आचार्य, राजीवन गांधी विश्वविद्यालय, इटानगर अरुणाचल प्रदेश ने व्याख्यान दिया।
- दिनांक 220 से 24 जुलाई 2019 के दौरान प्राध्यापक गौरांग चन्द्र नंदा, सेवानिवृति प्राध्यापक शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता समाज विज्ञान, रेवेंशॉ विश्वविद्यालय ने बी.एड, एम.फिल., पी-एच.डी के छात्रों के लिए कक्षा में कई व्याख्यान दिए।
- दिनांक 2 अगस्त 2019 को विभाग की दीवार पत्रिका 'स्पंदन' का चौथा अंक प्रकाशित किया गया।
- दिनांक 9 अप्रैल 2019 और 22 फरवरी 2020 को शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श करने के लिए अध्ययनशाला मंडल की बैठक हुई।
- दिनांक 6-7 जुलाई 2019 को संतोष जेना पी-एच.डी शोध छात्र ने वी.डी. महाविद्यालय जेपुर, ओड़िशा के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्राय संगोष्ठी में 'हस्ताक्षर का महत्त्व : एक समावेशी परिप्रेक्ष्य' नामक शोध पत्र प्रश्तुत किया।
- मार्च 2020 के महीने में संतोष जेना, पी-एच.डी. शोध छात्र ने दो ऑनलाइन कोर्स 'ट्रांसफॉर्मिंग डिजीटल लर्निंग : लर्निंग डिजाइन मीट्स सर्विस डिजाइन' और 'कंप्यूट प्रोग्राम फॉर एवरीवन ' डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया और यूनिवर्सिटी ऑफ कोड एंड इंस्टीट्यूट ऑफ कोडिंग, यू.के. से पूरा किया।
- दिसम्बर 2019 में एमडी. हसनुज्जमां मियां, पी-एच.डी शोध छात्र ने यू.पी. सरकार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित 'भारत में उच्च शिक्षा : चुनौतियाँ और अवसर' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया और बाद में एक संपादित पुस्तक में इसे प्रकाशित किया। आईएसबीएन : 978-81-939741-3-1
- फरवरी 2019 में एमडी. हसनुज्जमां मियां, पी-एच.डी शोध छात्र ने यूजीसी केयर लिस्ट पत्रिका में 'गांधीजी का बुनियादी शिक्षा पर विचार और इसकी वर्त्तमान प्रासंगिकता' नामक लेख प्रकाशित किया। आईएसएसएन न. : 2394-3114, खंड-40, अंक-3
- दिनांक 2 मार्च 2020 से 6 मार्च 2020 केंद्रीय विश्वविद्यालय तक एमडी हसनुज्जमां मियां ने महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा में एमएचआरडी की योजना पीएमएमएमएनएमटीटी तहत एक राष्ट्रीय कार्यशाला (विकासशील ई-कंटेंट एमओओसीएफएस टीचर एजुकेशन) में भाग लिया।
- एमडी. हसनुज्जमां मियां, पी-एच.डी. शोध ने एक संपादित पुस्तक में प्रकाशन के लिए 'तीन तलाक का प्रभाव', महिलाओं की दुर्दशा, मुस्लिम समाज पर इसका प्रभाव नामक एक अध्याय प्रस्तुत किया।
- दिनांक 20 से 22 दिसम्बर 2019 के दौरान सस्मिता बेहेरा, पी-एच.डी. शोध छात्रा ने गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा 'एक्शन रिसर्च इन एजुकेशन' में विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 19 से 20 जनवरी 2020 के दौरान सस्मिता बेहेरा, पी-एच.डी शोध छात्रा ने गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय द्वारा 'शिक्षा में ई-सामग्री और ई-पोर्टफोलियो की तैयारी' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- सस्मिता बेहेरा, पी-एच.डी शोध छात्रा ने रेवेंशॉ विश्वविद्यालय, कटक द्वारा 'सामाजिक समावेश, सतत विकास और सशक्तिकरण के लिए शिक्षा ' विषय पर आयोजित आईएटीई राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सस्मिता बेहेरा, पी-एच.डी शोध छात्रा ने गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर में दिनांक 8-9 फरवरी 2020 के दौरान आयोजित 21वीं सदी में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता पर अंत विषय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को सस्मिता बेहेरा, पी-एच.डी की शोधछात्रा ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 27 से 28 जनवरी 2020 के दौरान प्रज्ञा परिमिता सामंतराय, एम.फिल शोध छात्र ने रेवेंशॉ विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा 'कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड मूक स्वयं के रूप में भारत में अधिगम के मंच ' विषय पर सामाजिक समावेश, सतत् विकास और सशक्तिकरण के लिए आईएटीई राष्ट्रीय संगोष्ठी 2020 में भाग लिया।
- दिनांक 19 फरवरी 2020 को प्रज्ञा परिमिता सामंतराय एम.फिल. शोध छात्रा ने सतत ग्रामीण विकास पर आयोजित दूसरे राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में उच्च शिक्षा प्रणाली में स्वयं और ग्रामीण लोगों के विकास पर निहितार्थ पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

# मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ

## गणित विभाग

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष 2011-12 से पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

### उद्देश्य

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एम.फिल / पी-एच.डी / स्नातकोत्तर (विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि 21वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित / सांख्यिकी का प्रयोग।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **श्री ज्योत्ष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| 2 | संपर्क विवरण | गणित विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय<br>शुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा<br>ई-मेल:: hod.math@cuo.ac.in |
| 3. | शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता | 1. ज्योतिष्का दत्ता, एम.एससी, एम.फिल्, यूजीसी-नेट, जीएटीई, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी<br>2. श्री रमेश चंद्र माति, एमसीए, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>3. सुश्री कृष्णा मल्लिक, आईएनटी. एम.एससी (गणित), व्याख्याता (संविदा<br>4. डॉ. दीपक राउत, एम.एससी, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, जीएटीई, व्याख्याता (संविदा)<br>5. डॉ. दिपाना ज्योति मोहंती, एम.एससी, एम.फिल. , यूजीसी-सेट, जीएटीई, पी-एच.डी. व्याख्याता (संविदा)<br>6. डॉ. आनंद विश्वास, एम.एससी, यूजीसी-नेट, जीएटीई, पी-एच.डी, व्याख्याता (संविदा)<br>7. श्री प्रीतम कुमार भोई, एम.एससी, सीएसआईआर-नेट, व्याख्याता (संविदा) |
| 4. | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | गणित में स्नातकोत्तर (5 वर्ष एकीकृत) |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 2 से 6 सितम्बर 2019 के दौरान गणित विभाग में डॉ. प्रियब्रत गोछायत, व्याख्याता गणित विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय ने कॉम्प्लेक्स एनालिसिस में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 12 जनवरी 2020 को ओड़िशा के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता माधव गणित प्रतियोगिता में इक्कीस छात्रों ने भाग लिया।
- दिनांक 22 से 26 जुलाई 2019 के दौरान आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहायक प्राध्यापक डॉ. सज्जात हुसैन ने संख्या सिद्धान्त के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 25 नवम्बर 2019 को विभाग के छात्रों ने भारत के संसद से प्रसारित संवैधानिक दिवस के लाइव कार्यक्रम को देखा।

## कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम की शुरुआत गणित विभाग के तहत किया गया था। प्रो0 सचिदानंद मोहांति, कुलपति की नियुक्ति होने के बाद बीसीए पाठ्यक्रम नवगठित कंप्यूटर विज्ञान विभाग के तहत जारी रहा है। वर्तमान में विभाग अपने छात्रों के दूसरे बैच चल रहा है।

### उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र में कंप्यूटर विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर को आमंत्रित करना
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना
- कंप्यूटर विज्ञान में एमसीए एम.टेक पी-एच.डी. नये पाठ्यक्रमों का आरंभ करना।
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों का आयोजन करना।

### विभाग

| 1 | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **श्री ज्योतिष्का दत्ता, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
|---|---|---|
| 2 | संपर्क विवरण | कंप्यूटर विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा<br>ई-मेल :hod.cs@cuo.ac.in |
| 3. | शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता | 1. श्री सुशांत कुमार, एम.एससी (सीएस), एम.टेक (सीएसई), जीएटीई, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)<br>2. श्री पतितपाबन रथ, एमसीए, एम.टेक (सीएसई), व्याख्याता (संविदा)<br>3. श्री संतोष कुमार रथ, बी.टेक (सीएस), एम.टेक (सीएसई), व्याख्याता (संविदा)<br>4. श्री संदीप कुमार साहु, एम.एससी (सीएस), एम.टेक (सीएसई), यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) |
| 4. | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | बीसीए (3 वर्ष) |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 30 जुलाई को 02 अगस्त 2019 के दौरान आईटीएम विभाग, स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एवं कम्पयूटर साइंस, रेवेंशॉ विश्वविद्यालय के रीडर डॉ. प्रियदर्शी त्रिपाठी ने कंप्यूटर नेटवर्क में विभिन्न विषयों पर कक्षाएँ ली।
- दिनांक 22 जुलाई 2019 से 26 जुलाई 2019 के दौरान शिक्षा व अनुसंधान विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग संकाय के प्राध्यापक मिहिर नारायण मोहंती ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में विभिन्न विषयों पर कक्षाएँ लीं।
- दिनांक 25 नवम्बर 2019 को विभाग के छात्र ने भारत के संसद से प्रसारित संवैधानिक दिवस के लाइव कार्यक्रम को देखा।

## जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

### जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज को अवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है।

### उद्देश्य

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों को कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीस समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण (बीसीएनआर) में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है। शैक्षणिक सत्र 2014-15 से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फिल तथा पी-एच.डी) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

## विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **डॉ. शरत कुमार पलिता, प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य, डीबीसीएनआर एवं अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ** |
| 2 | संपर्क विवरण | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग,<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा,<br>ई-मेल:hod.bcnr@cuo.ac.in, दूरभाषः(06852) 288221, ओड़िशा |
| 3. | शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता | 1. डॉ. शरत कुमार पलिता, एम.एससी, एम.फिल. पी-एच-डी., प्राध्यापक, विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर।<br>2. प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद, मानद प्राध्यापक, जीव विज्ञान विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, अतिथि प्राध्यापक<br>3. डॉ. काकोली बनर्जी, एम.एससी, पी-एच.डी. सहायक प्राध्यापक<br>4. डॉ. देवव्रत पांडा, एम.एससी. एम.फिल., पी-एच.डी, सीएसआईआर/यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक |
| 4. | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) तथा पी-एच.डी. |

## विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इस अवधि के दौरान पाँच शोध छात्रों को पी-एच.डी. उपाधि मिली। इस अवधि के दौरान डॉ. काकोली बनर्जी के मार्गदर्शन में श्री गोवन्दा बल और श्री गोपाल राज खेमेन्दु (दोनों आरजीएनएफ फेलोस) तथा डॉ. देवव्रत पंडा के मार्गदर्शन में सुश्री स्वाति शकम्बरी मिश्र सुश्री वन्दना प्रधान और सुश्री जिज्ञासा बारिक (यूजीसी फेलोस) को पी-एच.डी. की उपाधि मिली।
- चार शोध छात्रों को एम.फिल. की उपाधि मिली। सहायक प्राध्यापक डॉ. डी. पंडा के मार्गदर्शन में सुश्री हेमा शैलजा, सहायक प्राध्यापक डॉ. डी. के. बनर्जी के मार्गदर्शन में श्री चंदन कुमार साहू और प्राध्यापक शरत कुमार पलिता के मार्गदर्शन में श्री आलोक कुमार नायक और सुश्री रूपाली पाणिग्रही को एम.फिल की उपाधि मिली।
- दिसम्बर 2019 में पी-एच.डी. शोध छात्र श्री प्रकार परासेठ (2019-20 प्रवेश बैच) ने पर्यावरण विज्ञान में यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- चौबीस (24) छात्रों ने सत्र 2018-19 के दौरान मास्टर डिग्री पूरा किया। सुश्री प्रियांजली राय को प्रथम स्थान मिला और उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- दिनांक 16 से 25 अप्रैल 2019 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा सुश्री सुरचिता ने सेंट्रल हैंड्स ऑफ फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर (सीआईएफए) भुवनेश्वर में आयोजित 'हैंडस ऑन ट्रिनिंग ऑन मॉलेक्यूलर बायोलॉजी एंड कम्प्यूटेशनल टूल्स' प्रशिक्षण में भाग लिया।
- दिनांक 22 मई 2019 को पी-एच.डी की शोध छात्रों सुश्री सुप्रिया सुरचिता और आयुस्मिता नायक तथा एम.फिल की शोध छात्राओं सुश्री रूपाली पाणिग्रही ने बीजू पटनायक आदिवासी कृषि जैव विविधता केन्द्र, एम.एस स्वामी रामनाथन रिसर्च फाउंडेशन, जेपुर में जैव विविधता के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस में भाग लिया।
- दिनांक 22 मई 2019 को पी-एच.डी. शोध छात्र श्री एनी लतीफ ने बीजू पटनायक आदिवासी कृषि जैव विविधता केन्द्र एम.एस. स्वामीनाथ रिसर्च फाउंडेशन, जेपुर में जीव-विज्ञान विविधता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन किया।
- दिनांक 13 से 19 अक्टूबर 2019 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्र श्री राकेश पॉल ने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एआईसीटीई-क्यूआईपी के लघु अवधि के कोर्स ''खुले स्रोतों का उपयोग करके लैंड यूज लैंड मॉडलिंग''में भाग लिया।
- दिनांक 13 से 19 अक्टूबर 2019 के दौरान एमओईए प्रोजेक्ट भारत सरकार के जेआरएफ श्री चंदन कुमार साहू ने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एआईसीटीई-क्यूआईपी के लघु अवधि के कोर्स ''खुले स्रोतों का उपयोग करके लैंड यूज लैंड मॉडलिंग ''में भाग लिया।
- दिनांक 13 से 19 अक्टूबर 2019 के दौरान पी-एच.डी के शोध पत्र श्री प्रकाशन परासेठ ने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर के भारत प्रौद्योगिकी संस्थान में एआईसीटीई-क्यूआईपी के लघु अवधि के कोर्स 'खुले स्रोतों का उपयोग करके लैंड यूज लैंड मॉडलिंग'में भाग लिया।
- दिनांक 4 नवम्बर 2019 से 24 जनवरी 2020 तक पी-एच.डी. शोध छात्र सुश्री एनी लतीफ ने हैदराबाद के बालनगर के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर में ''जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज एंड एप्लकेशंस''पर 12 सप्ताह के नियमित कोर्स में भाग लिया।
- दिनांक 27-29 दिसम्बर 2019 के दौरान पी-एच.डी. के शोध छात्र श्री प्रकाश परासेठ ने सांख्यिकी और विश्लेषणात्मक अनुसंधान संस्थान (आईएसएआर), चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा 'रिसर्च मेथोलडोलॉजी, सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण और व्याख्या 'पर आयोजित विज्ञान सम्प्रदाय के लिए सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग करके, तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- दिनांक 14 नवम्बर से 26 दिसम्बर, 2019 तक पी-एच.डी. के शोध पत्र श्री आलोक कुमार नायक ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के स्किल डेवेलपमेंट सेंटर में आयोजित किए गए 'रिसर्च मेथोडोलोजी इन मॉलेक्यूलर बायोलॉजी एण्ड बायोटेक्नोलॉजी 'पर हैण्ड्स ऑफ ट्रेनिंग में भाग लिया।
- दिनांक 12-13 दिसम्बर 2019 के दौरान एम.पिल. की शोध छात्रा सुश्री प्रियांजली राय ने भुवनेश्वर के केआईआईटी विश्वविद्यालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय पर भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोशियेसन के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिल स्ट्रीम फिश डाइवरसिटी ऑफ कोरापुट की दक्षिणी ओड़िशा'नामक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- दिनांक 13-14 दिसम्बर 2019 को पी-एच.डी. छात्र सुश्री सुप्रिया सुरचिता केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसियेशन और केआईआईटी मानद विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'विज्ञान प्रौद्योगिकी : ग्रामीण विकास 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओड़िशा के कोरापुट में ताजे पानी के सजावटी मछली संसाधनों स्थानीय लोगों के लिए एक वैकल्पिक आजीविक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27 से 29 दिसम्बर 2019 के दौरान भारत सरकार एमओईएस प्रोजेक्ट के जेआरएफ श्री चंदन कुमार साहू ने इंस्टीट्यूट फॉर स्टेटिस्टिक्स एंड एनालिटिकल रिसर्च, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा 'अनुसंधान पद्थि सांख्यिकी डेटा विश्लेषण और व्याख्या 'पर आयोजित तीन दिनों की राष्ट्रीय कार्यशाला में, सोशल साइंस बेम्प, एनालिटिकल रिसर्च के लिए सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग करते हुए भाग लिया।
- दिनांक 27-29 दिसम्बर 2019 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा सुश्री अस्मिता बसु ने सोशल साइंस बेम्प, एनालिटिकल रिसर्च के लिए सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग करते हुए इंस्टीट्यूटन फॉर स्टेटिस्टिक्स एंड एनालिटिकल रिसर्च चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा 'अनुसंधान पद्धति सांख्यिकी डेटा विश्लेषण और व्याख्या पर आयोजित तीन दिनों की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।'
- दिनांक 20-22 जनवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी की शोध छात्रा सुश्री सुप्रिया सुरचिता ने सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एण्ड मेटेरियल्स टेक्नोलॉजी में सीएसआईआर-कौशल विकास कार्यक्रम द्वारा 'एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलॉजी (टीईएम) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।'
- दिनांक 21 से 23 जनवरी 2020 के दौरान सुश्री अस्मिता बासु, पी-एच.डी. शोध छात्रा ने सीआईएफए – आईसीएआर, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एक्वाकल्चर में जीनोमिक्स (आईएसजीए-III) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27-31 जनवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्र श्री अनिर्बान मेहता ने कलकत्ता के इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट के बायोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी यूनिट में आयोजित 'एसपीएसएसके यूज एण्ड एप्लीकेशन'पर विंटर स्कूल में भाग लिया।
- दिनांक 27 से 31 जनवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा सुश्री आयुष्मिता नाइक ने कलकत्ता के इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट के बायोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी यूनिट में आयोजित 'एसपीएसएस के यूज एंड एप्लीकेशन'पर विंटर स्कूल में भाग लिया।
- दिनांक 5 से 6 फरवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा स्वेताश्री पुरोहित ने फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर में ओड़िशा के जूलॉजिकल सोसाइटी के राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय में 'ओड़िशा के जूलॉजिकल सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में आवास 'पर'थीम ट्रेंड्स एंड प्रोग्रेस ऑफ एनिमल'पर एक मौखिकी प्रस्तुत किया।
- दिनांक 5 से 6 फरवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्रा आयुष्मिता नाइक ने फकीर मोहन सेनापति विश्वविद्यालय बालासोर में ओड़िशा के जूलॉजिकल सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय में 'ओड़िशा के कोरापुट जिले में केंचुआ विविधता, निवास के प्रकार के संदर्भ में भारत और एडाफिक कारक'पर 'थीम ट्रेंड्स एंड प्रोग्रेस ऑफ एनिमल'पर एक मौखिकी प्रस्तुत किया।
- दिनांक 5 से 6 फरवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी शोध छात्र श्री आलोक कुमार नाइक ने फकीर मोहन सेनापति विश्वविद्यालय बालासोर में ओड़िशा के जूलॉजिकल सोसायटी के थीम ट्रेंड्स एक प्रोग्रेस ऑफ एनिमल के साथ राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय 'ओड़िशा की नदी प्रणालियों में महासेर मछलिया (साइप्रिनिफोर्मेस : साइप्रिनेड)'पर एक मौखिकी प्रस्तुत किया।
- दिनांक 5 से 6 फरवरी 2020 के दौरान एम.फिल. की शोध छात्रा सुश्री प्रियांजली राय ने फकीर मोहन सेनापति विश्वविद्यालय बालासोर में थीम ट्रेंड्स एंड प्रोग्रेस ऑफ एनिमल के साथ ओड़िशा के जूलॉजीकल सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कोरापुट दक्षिणी ओड़िशा के दो चयनित आवासों में धारा मछली की विविधता पर अध्ययन'विषय पर एक मौखिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिनांक 9 फरवरी 2020 को भारत सरकार के एमओईएस प्रोजेक्ट के जेआरएफ श्री चंदन कुमार साहू ने इंस्टिट्यूट फॉर बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन बैंगलोर द्वारा आयोजित एक प्रोजेक्ट के लिए स्पीशीज डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल (एसडीएम) पर एक दिन के ऑनलाइन कोर्स में भाग लिया।
- दिनांक 17 फरवरी से 8 मार्च 2020 तक पी-एच.डी. शोध छात्रा सुश्री आयुष्मिता नाइक ने प्राकृतिक संसाधन डेटा प्रबंधन प्रणाली के सहयोग से मद्रास विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज (लेवल-1) पर एनआरडीएमएस-डीएसटी विंटर स्कूल में भाग लिया और पूरा किया।
- दिनांक 5 से 7 मार्च 2020 के दौरान श्री चंदन कुमार साहू ने ओडिशा के राउरकेला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 'बायोप्रोसेस फॉर सस्टेनेबल एनवायरनमेंट एंड एनर्जी' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर सत्र में भाग लिया।
- दिनांक 5 से 7 मार्च 2020 के दौरान पी-एच.डी. शोध छात्र श्री प्रकाश परासेठ ने ओडिशा के राउरकेला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 'बायोप्रेसेस फॉर सस्टेनेबल एनवायरमेंट एंड एनर्जी'पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर सत्र में भाग लिया।

- दिनांक 7 मार्च 2020 को पी-एच.डी. शोधार्थियों सुश्री सुप्रिया सुरचिता, सुश्री एनी लतीफ, श्री आलोक कुमार नाइक सुश्री अस्मिता बासु तथा एम.फिल शोधार्थी सुश्री प्रियांजली राय ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट द्वारा आयोजित एल्जेवियर के 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग'पर कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 01 मार्च से 03 मार्च 2020 के दौरान एम.फिल. के शोध छात्र श्री कपिलेश्वर मल्लिक ने ओड़िशा के कटक के रेवेंशॉ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'वनस्पति विज्ञान अनुसंधान में उभरते रूझान 'पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'तटीय ओड़िशा में नीले कार्बन जलाशय के रूप में सालमर्श ग्रास'विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

### गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- ओड़िशा, बुरुला के संबलपुर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विद्यापीठ के प्राध्यापक निरंजन बेहेरा और कोरापुट के आईजीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड वाटर कंजर्वेशन के वरीष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पार्थ प्रतिम अधिकारी अतिथि प्राध्यापक के रूप मे विभाग का दौरा किया।
- ओड़िशा, भुवनेश्वर के ओयूएटी के पादप प्रजनन और आनुवांशिकी विभाग के एमोरिटस प्राध्यापक प्रो. स्तरंजन दास, नॉर्थ ओड़िशा यूनिवर्सिटी, तख्तपुर, बारीपद मयूरभंज के वनस्पति विज्ञानविभाग के प्राध्यापक और अध्यक्ष तथा ओड़िशा सरकार विज्ञान और तकनीकी विभाग के पूर्वनिदेशक प्रो. यू.वी. महापात्र, खल्लीकोट विश्वविद्यालय बहरमपुर ओड़िसा के कुलपति प्रो. अमरेन्द्र नारायण मिश्र, सीएसआईआर निसकेयर नई दिल्ली के जलवुय परिवर्तन कार्यक्रम के निदेशक डॉ. जे. सुन्देरेशन पिल्लई, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक, प्रो0 बजीर मुहम्मद, सीआईएफए कौशल्या राज, भुवनेश्वर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जितेन्द्र सुन्दरे, ओ.यू.ए.टी भुवनेश्वर ओड़िशा के जीव विज्ञान विबाग के प्राध्यापक प्रो. सी एस. के प्रसाद संबलपुर विश्वविद्यालय ज्योति विहार, बुर्ला, संबलपुर, ओड़िशा के पर्यावरण विभाग के प्राध्यापक प्रो. संजत कुमार, साहू और आईआईटी मंडी हिमाचल प्रदेश के बुनियादी विज्ञान स्कूल के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. श्याम के मसकपल्ली ने वर्ष 2018-19 के दौरान विभिन्न उद्देश्यों से विभाग का दौरा किया, व्याख्यान दिये और छात्रों तथा शोध, छात्रों के साथ ज्ञान साझा।

### छात्रों के लिए क्षेत्रीय अध्ययन और क्षेत्रीय भ्रमण :

अक्टूबर 2019 के दौरान स्नातकोत्तर के छात्रों (दोनों सत्रों) के लिए कोरापुट के जेपुर के एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन में क्षेत्रीय अध्ययन की व्यवस्था की गयी। छात्रों ने फाउंडेशन में बीजू पटनायक मेडिसिनल गार्डन और कोरापुट में जेपुर और कुंद्रा के पास विभिन्न फील्ड स्टेशनों का दौरा किया।

### भीतरकणिका का क्षेत्रीय भ्रमण और क्षेत्रीय अध्ययन :

द्वितीय सत्र के छात्रों (2018-19 बैच) के साथ डॉ. काकोली बनर्जी के तहत मरीन इकोलॉजी पर इलेक्टिव पेपर के लिए भीतरकणिका और महानदी मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में क्षेत्रीय अध्ययन का आयोजन किया गया।

## वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन

### व्यवसाय प्रबंधन विभाग

व्यवसाय प्रबंधन विभाग का आरंभ शैक्षणिक सत्र 2014-15 से हुआ है जिसका लक्ष्य है अविभाजित कोरापुट जिले की रोजागर की जरूरतों को पूरा करना है।

### उद्देश्य

- रोजगार एवं उद्यमिता के विकास करते हुए गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट विभाग होना।
- युवा उद्यमियों और प्रबंधकों सृजन करना और प्रशिक्षण देना है जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में राष्ट्र तथा राज्य के विकास में योगदान देगा और सेवा करेगा।

### विभाग

| | | |
|---|---|---|
| **1.** | **विभागाध्यक्ष का नाम** | **श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी** |
| 2. | संपर्क विवरण | व्यवसाय प्रबंधन, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय<br>सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा, ई-मेल: hod.bm@cuo.ac.in |
| 3. | शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता | 1. डॉ. प्रीतीश बेहेरा, एमबीए, एमएफएम, यूजीसी-नेट (प्रबंधन), यूजीसी-नेट (वाणिज्य), व्याख्याता (संविदा)<br>2. डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक, एमबीए, एफडीपीएम-आईआईएमए, यूजीसी-नेट, एपीएईटी (प्रबंधन), व्याख्याता (संविदा)<br>3. श्री यादव देवी प्रसाद बेहेरा, एम.कॉम, एम.फिल. (वाणिज्य), पी-एच.डी (जारी), यूजीसी –नेट (वाणिज्य), अतिथि प्रवक्ता<br>4. सुश्री पबिशा चट्टोपाध्याय, एमबीए (एचआरएम), यूजीसी-नेट (एचआरएम), अतिथि प्रवक्ता<br>5. श्री श्रीनिवास राव, के, एमबीए (मार्केटिंग एण्ड फिनांस), यूजीसी-नेट (प्रबंधन), अतिथि प्रवक्ता |
| 4 | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम | दो वर्षीय एम.बी.ए. विशेष रूप से वित्त, मानव संसाधन और विपणन में |

### विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- जुलाई और अगस्त 2020 के दौरान ओड़िशा के बरहमपुर विश्वविद्यालय के बिजनेस एडिमिनिस्ट्रेशन विभाग के पूर्व प्राध्यापक भवानी प्रसाद रथ ने अतिथि प्राध्यापक के रूप में विभाग का दौरा किया।
- जुलाई और अगस्त 2020 के दौरान ओडिशा के बरहमपुर विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के पूर्व प्राध्यापक किशोर चंद्र राउत, ने अतिथि प्राध्यापक के रूप में विभाग का दौरान किया।
- जुलाई और अगस्त 2020 के महीनों के दौरान ओड़िशा के बरहमपुर विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के पूर्व प्राध्यापक डॉ. अरुण पांडा ने अतिथि प्राध्यापक के रूप में विभाग का दौरा किया।
- सितम्बर और नवम्बर 2020 के दौरान आरआईएमएस, राउरकेला के सहयोगी प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार बिश्वाल ने विभाग का दौरा किया।
- श्री सितम्बर 2020 से दिसम्बर 2020 के महीनों के दौरान जेवियर विश्वविद्यालय के प्रबंधक संकाय के श्री संजय सारंगी ने विभाग का दौरा किया।
- अगस्त 2020 के महीने के दौरान ओड़िशा के बरहमपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक गोपाल पाणिग्रही ने विभाग का दौरा किया।

**संगोष्ठी व्याख्यान / कार्यशाला / औद्योगिक दौरा**

- दिनांक 8 नवम्बर 2019 को ओड़िशा के बालासोर के फकीर मोहन सेनापति विश्वविद्यालय के सेवानिवृत अधिष्ठाता और प्राध्यापक भगवान दास ने 'कॉर्पोरेट पुनर्गठन के लिए रणनीतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 13 नवम्बर 2019 को कोरापुट के एचएल के उपबंधक (एचआर) श्री नरसिम्हा द्वारा 'अनुबंध श्रम प्रबंधन' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 16 जनवरी 2020 को कोरापुट और राज्य किसान, आयोग के सचिव, पूर्व जिला मजिस्ट्रेट श्री गदाधर पारिदा ने एक सफल उद्योग के रूप में डेयरी फार्मिंग विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- दिनांक 22 फरवरी 2020 को ओड़िशा के रायगड़ा के जे.के. पेपर लिमिटेड में एमबीए कार्यक्रम के चौथे सत्र के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा किया गया।

## अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

### सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2015-16 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ के तत्वावधान में हुआ है। वर्तमान यह विभाग अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में दो वर्षीय एम.एससी पाठ्यक्रम चलाता है, यह विभाग छात्रों को सांख्यिकी के उन क्षेत्रों के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जो न केवल उनमें बोलना प्रारंभ करेंगे बल्कि उनको उद्योगों, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक आदि जैसे क्षेत्रों में उनके रोजगार के लिए कौशल बढ़ाएगा। यह विभाग नवीनतम डेटा विज्ञान टूल जैसे कि आर, पायथन, क्टैव, साइलैब आदि में छात्रों के लिए कठोर प्रशिक्षण और जोखिम प्रदान करता है ताकि उन्हें सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाया जा सके।

इसका मूल विचार यह है कि छात्रों को सांख्यिकीविद के रूप में स्थानांतरिक करना जो कि सरकार में काम कर सकते हैं और कॉरपोरेट कार्यालों के साथ-साथ समाज के नवीनतम चुनौतियों में शोध कार्यों को भी कर सकते हैं जैसे कि आनुवंशिकी जैसे विभिन्न विषयों पर आवेदन, छात्रों को लागू क्षेत्रों में सामाजिक विकास का एक साधन माना जाता है।

**लक्ष्य:**

- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उभरती तकनीकी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मजबूत सांख्यकीय / गाणितिक पृष्ठभूमि प्रदान करना है।
- छात्रों को अंतिम विश्लेषणआत्मक उपकरणों से प्रशिक्षित कराना है जैसे कि एसएएस, आर एवं मतलब आदि। जो दोनों विश्लेषणात्मक के साथ-साथ फार्मासियूटिकल क्षेत्रों में एनएनसी रोजगार के लिए अतिआवश्यक है।
- राष्ट्रीय स्तर के परीक्षाएँ जैसे कि आईएसआई, आईएसएस, डीआरडीओ आदि में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को उचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण प्रदान करना है।
- उन छात्रों को अंतर विषयक पाठ्यक्रमों के प्रति उत्साहित करना है जो राष्ट्र के लिए आवश्यक है।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान लेखों को उत्पन्न करना।

## विभाग

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **मुख्य का नाम** | **डॉ. महेश कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी** |
| 2. | संपर्क विवरण | सांख्यिकी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय<br>शुनाबेढ़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा<br>ई-मेलः hod.statistics@cuo.ac.in |
| 3. | शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता | 1. डॉ. महेश कुमार पंडा, एम.एसएसी, एम.फिल, पी-एच.डी, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी<br>2. श्री सुमन दाश, एमएससी, एम.फिल, व्याख्याता (संविदा) |
| 4. | विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमः | सांख्यिकी में एमएस.सी (दो वर्ष),<br>सांख्यिकी में एम.फिल. और सांख्यिकी में पी-एच.डी. |

## विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 21 अक्टूबर 2019 को विभाग द्वारा 'इनवायगोरेटिंग स्टेटिस्टिक्स थ्योरेटिकल एप्रोच इकोनॉमिक्स थ्योरी एण्ड नेबेल लॉरिएट्स' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संबलपुर के जी.एम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुधांशु शेखर रथ ने विशेष व्याख्यान दिया।
- दिनांक 28 फरवरी 2020 को विभाग द्वारा 'सांख्यिकीय, चिंतन में दोष और पतन ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बर्द्धवान विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के पूर्व प्राध्यापक प्रो. श्रीजीव भूषण बागची ने विशेष व्याख्यान दिया।
- दिनांक 28 फरवरी से 07 मार्च 2020 के दौरान प्रो. श्रीजीब भूषण बागची ने विभाग का दौरा किया और नमूना सिद्धांत, सांख्यिकीय अनुमान और पैरामीटर अनुमान पर कई व्याख्यान दिये।
- दिनांक 21 से 23 दिसम्बर 2019 के दौरान पी-एच.डी के शोध छात्र श्री रूशी प्रसाद साहू ने इंडियन सोसायटी फॉर प्रोबैबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स (आईएसपीएस) के सौजन्य से भुवनेश्वर, वाणी विहार, उत्कल विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग द्वारा 'रिसेंट एडवांसेज इन स्टेटिस्टिक्स एण्ड डाटा साइंस फॉर सस्टेनेबेल डेवेलपमेंट ' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्केफे के द्विघात मिश्रण बहुपाद मॉडल के लिए डी-इष्टतम डिजाइन वाला जिसमें दो समुद्री मील शामिल थे, शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 31 अगस्त से 1 सितम्बर 2019 के दौरान पी-एच.डी शोध छात्र श्री रूशी प्रसाद साहू ने इंस्टीट्यूट फॉर स्टेटिस्टिक्स एंड एनालिटिकल रिसर्च (आईएसएआर) चेन्नई तमिलनाडु में 'आर प्रोग्रामिंग और डेटा विश्लेषण' पर दो दिवसीय स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 21 से 23 दिसम्बर 2019 के दौरान एम.फिल. के शोध छात्र श्री खोखन प्रमाणिक ने इंडियन सोसायटी फॉर प्रोबैबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स (आईएसपीएस) के सौजन्य से भुवनेश्वर, वाणी विहार, उत्कल विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग द्वारा 'रिसेंट एडवांसेज इन स्टेटिस्टिक्स एण्ड डाटा साइंस फॉर सस्टेनेबेल डेवेलपमेंट ' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिस्पॉन्स सरफेस मेथडोलॉजी ऑन थ्री वेरिएबल्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन साइमलटेशन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 12 मार्च 2020 को एम.फिल. शोध छात्र श्री खोखन प्रमाणिक ने संबलपुर ज्योति विहार संबलपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग द्वारा 'रिसेंट एडवांसेज इन स्टेटिस्टिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन ' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए स्टडी ऑन डुअल रिस्पांस प्रॉब्लम्स यूजिंग जनरालाइज्ड रिड्यूज्ड ग्रेडियंट एलगोरिथ्म' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 3 से 4 जनवरी 2020 के दौरान पी-एच.डी शोध छात्र श्री उज्ज्वल राय ने कोलकाता के भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), द्वारा 'यंग स्टैटिस्टिशिन मीट : डेटा साइंस इन एक्शन' पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 12 मार्च 2020 को पी-एच.डी शोध छात्र श्री उज्ज्वल राय ने संबलपुर ज्योति विहार संबलपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग द्वारा 'रिसेंट एडवांसेज इन स्टेटिस्टिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन ' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जीवन परीक्षण प्रयोगों में इष्टतम सेंसरिंग योजनाएँ' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 31 अगस्त से 1 सितम्बर 2019 के दौरान स्नातकोत्तर के एक छात्र श्री मणिकांत भोई ने तमिलनाडु, चेन्नई के इंस्टीट्यूट फॉर स्टेटिस्टिक्स एण्ड एनालिटिकल रिसर्च (आईएसएआर) में आर प्रोग्रामिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

# संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

## अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग

**प्रो. ई. राजा राव,** अतिथि प्राध्यापक

- दिनांक 19 से 20 फरवरी 2020 के दौरान संबलपुर विश्वविद्यालय बुर्ला के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'कथा विभाजन : इतिहास स्मृति और आघात ' पर राष्ट्रीय संगोष्टी में 'द ह्यूमन पेक्टर इन द मिडस्ट ऑफ वायलेंस : एन एनालिसिस ऑफ सेलेक्टिव शार्ट स्टोरीज ऑफ पार्टिशन ' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 21 फरवरी 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्वी विंग के संगोष्ठी भवन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर ओड़िआ विभाग, सीयूओ द्वारा आयोजित वैश्वीकरण के युग में मातृभाषा के लिए चुनौतियाँ पर संगोष्ठी में 'ओड़िआ भाषा की नवीनता और वैश्वीकरण के पर्यावरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 23 जनवरी 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार की पहल से केंद्रीय विश्वविद्यालयों के आईएनएफएलआईवीएनईटी सेवा और 'मूक' (एमओओसीएस) कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 4 मार्च 2020 को अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग में अंग्रेजी के स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को संशोधित और संवर्धित करने के लिए अध्ययन मंडल की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 6 मार्च 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा मनाए गए अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2020 की संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के पश्चिमी विंग में भाग लिया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एल्जेवियर के सौजन्य से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

**श्री संजीत कुमार दास,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- दिनांक 10 जनवरी 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्वी विंग में विश्व हिन्दी दिवस का संयोजन किया।
- दिनांक 23 जनवरी 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार की पहल से केंद्रीय विश्वविद्यालयों के आईएनएफएलआईवीएनईटी सेवा और 'मूक' (एमओओसीएस) कार्यक्रम का संयोजन किया।
- दिनांक 4 मार्च 2020 को अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग में अंग्रेजी के स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को संशोधित और संवर्धित करने के लिए अध्ययन मंडल की बैठक का संयोजन किया।
- दिनांक 6 मार्च 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा मनाए गए अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2020 की संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के पश्चिमी विंग में भाग लिया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एल्जेवियर के सौजन्य से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

## ओड़िआ भाषा और साहित्य विभाग

**डॉ. आलोक बराल,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- दिनांक 27-28 मार्च 2019 के दौरान बरहमपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ओड़िया विभाग द्वारा आयोजित 80 के बाद के ओड़िया साहित्य पर राष्ट्रीय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'ओड़िआ नाटकरे किन्नर प्रसंग' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 18 से 24 अक्टूबर 2019 के दौरान खल्लिकोट विश्वविद्यालय, बरहमपुर (ओड़िशा) द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन अनुसंधान में डेटा विश्लेषण पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लेते हुए सफलतापूर्वक पुरा किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एलसेवियर (ईएलसीईवीआईईआर) के सहयोग से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग" पर कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 23 फरवरी 2020 को डॉ. आलोक बराल के कुशल निदेशन में उनके एक पी-एच.डी शोध-छात्र (श्रीमान् प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी) को सीयूओ द्वारा पी-एच.डी की उपाधि प्रदान की गयी।

**प्रकाशन :**

- पुस्तक का शीर्षक उपन्यास जिज्ञासा (आईएसबीएन - 978-9388422-30-7), विजयिनी प्रकाशन, कटक, 2019
- पुस्तक का शीर्षक 'गल्प जिज्ञासा' (आईएसबीएन - 978-93-88422-64-2),विजयिनी पब्लिकेशन, कटक, 2019

- पुस्तक का शीर्षक 'बाघकहानी'(आईएसबीएन - 978-81-931588-9-0), लेखालेखी, भुवनेश्वर, 2019
- पुस्तक का शीर्षक 'स्वानगल्प'(आईएसबीएन - 978-81-931660-9-3),पाधपाढ़ी, भुवनेश्वर, 2019
- नीलाद्रिभूषण का नाटक पर पुस्तक का अध्याय स्वाधीनता परवर्ती ओड़िआ नाटक ओ नाट्यकार (आईएसबीएन - 81-7400-625-7), (संपादित सरला संसद, कटक), ओड़िशा बुक स्टोर, कटक, 2019, पृ. 242-254
- उदार प्रतिबाद संघमित्रा नाटक, स्वाधीनात परवर्ती, ओड़िआ नाटक 'ओ नाट्यकार', (आईएसबीएन - 81-7400-625-7), (संपादित सरला संसद, कटक), ओड़िशा बुक स्टोर, कटक, 2019, पृ. 249-315
- तुलनात्मक साहित्य पर अध्याय, भारतीय-पाश्चात्य साहित्य मतवाद ओ समालोचना तत्व (आईएसबीएन - 81-7401-908-1), (संपादित प्राध्यापक कृष्ण चन्द्र प्रदान और अन्य), फ्रेण्ड्स पब्लिकेशन्स, कटक, 2019, पृ0-452-482
- एका एका सुमेध्रा अंतर्कथा, स्वराजलक्ष्मी मिश्रांका कथाकल्प (आईएसबीएन - 978-93-88422-68-0), (संपादित डॉ. दिलीप कुमार स्वाई), विजयिनी पब्लिकेशन्स, कटक, 2019, पृ. 195-203
- अक्षरा इश्र दी गाइड पर सृष्टि ओ समीक्षा (आईएसबीएन - 9789388422338), (संपादिक डॉ. कृतिवास सारंगी), विजयिनी पब्लिकेशन्स, कटक, 2019, पृ0-83-102
- बिप्लबरा दिप्रा दिहुड़ी ओ शांतीयर स्वेता कपोटा पर पुस्तक अध्याय : मनोज दासंका संग संगति, मनोयोजना (सं. डॉ. मन्मनथ कुंडू/डॉ. हलधर) मननारायण, बालासोर, 2019, पृ. 69-85
- सबदरा कथाकरनका गल्प पर पुस्तक अध्याय : एक अंतरंग जिज्ञासा (आईएसबीएन - 139789380759197), (सं. डॉ. संतोष कुमार रथ), साहित्य स्वेतापद्म, भुवनेश्वर, 2020, पृ. – 111-118
- पीढ़ीगत समस्या ओ जरनिबस्रा विविधा प्रस्था : सृष्टि ओ समीक्षा पर पुस्तक अध्याय, वाल्यूम-38 (आईएसबीएन - 978-81-945465-7-3) (सं. डॉ. कृतिबास सारंगी), विजयिनी पब्लिकेशन्स, कटक-2020, पृ0-186-200
- शोध पत्र शीर्षक'बहारे छिदोहिथिबा लोकरा' ठिकाना खोजी खोजी...' लेखालेखी में, विशेषांक, अक्टूबर, 2019, पृ0-20-40
- शोध पत्र शीर्षक मनोज कुमार पांडांका गल्प: अंतरंग जिज्ञासा, शैलजा में, विशेषांक, अक्टूबर 2019, पृ0 195-200
- शोध पत्र शीर्षक'ओड़िआ नाटकेरे किन्नर प्रसंग', प्रतिबेशी (आईएसएसएन – 2456-8031), विशेषांक अक्टूबर, 2019, पृ0 195-200
- शोध पत्र शीर्षक, 'हठगद्य स्वप्न संसार ओ छिन्न भिन्न अत्मरा प्रस्थ : बाणप्रस्थ' इस्तहार में, अप्रैल 2020, पृ0-49-59
- **शोध पत्र शीर्षक,** 'बाहेरे छिदा होठिबा लोकेरा ठिकाना खोजी खोजी', सप्तर्षि में (आईएसएसएन –0973-3264), अप्रैल 2020, पृ0- 97-117

**डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई,** सहायक प्राध्यापक

- दिनांक 4 जनवरी 2020 को द विजुअली हैंडीकैप्ड फाउण्डेशन बरहमपुर, ओड़िशा के लिए मिल्शन चैरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा आयोजित, आज के परिदृश्य में दृष्टिबाधित व्यक्ति के लिए उच्च शि7 में आईसीटी की भूमिका में एक दिवसीय कार्यालय में भाग लिया।
- दिनांक 20 से 21 दिसम्बर 2020 के दौरान ओड़िशा के सरकारी ऑटोनोमस कॉलेज के स्नातकोत्तर ओड़िआ विबाग द्वारा आयोजित सामाजिक संस्कृति प्रेक्ष्यापत्र प्राचीन ओ मध्ययुगीन साहित्य, पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'ओड़िआ जीवन चर्या रे भागवतरा अबादना' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 2 फरवरी 2020 को लक्ष्मीपुर कॉलेज, कोरापुट के ओड़िआ विभाग द्वारा आयोजित 123 वर्ष रा राबती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'साम्प्रतिक समस्यारे राबती रा अबदान' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 20 अक्टूबर 2019 को संबदा साहित्य घर पर गोरिगुम्मा कोरापुट के वार्षिक दिव्स समारोह के अवसर पर 'अमा चलनैरे भागबता' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 3 दिसम्बर 2019 को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, ओलाटपुर, कटक द्वारा विश्व विकलांग दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित 2030 को कारवाई करते हुए विकलांगों की भागीदारी और उनके नेतृत्व का प्रचार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- दिनांक 8 फरवरी 2020 को खलीकोट ऑटोनॉमस कॉलेज बरहमपुर, ओड़िशा के स्नातकोत्तर ओड़िआ विभाग द्वारा आयोजित एमओ कॉलेज कार्यक्रम के अवसर पर कैसे ओड़िआ साहित्य में अपना करियर बनायें, विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 24-29 फरवरी, 2020 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित मॉक ई-कॉन्टेन्ट डेवलॉपमेन्ट एण्ड ओपेन रिसोर्स विषय पर एक सप्ताह के कार्यशाला में भाग लेते हुए सफलतापूर्वक पूरा किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' विषय पर एक दिन की कार्याशाला में भाग लिया।
- डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई के कुशल निदेशन में एक को पी-एच.डी. और एक को एम.फिल की उपाधि प्राप्त हुई।

**प्रकाशन :**

- शोध पत्र शीर्षक कोमल भावनार अपूर्व काव्यविभा : निरुता कवि विद्युतप्रभा, काव्यलोक में 72 (129-138), 2349-0160, 2019
- शोध पत्र शीर्षक 'ओड़िआंका प्रत्यहिका जीवनचर्या भागवतेर अवदान', प्रत्या में 03, (14-18) 2456-9194, 2020
- 'भावना संवेदना ओ संभावनार अपूर्व परिपाटी : अशोक त्रिपाठयंका प्रमुख नाट्यकृति ' पुस्तक का अध्याय दक्षिण ओड़िशा नाटक और नाट्यकार थे, (आईएसबीएन 81-921435-9-7) (डॉ. प्रदोष कुमार स्वाईं द्वारा संपादित), अन्नपूर्णा पब्लिशर, बरहमपुर, गंजम, पृ0-227-249, 2019
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'नाट्यकर गोपाला महारांका श्रुतिमानस ', दक्षिण ओड़िशारा नाटक ओ नाट्यकार, (आईएसबीएन 81-921435-9-7), (डॉ. प्रदोष कुमार स्वाईं द्वारा संपादित अन्नपूर्णा पब्लिशर, बरहमपुर, गंजाम, पृ0-299-308, 2019
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'दशरथी नंदनका उपन्यास एक पर्यालोचन ', ओड़िया उपन्यास स्रष्ठांका कृति ओ कृतित्व (आईएसबीएन 978-81-9429-62-6-3) चित्तरंजन पांडा द्वारा संपादित, एक. के. मिश्र पब्लिशर, कटक-2020, पृ0-101-123 (आईएसबीएन 978-81-9429-62-6-3)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'दुरुआ जनाजतिरा विश्वासबोधो ' अमालोक विश्वास में (आईएसबीएन - 978-81-942124-2-3) (दुर्गा माधव नंदा द्वारा संपादित), फोकलोर रिसर्ज इंस्टीट्यूट, पूरी-2, पृ0-235-142, 2020

**डॉ. गणेश प्रसाद साहू,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 21 से 22 दिसम्बर 2019 के दौरान लक्ष्मीपुर कॉलेज, कोरापुट में ओड़िया साहित्य एकादमी द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'ओड़िया साहित्य की मुख छोटी कहानियाँ' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 11 से 14 नवम्बर 2020 के दौरान और एमबीसी टी.वी., भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'सरला विश्व भाषा सम्मेलन-2020 ' में 'भाषा समस्थापक सरला दास ओ ओडिया महाभारत' शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 में एलसेवियर (ईएलएसईवीआईईआर) के सहयो से ओड़िआ केंद्रीय विश्विद्यालय द्वारा आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' की एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

**प्रकाशन :**

- पुस्तक का नाम 'नूतन कवित्रा पृष्ठभूमिरे कवि भानूजी राव' (आईएसबीएन-81-7400-619-2) ओड़िआ बुक सेन्टर, कटक, 2019
- पुस्तक के अध्याय का नाम 'मू दुबा तुमे दरुरा सम्प्रतिका प्रासांगिकता' सरत कुमारी आचार्यांका पद्यालोचना, कटक, 2020, पृ0 193-199
- शोध पत्र शीर्षक, 'भाषा संस्थापक सरला दास ओ महाभारत ' सप्तर्षि में, (आईएसएसएन-0973-3264), अप्रैल 2020, पृ0-1-5

## संस्कृत विभाग

**डॉ. बिरेन्द्र कुमार साडंगी,** व्याख्याता (संविदा)

**प्रकाशन :**

- स्वप्नवासवदत्तनाटकस्य आलङ्कारिक पर्य्यालोचनम् (मुमुक्षा अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, यूजीसी अनुमोदित पत्रिका, क्र.न.-65665, खण्ड-09, अङ्क 26 मई, 2019 आईएसएसएन 23484179-4-1
- वेदे व्राह्माणानां परिचयः (युगान्तर अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, यूजीसी अनुमोदित पत्रिका, क्र.न.-65649, खण्ड़-10, अङ्क-10, मई-2019,आईएसएसएन 2320-2467, आईएफ5.3

## मानव विज्ञान विभाग

**डॉ. जयंत कुमार नायक,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- डॉ. जयंत कुमार नायक के कुशल निदेशन में विभाग के एक शोध छात्र श्री राजेश्वर महाराणा को पी-एच.डी. की उपाधि मिली।
- डॉ. जयंत कुमार नायक के कशुल निदेश में तीन शोध छात्रों कुमारी प्रियदर्शिनी गरदा, श्री जुगल प्रकाश कोरकारा और श्री कमल कुमार सारंगी को एम. फिल उपाधि मिली।
- दिनांक 16.02.2020 को आयोजित परीक्षा में 'एडवांसमेट फॉर सोशल साइंस टीचर्स ' के लिए डेटा एनासिलिस पर करियर एडवांसमेंट स्कीम पदोन्नति के लिए 'स्वयं अर्पिता ' ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा पूरा किया। इस कोर्स की पेशकश एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा की गई थी।
- विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त विभिन्न क्षमताओं का निर्वाहण क्रिया कार्यकारी परिषद को सदस्य अकादमिक परिषद को सदस्य परीक्षा नियंत्रक,

नोडल अधिकारी, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ के रूप में।

**प्रकाशन**

- पुस्तक का शीर्षक 'छत्तीसगढ़ की पहाड़ी वादियाँ : स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति पर एक अध्ययन ' के. के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2020 (आईएसबीएन-9788178442365) (सह लेखक – इरशाद खान)
- पुस्तक का शीर्षक 'ग्रेसियस लिविंग ऑफ दरुआ ' एलएपी लेम्बर्ट अकादमिक पब्लिशिंग, मॉरीशस, 2019. (आईएसबीएन – 9786202198417) (सह लेखक – दलपति नायक)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'नॉलेज अवेयरनेस, एण्ड एटिट्यूड ऑफ प्रीमैरिटल स्क्रीनिंग विथ स्पेशल फोकस ऑन सिकल सेल डिजीज : ए स्टडी फ्रॉम ओड़िशा' 2020. जर्नल ऑफ कम्युनिटी जेनेटिक्स, स्प्रिंगर। (सह लेखक – बिंधनी बी.के., देवी एन.के.)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ नॉलेज ऑन मेटरनल हेल्थ केयर प्रैक्टिसेस एमाँग द हिल खरिया वूमेन, मयूरभंज, जिला-ओड़िशा'। पुरकला 31(43) : 164-177.2020. आईएसएसएन – 0971-2143 (सह लेखक – राजेश्वर महाराणा
- **शोध पत्र शीर्षक** 'भारत के कोरापुट के पराजा और गड़ाबा समुदायों की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली में हस्ताक्षर के सिद्धांत का प्रमाण ', पौधों के अभिलेखागार 20(1) : 1587-1592.2020 ई-आईएसएसएन 2581-6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएन-0972-5210 (सहलेखक – पट्टनायक जे. आर)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल ऑफ सिलेक्टेड अंडरयूटिलाइज्ड वाइल्ड यम्स (डिस्कोरिया एसपीपी' फॉर हेल्थ बेनिफिट. जे. फूड साइंस टेक्नोलॉजी, डोइ ऑर्गेनाइजेशन / 10। 1007/एस13197-020-04470-एक्स। (स्प्रिंगर, आईएसएसएन – 0975-8402, आईएफ : 1.85) (सहलेखक : बी. प्रधान और डी. पांडा)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'जिंग बेरेसिया के चयनित पौधे के रासायनिक प्रोफाइलिंग में कोरापुट, भारत के एथनोमेडिसीन का उपयोग किया है। जर्नल ऑफ स्ट्रेस साइकोलॉजी एण्ड बायोकेमिस्ट्री, 16(1) : 50-60. 2020 (आईएसएसएन 1997-0838) (सह लेखक : डी. पांडा, ए.के. बेहेरा और बी. प्रधान)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'भारत के ओड़िशा के कोरापुट के आदिवासी लोगों द्वारा साँप के काटने के खिलाफ इस्तेमाल किए गए नृवंशीय पौधे का फाइटोकेमिकल मूल्यांक एनाल्स आयुर्वेदिक मेडिसिन, 2020.9 (1) : 12-21. (सह लेखक – डी. पांडा, एस. एस. कुमार एण्ड बी. पढ़ान)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'लीफ फोटोकैमिकल एक्टिविटी एण्ड एंटीऑक्सीडेंट प्रोटेक्शन इन सिलेक्टेड हिल राइस जीनोटाइप ऑफ कोरापुट, इंडिया इन रिलेशन टू एल्यूमिनियम ($Al^{3+}$) स्ट्रेस। जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एण्ड बायोकेमिस्ट्री, 16(2) : 13-21.2020. (आईएसएसएन – 1997-0838) (सह लेखक – डी. पांडा, आर.एस साहू, पी. के. बेहेरा और जे. बारीक)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के पहाड़ी कोरवा महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति का एक मानव शास्त्रीय अध्ययन, दी रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस 10(3) : 46-55, 2019,आईएसएसएन 0025-1348 (पी), 2456-1356 (ओ) (मूल लेखक इरशाद खान)
- शोध पत्र शीर्षक 'विस्थापन की समस्याएँ और संभावनाएँ: ओडिशा के कोरापुट जिले में एक अनुभवजन्य अध्ययन ' इंटरनेशनल जर्नल ऑप रिसर्ज एण्ड एनालिटिकल रिव्यू, 6(1) : 1310-1316.2019. ईएसएसएन 23481269, पी-आईएसएसएल 23481269, पी-आईएसएसएन – 2349-5138) (मूल लेखक बी.के. श्रीनिवास)
- **शोधपत्र शीर्षक** 'रिसीवर ऑपरेटिंग कैरक्टरिस्टिक (आरओसी) कर्व्स टू आईडेंटीफाई एंथ्रोपोमैट्रिक इंडीसिस टू क्रेडिट न्यूट्रीशनल स्टेट्स ऑफ द हिल कोरवा चिल्ड्रेन एण्ड सरगुजा डिस्ट्रिक्ट छत्तीसगढ़, इंटरनेशल जर्नल ऑफ फार्मेसी एणअड बायोलॉजिकल साइंसेस, 9(1), 283-288 ऑनलाइन आईएसएसएन 2230-7605, 2019 (मूल लेखक – इरशाद खान)
- **शोध पत्र शीर्षक** 'हाइपरटेंशन एंड इट्स रिलेशन टू एपिडेमिलॉजिकल ट्रांजिशन : ए स्टडी इन कोरापुट डिस्ट्रिक्ट इन ओड़िशा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस, 7 : 783-788.2019. आईएसएसएन – 23473797. (मूल लेखक – पडल आर.

**डॉ. बी. के. श्रीनिवास,** सहायक प्राध्यापक

- दिनांक 18-19 जनवरी 2020 के दौरान सराकीर कॉलेज (डीएवी) कोरापुट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा विकास विस्थापन और प्रसार : राष्ट्रीय एल्युमिनियम उद्योग (एनएएलसीओ) को एक मामले पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन**

- **शोध पत्र शीर्षक** 'विस्थापन की समस्याएँ और संभावनाएँ' ओड़िशा के कोरापुट जिला के एक अनुभवजन्य अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू 6 (1), मार्च 2019, प्र0 1310-1316, आईएसएसएन : 2349-5138, (सहलेखक – नायक जे. के
- **शोध पत्र शीर्षक ग्रामीण लोगों के बीच आजीविका सुरक्षा पर** 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का प्रभाव ' ओड़िशा के कालाहांडी जिले से एक अध्ययन। जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल ए एंथ्रोपोलॉजी : 11 (1-2) फरवरी, पृ 94-99 आइएसएसएन 2456-6764, (मूल लेखक यास्मीन के.)

**डॉ. मीरा स्वाई,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 3 से 7 जनवरी 2020 के दौरान बेंगलुरु के कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया और 'ग्रामीण विकास में मानव विज्ञान की भूमिका' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन:**

- शोध पत्र शीर्षक 'सामुदायिक भागीदारी और समावेशी शिक्षा' भारत के ओड़िशा के कोरापुट जिला के नमूना ब्लॉकों में केजीबीवीएस पर एक अध्ययन, महिला प्रतिष्ठा, खंड-5 (1), 19.2019, आईएसएसएन 2454-7891
- शोधपत्र शीर्षक 'लोक संस्कृति में महिलाओं की स्थिति : ओड़िशा भारत के जनजातीय समुदायों के बीच एक अध्ययन, महिला प्रतिष्ठान, खंड-4(4), 1732, 2019, आईएसएसएन 2454-7891

## समाजशास्त्र विभाग

**डॉ. कपिल खेमेंदु,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

**प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक ओड़िशा के कोरापुट जिले का कुंडुली साप्ताहिक बाजार और जनजातियों पर इसका प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी, खंड-3, अंक-9, सितम्बर 2019, 32-36 (आईएसएसएन / आइएसबीएन 2456-6683)
- शोध पत्र का शीर्षक 'दुरुआ जनजाति क्यों है?' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च में, 7(8), 521-524 (आईएसएसएन-2320-5407)
- शोध पत्र का शीर्षक 'पूर्व विभाजित कोरापुट क्षेत्र के विकास में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका ', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्ज एंड एनालिटिकल रिव्यू, खंड-6, अंक-2, जून-2019,972-974 (आईएसएसएन / आईएसबीएन 2348-1269)
- शोध पत्र का शीर्षक 'कोरापुट के सबर श्रीक्षेत्र के धार्मिक कार्य और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता का अध्ययन ', जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नॉलोजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, खंड-6, क-6, जून-2019, 746-749, (आईएसएसएन / आईएसबीएन 2349-516)
- शोध पत्र का शीर्षक 'ओड़िशा के कंधमाल में धर्म, राजनीति और आरक्षण ' के कारण हुई हिंसा और भेद्यता, इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिवन रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लीनरी फील्ड, 2455-0620, खंड-5, अंक-8, अगस्त-2019, 1-4 (आईएसएसएन/आईएसबीएन 2455-0620)
- शोधपत्र का शीर्षक 'स्कूल प्रत्यायन : गुणवत्ता शिक्षा की दिशा में एक पहले, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू ', खंड-6, अंक-8, अगस्त-2019, 500-504 (आईएसएसएन/आईएसबीएन 2320-9836)
- शोध पत्र का शीर्षक 'भारतीय समाज में जाति और विचारधारा ' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लेटेस्ट रिसर्च इन ह्यूमनीटिस एण्ड सोशल साइंसेस, खंड-02, अंक-08, 2019, 40-43
- शोध पत्र का शीर्षक 'कोरापुट क्षेत्र में पूर्व विभाजित सीएसआर गतिविधियाँ और औद्योगिक विकास ', इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट 7(5), मई 2019, 1-7 (ईएसएसएन) आईएसबीएन 2320-9836)
- शोध पत्र का शीर्षक 'समकालीन भारतीय समाज में बदलते मूल्य' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशंस, खंड-9, अंक-9, सितम्बर-2019, 473-476 (आईएसएसएन / आईएसबीएन 2250-3153)
- शोध पत्र का शीर्षक 'कोरापुट क्षेत्र की जनजातियों पर औद्योगिकरण का प्रभाव : नाल्को दमनजोड़ी और एचएल, सुनाबेढ़ा का एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च एण्ड एडवांस्ड स्टडीज, खंड-6, अंक-8 अगस्त 2019, 92-95 (आईएसएसएन/आईएसबीएन 2394-4404)
- शोध पत्र का शीर्षक 'ओड़िशा में वन संसाधन और जनजातीय आजीविका, महिला प्रतिष्ठा, खंड-5, अंक-1, जुलाई-2019, सितम्बर-2019, 373-384, (आईएसएसएन /आईएसबीएन 2454-7891) (सह लेखक : अशोक नन्दा)
- शोध पत्र का शीर्षक 'आदिवासी आजीविका और विकास की प्रवचन में पूर्व विभाजित कोरापुट की जनजातियाँ, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, खंड-7(10), अक्टूबर2019, अंक-5 (आईएसएसएन /आईएसबीएन 2320-9836)
- शोध पत्र का शीर्षक, कोरापुट जिले में जनजातियों के बीच काम की भागीदारी में लैंगिक असमानता : एक विश्लेषण, : 'इंटरनेशलन जर्नल ऑफ एनालिटिकल रिव्यूस, खंड-6, अंक-2, फरवरी-2020, 230-234 (आईएसएसएन /आईएसबीएन – 2347-1269) (सह लेखक – एस सम्दर्शिनी)
- शोध पत्र का शीर्षक 'ओड़िशा में कोरापुट जिले के पारजा जनजाति के बीच काम में भागीदारी में लैंगिक असमानता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, खंड-7, अंक-2, फरवरी-2020, 230-234 (आईएसएसएसएन /आईएसबीएन – 2348-6848

**डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 19 फरवरी 2020 को ओड़िशा के कोरापुट के सरकारी कॉलेज के कॉमर्स विभाग द्वारा आयोजित सतत ग्रामीण विकास पर द्वितीय राष्ट्रीय बहुपक्षीय सम्मेलन में ग्रामीण विकास में सामाजिक पूँजी की भूमिका शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- दिनांक 27-28 फरवरी 2020 के दौरान रेवेन्शॉ विश्वविद्यालय, कटक के शिक्षा विद्यापीठ तथा इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एडुकेटर्स, पूर्वी क्षेत्र भारत द्वारा 'एडुकेशन फॉर सोशल इंक्लूजन ससटेनेबेल डेवेलपमेंट एण्ड इम्पावरमेंट ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रोल ऑफ यूनिवर्सिटी इन सोसाइटल डेवेलपमेंट : इंगेजींग क्वाड्रुपल हेलीक्स ' विषय पर आईएटीई (इंडियन एसोशिएसन ऑफ टीचर एडुकेटर्स) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 18-19 जनवरी 2020 के दौरान आईसीएसएस के सौजन्य से तथा ओड़िशा सरकारी कॉलेज, कोरापुट और काउंसिल ऑफ एनालीटिकल ट्राइवल स्टडीज के द्वारा आयोजित पॉलिटिकल इकोनॉमी एण्ड गवर्नेंस रिफॉर्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्टर्स ऑफ ट्राइबल डेवेलपमेंट' शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 4 जनवरी 2020 को रेवेन्शॉ विश्वविद्यालय, कटक के समाज विज्ञान विभाग द्वारा जेंडर ट्रांसजेंडर एंड बियॉन्ड : रिविजिंग जेंडर मूवमेंट्स रिसेंट टाइम्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर-ट्रांसडेंडर एंड बियॉन्ड : रिविजिंग जेंडर मूवमेंट्स रिसेंट टाइम्स' शीर्षक पर एक संगोष्ठी व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- दिनांक 06-07 जुलाई 2019 के दौरान विक्रम देव ऑटोनोमस कॉलेज, जयपुर, कोरापुट, ड़िशा के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धतियाँ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टीचिंग विद ए डिफरेंस : टीचिंग प्रैक्टिसेस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' शीर्षक पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 25-26 जून 2019 के दौरान आईसीएसएसआर के सौजन्य से रायगड़ा ऑटोनॉमस कॉलेज, रायगड़ा ओड़िशा के राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित ओड़िशा में राजनीति विकास और सीमांत समूहों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्राइबल ट्रिवायलाइज्ड : इंगेजिंग सीविल सोसायटी इन ट्राइबल डेवेलपमेंट' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 06-07 अप्रैल 2019 के दौरान रायगड़ा विक्रम देव ऑटोनॉमस कॉलेज, रायगड़ा ओड़िशा के स्नातकोत्र दर्शन विभाग द्वारा आयोजित भारतीय नैतिकता वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विकासशील अध्ययन की नैतिक चुनौतियाँ ' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन**

- पुस्तक का अध्याय, 'कृषि प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण' सीरियल्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2019, आईएसबीएन 978-93-86611-49-9
- पुस्तक का अध्याय 'कंटेम्परेरी जेंडर डिस्कोर्स : इश्यूज एंड कॉन्टेस्टेशन्स ' नई दिल्ली, एसएसडीएन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2019 आईएसबीएन 978-81-9375-139-8 (सह लेखक – डॉ. सागरिका मिश्रा)
- पुस्तक का अध्याय 'व्हेन ऑनलाइन टेक्स ओवर ऑफलाइन : सोशल मीडिया, जेंडर एंड एक्टीविज्म ', संपादक-आदित्य के मिश्रा और सागरिका मिश्रा, 'कंटेम्परेरी जेंडर इश्यूज एंड कंटेस्टेशन', नई दिल्ली, 2019 आईएसबीएन – 978-81-9375-139-8, पृ0-76-93
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'ग्रामीण विकास में सामाजिक पूँजी की भूमिका सं0 प्रकाश कुमार प्रधान, ग्रामीण विकास की संभावना, नई दिल्ली, स्वरांजली प्रकाशन प्रा0 लिमिटेड 2019, आईएसबीएन- 9789389703726 (सहलेखक – एस. मिश्रा)

**डॉ. नुपूर पट्टनायक,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 27-29 दिसम्बर 2019 के दौरान केरल में आयोजित अखिल भारतीय समाज शास्त्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- दिनांक 6 मार्च 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलसेवियर कार्यशाला में भाग लिया।

**प्रकाशन**

- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'भारत में किसान आत्महत्या' सोसाइटी सुसाइड एंड सफरिंग पर, ग्रेब पब्लिकेशन्स, अप्रैल-2019
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'उद्यमशीलता की दुनिया का नारीकरण' 'महिला उद्यमिता और विकास' (संपादित किताब), ग्रेब पब्लिकेशन्स, मार्च 2020
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'वूमेन एण्ड डिस्एबिलिटी इन इंडिया ', डायनामिक्स ऑफ सस्टेनेबल रूरल डेवेलपमेंट में (संपादित), नवयुग प्रकाशन, मार्च 2020
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक 'सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र निर्माण' अंबेडकर और महिला अधिकारों में, संजय प्रकाशन, जुलाई 2019

**बिजय चंद महाराणा,** व्याख्याता (संविदा)

- जनवरी 2020 को डीएवी कॉलेज कोरापुट में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओड़िशा के अविभाजित कोरापुट जिले में आदिवासियों के बीच श्रम पलायन का सामाजिक आर्थिक प्रभाव' नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- फरवरी 2020 की आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'नया भारत : क्षेत्रीय चिंता और वैश्विक महत्वकांक्षाएँ' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नयू सॉफ्ट पावर का उद्भव : एक बहुध्रुवीय मध्य पूर्व में भारत के प्रवासी की भूमिका' शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक 'द रोल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिटी टेकनोलॉजी इन ट्राइबल डेवेलपमेंट', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खण्ड-10, मार्च 2020

- शोध पत्र का शीर्षक 'ओड़िशा में श्रम प्रवास का सामाजिक आर्थिक प्रभाव ', इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड ह्यूमिनिटीज, खंड-10, जुलाई 2019

**डॉ. मानस कुमार मलिक,** अतिथि प्रवक्ता

- दिनांक 20-22 मार्च 2019 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित भारत में समकालीन समसाजशास्त्र पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओड़िशा में दलति और दलित बच्चों के बीच शैक्षणिक असमानता शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- शोध पत्र का शीर्षक 'शैक्षिक अधिकार और भारत में शैक्षिक अवसरों का उपयोग एजेएएनटीए, एक बहु-विषयक त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, खंड- VIII (I), अंग्रेजी भाग-III, जनवरी-मार्च-2019, पृ0 128-134, आईएसएसएन 2277-5730

## अर्थशास्त्र विभाग

**प्रो. भागवत पात्रो,** अतिथि प्राध्यापक

- दिनांक 24 जनवरी 2020 को सीयूओ, कोरापुट के अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि संकाय के चयन में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।
- दिनांक 2 फरवरी 2020 को रायगड़ा ऑटोनॉमस कॉलेज रायगड़ा में आयोजित दक्षिण ओड़िशा इकोनॉमिक एसोसियएन के चौथे वार्षिक सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।
- दिनांक 8 फरवरी 2020 को पराला महाराजा इंजीनियरिंग कॉलेज बरहमपुर में आयोजित ओड़िशा इकोनॉमिक एसोसियेशन के 52वें वार्षिक सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।
- दिनांक 22 फरवरी 2020 को सीवाईएसडी, भुवनेश्वर में राज्य के बजट चर्चा पर एक पैनल विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 23 फरवरी 2020 को बरहमपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।
- दिनांक 03 मार्च 2020 को सीयूओ कोरापुट के संगोष्ठी हॉल में आयोजित सतत विकास और सार्वजनिक नीति पर कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

**श्री प्रशान्त कुमार बेहेरा,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- **जुलाई 2019 लड़कों के छात्रावास के सहायक वार्डन के रूप में नामांकित।**
- दिनांक 8 अप्रैल 2019 को अर्थशास्त्र विभाग के बीओएस की बैठक की अध्यक्षता।
- दिनांक 3 मार्च 2020 को 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति : दालिया रूझान' पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- दिनांक 25 अक्टूबर 2020 को 'भारत में नीतिगत सुधारों के लिए आर्थिक विकास, के लिए बाध्यकारी स्थिरांक की पहचान करना ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एलजेवियर के सहयोग से आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' पर कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 20 अप्रैल 2019 को अर्थशास्त्र वी.डी. ऑटोनॉमस कॉलेज, जेपुरी, ओड़िशा के संगोष्टी कार्यक्रम में 'भारत में उच्चशिक्षा और दक्षता के मुद्दे' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 22-23 फरवरी, 2020 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग, बरहमपुर विश्वविद्यालय, बरहमपुर 'ओड़िशा में विकास, पर्यावरण और स्थिरता ' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'सस्टेनेबल एग्रीकल्चर इन इंडिया' प्रोग्रेस एंड चैलेंजेस शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 29 फरवरी से 01 मार्च 2020 के दौरान बी.जे.बी. ऑटोनॉमस कॉलेज, भुवनेश्वर ओड़िशा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'भारत में कृषि : समस्याएँ और संभावनाएँ ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागल लिया और 'ओड़िशा में सतत कृषि : प्रगति और चुनौतियाँ ' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक 'प्राथमिक शिक्षा में बहुआयामी असमानता : पूर्व और दक्षिण भारतीय राज्यों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवेलपमेंट (आईएसएसएन : 2320-9836), खंड-7, संख्या-4, 2019, 1-13 (सहलेखक : जे. साहू)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'भारत में अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक भागीदारी : एक लिंग विश्लेषण महिला प्रतिष्ठान ' (आईएसएसएन – 2454-7891), खंड-4, संख्या-4, पृ0 49-64 (सह लेखक – एम. आचार्य)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'ग्रामीण क्षेत्रों में जनजाति किसानों के पारंपरिक खेती और विकास : कोरापुट जिला ओड़िशा में एक अध्ययन ', ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया : मिशन 2030 में (संपादित पुस्तक) 2019, एएसएम प्रकाशन, भुवनेश्वर, पृ0 222-238. (आईएसबीएन – 978-93-5382-804-2) (सहलेखक – एन. साहू)

- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'भारत के शिक्षा क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की भूमिका : एक विश्लेषण' कॉर्पोरेट सोळ रिस्पॉन्सिबिलिटी : विजन एंड रियलिटीज में (संपादित पुस्तक) 2019, देश विकास पब्लिकेशन्स, विशाखापत्तनम, पृ0-165-182, आईएसबीएन 978-81-938019-4-9), (सहलेखक – जे. साहू)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'इम्पार्टिंग पीस एजुकेशन इन एलीमेंट्री स्कूल्स : होप एंड डेस्पेयर ' लुलु पब्लिशिंग हाउस, यूएएए, पृ0-64-72 (सह लेखक – एस. दास)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक, 'भारत में सतत विकास लक्ष्य : प्रगति और चुनौतियाँ ' सतत विकास और शिक्षा (संपादिक पुस्तक), 2020, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली, पृ0-2162037, (आईएसबीएन – 978-92-88854-52-8), (सह लेखक – ए. महंती)

**डॉ. मिनती साहू,** सहायक प्राध्यापक

- दिनांक 16-29 अक्टूबर 2019 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित पांडिचेरी विश्वविद्यालय पांडिचेरी में बिजनेस स्टडीज (वाणिज्य, अर्थशास्त्र, पर्यटन और प्रबंधन) में रीफ्रेशर कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- दिनांक 27 अगस्त 2019 को रायगड़ा के स्वायत महाविद्यालय, रायगड़ा, ओड़िशा के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में 'भारत में खाद्य सुरक्षा और पीडीएस की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 21 जनवरी 2020 के दौरान महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित लिंग संवेदीकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 27 अगस्त 2019 को रायगड़ा ऑटोनॉमस कॉलेज, रायगड़ा, ओड़िशा के स्नातकोत्तर विभाग के अध्ययन मंडल में भाग लिया।
- दिनांक 20 से 2 दिसम्बर 2019 के दौरान क्षेत्रीय स्तर के प्रकृतिक इतिहास, भुवनेश्वर, ओड़िशा पर्यावरण और खनन पर राज्य स्तरीय पर्यावरण कांग्रेस 2019 भाग लिया और 'ओड़िशा में खनन आर्थिक विकास : एक विश्लेषण' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 9 से 10 जनवरी, 2020 के दौरान बिरला स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमनिटी बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर ओड़िशा में आर्थिक विकास तर्कसंगतता बनान लोकलुभावन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'आदिवासी साक्ष्य से प्रेरित लघु उद्योग ' पर आधारित विस्थापन पर प्रभाव शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 2 फरवरी 2020 को ओड़िशा के रायगड़ा ऑटोनोमस कॉलेज, रायगड़ा, ओड़िशा के स्नातकोत्तर विभाग में 'दक्षिण सम्मेलन में भागल लिया और नीड फॉर वेल्यू एडीशन इन मीलेट एन एनालाइसिस ऑफ केबीके रीजन ऑफ ओड़िशा' शीर्षक पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 22-23 फरवरी 2020 के दौरान बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओड़िआ, आर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ओड़िशा में विकास पर्यावरण और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागल लिया और 'पेडी प्रोक्योरम ऑटोमेटिक सिस्टम ओड़िशा-चैलैंजेस एंड एनालिसिस ' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया साथ ही एक सत्र में रैपॉर्टार के रूप में भी काम किया।
- दिनांक 29 फरवरी से 1 मार्च 2020 के दौरान बी.जे.बी ऑटोनोमस कॉलेज, भुवनेश्वर, ओडिशा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ओयिजत भारत में कृषि : समस्याएँ और संभावनाएँ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'कास्ट एंड रिटर्न एनालिसिस ऑफ मीलेट कल्टीवेशन इन कोरापुट डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओड़िशा' शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एलसेवियर के सौजन्य से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 26 नवम्बर 2019 को सीयूओ में 'जेंडर अवेरनेस एंड सेनसिटाइजेशन' पर कार्यशाला कार्यशाला का आयोजन किया।
- दिनांक 6 मार्च 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया और विभिन्न गतिविधियों का समन्वय किया।

**प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक 'लौह अयस्क खनन, जल गुणवत्ता और स्वास्थ्य : उनके संबंधों में एक जाँच, एशियन जर्नल ऑफ वाटर, एनवायरमेंट एण्ड पॉलूशन (स्कोपस इंडेक्स) (आईएसएसएन – 09729860), खंड-16, अंक-3, पृ0-63-71 (डी. महापात्रा और डी. साहू)।
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक, 'खनन और प्राकृतिक पूँजी : ओड़िशा में एक सूक्ष्म विश्लेषण ' प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंध और स्थिरिता में (संपादित पुस्तक), 2019, सिटी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पृ0-27-41 (आईएसबीएन – 978-93-8911-727-1)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'शिक्षा और महिला सशक्तिकरण : ओड़िशा में एक सूक्ष्म विश्लेषण ', सतत विकास में, (संपादित पुस्तक), 2020, कुणाल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पृ0-46-57 (आईएसबीएन-978-93-89224-64-1)
- पुस्तक के अध्याय का शीर्षक 'लौह अयस्क खनन और सतत आजीविका – ओड़िशा में एक अनुभाविक विश्लेषण, भारत (संपादित पुस्तक), 2020 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल में बुक वेल पब्लिकेशन, नई दिल्ली, पृ0-26-37 (आईएसबीएन – 978-93-86578-49-5)
- दिनांक 20 से 22 दिसम्बर 2019 के दौरान ओड़िशा पर्यावरण कांग्रेस 2019 के क्षेत्रीय संग्रहालय, प्राकृतिक संग्रहालय, भुवनेश्वर, भारत में खनन और गैर-खनन जिलों में शैक्षिक विकास का तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक सम्मेलन का आयोजन किया। (आईएसबीएन – 978-81-920841-5-9) (सहलेखक – के. राना)

- दिनांक 20 से 22 दिसम्बर 2019 के दौरान ओड़िशा पर्यावरण कांग्रेस 2019 के क्षेत्रीय संग्रहालय, प्राकृतिक संग्रहालय, भुवनेश्वर, भारत में,'ओड़िशा में खनन और आर्थिक वास सम्मेलन का आयोजन किया।' (आईएसबीएन – 978-81-920-841-5-9) (सह लेखक – पी. दास)

**श्री बिश्वजीत भोई,** सहायक प्राध्यापक

- रप्पोटर के रूप में भागीदारी, दिनांक 05-06 अप्रैल 2019 के दौरान पटना में यूएसए, टीसीआई और यूएनआईसीईएफ के सौजन्य से आयोजित ईएजी राज्यों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- दिनांक 06 से 07 जुलाई 2019 के दौरान वीडीएसी, जेपोर, कोरापुट के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'शिक्षा में अभिनव शिक्षण प्रथाओं' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- दिनांक 21-24 अक्टूबर 2019 के दौरान एलीमलाइ कन्नन द्वारा वितरित, ओड़िशा के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम में भाग लिया।
- वर्ष 2019-20 के दौरान ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पी-एच.डी. का कोर्स वर्क पूरा किया।
- दिनांक 3 मार्च 2020 को सीयूओ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति : हालिया रूझान' पर कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एल्सेवियर के सौजन्य से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग ' पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

## पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

**डॉ. प्रदोष कुमार रथ,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- डॉ. प्रदोष कुमार रथ के कुशल निदेशन में तीन शोध छात्रों – श्री सौरभ गुप्ता, मोहम्मद आमीर पाशा और श्री राकेश कुमार दूबे को पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई।
- डॉ. प्रदोष कुमार रथ के मार्गदर्शन में कुमारी दीपान्नीता दत्ता को एम.फिल की उपाधि मिला।
- 20 अक्टूबर 2019 को पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया, रायपुर द्वारा आयोजित 'गांधी का स्वराज ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जन आंदोलन एवं गांधी' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 16 नवम्बर 2020 को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जा प्रशासन, कोरापुट जिला, ओड़िशा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'आदिवासी क्षेत्रों में मीडिया और चुनौतियाँ' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 16 नवम्बर 2020 को राष्ट्रीय प्रेस दिव्स के अवसर पर काउंसिल फॉर मीडिया एंड सैटेलाइट ब्रॉडकास्टिंग, कोरापुट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। मॉडर्न इंडिया में राष्ट्रीय प्रेस दिवस की प्रासंगिकता शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

**प्रकाशन**

- **शोध पत्र का शीर्षक** 'प्रिंट मीडिया और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व : अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर समाचार पत्र के आउटपुट का कवरेज विश्लेषण', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड रिसर्च (आईएसएसएन पी-22493352 और ई-22780505, सीओएसएमओएसआईएप-5.960), खंड-IX, अंक-IV, अप्रैल-2019, पृ0-434-466 (सह लंखक – एम.ए. पाशा)
- **शोध पत्र का शीर्षक** 'विकास के लिए रंगमंच : अवसर और चुनौतियाँ ', ओड़िशा के केबीके क्षेत्र का एक अध्ययन, संचार में आज (आईएसएसएन 0975-217X), खंड-23, अंक-2, अप्रैल-जून-2019, पृ0-103-111 (सहलेखक – डॉ. सौरव गुप्ता)
- **पुस्तक का शीर्षक** 'नॉन-वर्बल फीडबैक एण्ड कम्युनिकेशन ' (आइएसबीएन 13 : 978-93-89097-41-2) प्रवेश पब्लिशर्स, चेन्नई, अगस्त,2019 (सहलेखक – ए. एस. नायक)

**डॉ. सौरव गुप्ता,** सहायक प्राध्यापक

- जून 2019 में नाल्को दमनजोड़ी द्वारा आयोजित 'पंचप्रामली थियेटर फेस्टीवल, दमनजोड़ी' में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाग लिया।
- नंदानिक, कोरापुट के लिए बलराम दास की 'लक्ष्मीपुराण श्रीया चंडालुनी ' पर पद्मभूषण रमाकांत रथ और चंडालुनी की कविताओं पर आधारित ओड़िआ नाटक नायिका का निर्देशन किया।
- दिनांक 2 अगस्त 2019 को पार्बो कागज, कोलकाता थिएटर स्ट्रीट जर्नल और नंदानिक कोरापुट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित लोक, संस्कृति और मीडिया पर राष्ट्रयी संगोष्ठी में 'विकास संचार और लोक रंगमंच-ओड़िशा के केबीके क्षेत्र का अवलोकन' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 16 अगस्त 2019 को पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता के डिपार्टमेंट ऑफ फिल्म्स स्टडीज, द्वारा आयोजित वूमेन इन टेक्स्ट एंड ऑडियो विजुअल मीडिया के अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'वूमेन इन टेक्स्ट एंड ऑडियो विजुअल मीडिया ' शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- दिनांक 17 अगस्त 2019 को मुरलीधर गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित उच्च शिक्षण संस्थान में आईसीटी एकीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय शिक्षा अवसरों और चुनौतियों' में आईपीटीवी नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 22 अगस्त 2019 को गुरूदास कॉलेज, कोलकाता के बांग्ला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'बांग्ला गोल्पो उपन्यासकार नाट्य रूपान्तरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 22 अगस्त 2019 को भारत सराकर के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से दमदम शब्दमुग्धों नाट्यकेन्द्र कोलकाता द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति में एंड्रोजिनी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एंड्रोजिनी : द ऑडियंस पर्सपेक्टिव' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 21-23 अक्टूबर 2019 के दौरान भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेनकनाल में मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 16 नवम्बर 2019 को मीडिया हाउस दमनजोड़ी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी में 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस : समकालीन प्रासंगिकता' शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 22 जनवरी 2020 को वर्धा महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित विभागीय संगोष्ठी में 'संस्कृति, संचार और विकास : तीसरी दुनिया के परिप्रेक्ष्य' पर एक मंत्रित व्याख्यान दिया।
- पहला भाग दिनांक 20 से 25 जनवरी 2020 और दूसरा भाग दिनांक 4 से 8 फरवरी 2020 के दौरान एक भारत श्रेष्ठ भारत छात्र विनिमय कार्यक्रम महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के साथ एक नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया।
- दिनांक 1 से 5 मार्च 2020 के दौरान ओड़िशा भाषा साहित्य और संस्कृति विभाग, ओड़िशा सरकार के ओड़िशा संगीत नाटक अकादमी और विभाग द्वारा आयोजित पूर्व रंग 2020 राष्ट्रीय थिएटर फेस्टीवल के अवसर पर भाग लिया।
- ओड़िया डिजीटल नाटक 'नंदनी के लिए कोविड-19 पर जागरूकता' को लिपिबद्ध निर्देशित और अभिनीत किया।

**प्रकाशन**

- शोधपत्र का शीर्षक 'विकास के लिए रंगमंच : अवसर और चुनौतियाँ – ड़िशा के केबीके क्षेत्र का अध्ययन, कम्युनिकेशन टुडे (आईएसएसएन 0975-217**X**)', खंड-23, अंक-2, अप्रैल-जून 2019, पृ0-103-111, (सह लेखक – डॉ. पी. के. रथ)
- शोध पत्र का शीर्षक 'केवल कला नहीं : बल्कि एक जीवन शैली है : कोरापुट और इसके देसिया नात – एक सौंदर्यवादी आत्मनिरीक्षण ' (आईएसएसएन-2277-7245), आदिवासी जर्नल के एससीएसटीआरटीआई, खंड-59, अंक-1, जून-2019, पृ0-1-12
- शोध पत्र का शीर्षक 'विकास संचार में लोक मीडिया का उपयोग करना : ओड़िशा के केबीके क्षेत्र में एक अध्ययन ' डायलॉग क्वाटरली (आईएसएसएन 0973-0095), खंड-21, अंक-3, जनवरी-मार्च 2020
- दिनांक 14 जनवरी 2020 को आईआईएमसी में फिल्मी चक्कर 3 में ओटीटी की उम्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर लेंस के माध्यम से : बंगाली सिनेमा में' महिलाओं का चित्रण संगोष्ठी में आयोजन किया।

**सुजीत कुमार मोहंती,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 17-19 अक्टूबर 2019 के दौरान मॉस्को में 11वीं इंटरनेशनल मीडिया रीडिंग में डिजीटल मीडिया पर संचार, संचार श्रोता, नीतियाँ, पत्रकारिता संकाय द्वारा आयोजित लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में 'ए क्रिटीकल इंक्वायरी ऑफ पोस्ट ट्रुथ चैलैंजेस : इंडिया फ्रॉम पर्सपेक्टिव' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

**तलत जहाँ बेगम,** व्याख्याता (संविदा)

- **दिनांक 6-7 मार्च 2020 के दौरान बाबू राव जी घोलाप कॉलेज, सांगवी, पुण्, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित मानव संसाधन प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में** 'विल मशीन रिप्लेस ह्यूमन' उद्योग 4.0 पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

**प्रकाशन**

- **शोध पत्र का शीर्षक** 'विल मशीन रिप्लेस ह्यूमन ! इंडस्ट्री 4.0 ', आरहट मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल एजुकेशन रिसर्च जर्नल (आईएसएसएन-2278-5655 और एसजेआईएफ इम्पेक्ट फैक्टर – 6.236), खंड-9 (एसपी अंक-11, भाग-ए), मार्च-अप्रैल 2020, पृ0-01-04, (सहलेखक – एम. मुरलीधर और आर भूयान)

## शिक्षा विभाग

**डॉ. रमेन्द्र कुमार पाढ़ी,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- दिनांक 6-7 जुलाई 2019 के दौरान, वी.डी. कॉलेज, जेपुर, ओड़िशा के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षा में नवीन शिक्षण अभ्यास ' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 29 नवम्बर 2019 को डीएवी सीटीई कोरापुट के शिक्षा विभाग के शिक्षा संकाय की चयन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 03-06 दिसंबर 2019 के दौरान उत्तर बंग विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, पं0 बंगाल में आयोजित शिक्षक शिक्षा में सफलतापूर्वक रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।

## गणित विभाग

**डॉ. ज्योतिष्का दत्ता,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

- शोधपत्र का प्रकाशन, 'बायोफरकेशन एण्ड बायो-इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ ए प्री. जेनेरलिस्ट प्रीडेटर मॉडल विद होल्डिंग टापइ फंक्शनल रिस्पांस एंड नानलीनियर हार्वेस्टिंग, एससीआई जर्नल चाओस, सोलिटन्स एण्ड फ्रैक्टल्स (एलसेवियर) (आईएफ – 3, 764, 2019)

## जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

**प्रो. शरत कुमार पलिता,** प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य एवं अधिष्ठाता

- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 30वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में भाग लेने वाले सदस्य के रूप में 24 दिसम्बर 2019 को डीईएलएनईटी अतिथि भवन, आईएनयू परिसर नई दिल्ली में उपस्थित हुए।
- दिनांक 01 अक्टूबर 2019 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति (प्रभारी) के रूप में 29वीं कार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता नई दिल्ली स्थित जेएनयू परिसर में की।
- दिनांक 28 जून 2019 को ओड़िशा के कुलपति प्रभारी के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय की 28वीं कार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता डीईएलएनईटी अतिथि भवन जेएनयू परिसर, नई दिल्ली में की।
- दिनांक 30 सितम्बर 2019 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति (प्रभारी) के रूप में डीईएलएनईटी अतिथि भवन, जेएनयू परिसर, नई दिल्ली में आयोजित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 21वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 27 जून 2019 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति (प्रभारी) के रूप में डीईएलएनईटी अतिति भवन, जेएनयू परिसर, नई दिल्ली में आयोजित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 20वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 12 जून 2019 को भुवनेश्वर में कुलपति (प्रभारी) के रूप में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भवन निर्माण समिति की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 05 अगस्त 2019 को यूजीसी के ऑफिस, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित कुलपति प्रभारी के रूप में स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 12 मार्च 2019 को यूजीसी के ऑफिस, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित कुलपति प्रभारी के रूप में स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 13 जून को माननीय मंत्री एमएचआरडी द्वारा संविधान सभा नई दिल्ली में बुलाए गए कुलपतियों की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 1 मई 2019 को वर्ष 2019-2020 के लिए शास्त्री भवन, नई दिल्ली ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति के रूप में तथा यूजीसी के सचिव प्रो0 रजनीश जैन और एमएचआरडी के संयुक्त सचिव श्री जीसी. हासूर ने एक त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किये।
- कृषक सह बीज मेला में माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और दिनांक 8 मार्च 2020 को निशानीमुंडा कोरापुट के सहयोग से प्रघति कोरापुट द्विरा आयोजित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- दिनांक 21 फरवरी 2020 को सीयूओ के ओड़िआ भाषा और साहित्य विभाग द्वारा आयोजित जगती करण जुगेरे मातृभाषा प्रति आवाहन विषय पर संगोष्ठी में वक्ता के रूप में आमंत्रित किये गये।
- दिनांक 13-14 फरवरी 2020 के दौरान जवाहरलाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द सेकेण्ड टेक वीसीस कानक्लेव 2020 – रिइंवेंटिंग एक्सेलेन्स इन टेक्नोलॉजीकल एडुकेशन में कुलपति के प्रतिनिधि के रूप में सीयूओ का प्रतिनिधित्व किया।
- दक्षिणी ओड़िशा के कोरापुट क्षेत्र में 'जैव विविधता अनुसंधान ' शीर्षक पर मुख्य वक्तव्य दाय। दिनांक 5-6 फरवरी 2020 के दौरान एफ.म विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विज्ञान और जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'एक रूझान और पशु विज्ञान' की प्रघति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का अवलोक किया।
- जैव विविधता और संसाधनों पर तकनीकी सत्र एक विषय जलवायु परिवर्तन प्रभाव की अध्यक्षता की और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता संरक्षण – एक राष्ट्रीय और 7त्रीय परिप्रेक्ष्य पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और ओड़िशा गवेषणआ चक्र के 27वें सम्मेलन शीर्षक 'ओड़िसा के जनजातीय क्षेत्रों में राजनीतिक अर्थव्यवस्था और शासन सुधार – जलवायु परिवर्तन, संस्कृति और विकास का अनुभव ' का आयोजन आईआर कॉलेज और कोरापुट ऑफ एनालिटिकल ट्राइबल स्टडीज कोरापुट के सहयोग से किया।
- दिनांक 12 जनवरी 2020 को आदिवासी संग्रहालय कोरापुट और इंटेक भुवनेश्वर में डंगदर के रजत जयंती समारोह के अतिथि के रूप में, 'मेरे सपनों का कोरापुट' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- दिनांक 3 जनवरी 2020 को सालीपुर ऑटोनॉमस कॉलेज, सालीपुर के जूलौजी स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित स्वायत्तता संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- दिनांक 16 नवम्बर 2019 को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सद्भावना सभागुरुहा, कोरापुट में राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2019 के कार्यक्रम में सीयूओ के कुलपति (प्रभारी) एवं मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 15-16 मई 2019 के दौरान ब्रुसेल्स, बेल्जियम में 'बायोडायवर्सिटी एंड इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डायवर्सिटी ऑफ बैट्स (चिरोपेटर – मैमलिया) इन इस्टर्न घाट ऑफ ओड़िशा, शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- कंजर्वेशन बायोलॉजी विषय पर बर्द्धमान विश्वविद्यालय, पं0 बंगाल, भारत के एक पी-एच.डी थीसिस का परीक्षण किया।
- दो शोध लेखों - 'जर्नल ऑफ थ्रेटेन्ड टाक्सा भारत और चीलियन जारनाई ऑफ इंटॉमोलॉजी चिलियन सोसायटी ऑफ इंटॉमोलॉजी द्वारा प्रकाशित की समीक्षा की।
- मार्गदर्शन की अवधि के दौरान 7 शोध छात्रों को एम.एससी के प्रकरण तथा 2 को एम.फिल. की उपाधि मिली।

**प्रकाशन**

- शोधपत्र का शीर्षक 'फर्स्ट रिपोर्ट ऑफ द लिंक्स स्पाइडर ऑक्सीओपस सरटेटस एल. कोच. 1878 (अरेनी : ऑक्सीओपीडे) फ्राम इंडिया',एसईआरकेईटी (द अर्चनॉलीजकल बुलेटिन ऑफ द मीडिल इस्ट एण्ड नॉर्थ अफ्रीका), 17(2) : 136-138 (2020). (सह लेखक के. दे. एस. के. चौधरी. एस .के. दास) (आईएसएसएन – 1110-502X)
- शोधपत्र का शीर्षक 'हैबीटेट च्वाइस एंड अरबोरियल बीहैवियर ऑफ श्रीलंका नैरो माउथ्ड फ्रॉग यूपरोडन टैप्रोबैनीकस (पार्कर, 1934) ' मैंग्रोव ऑफ भीतरकनिका, ओड़िशा इस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया, में जूलॉजिकल सोसायटी की कार्यवी, 73(1) 99-107 (2020) डीओआई : 10.1007/एस 12595-019-00303-8 (सहलेखक – एस जेना) (स्प्रिंगर नीदरलैंड, आईएसबीएन – 0373-5893)
- शोध पत्र का शीर्षक 'कोरापुट, भारत के पराजा जनजाति द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों की फाइटोकेमिकल रूपरेखा, इकोलॉजी, पर्यावरण और संरक्षण (2020) 26(1) : 148-154. (सह लेखक पी. टीकादार और डी. पांडा) (आईएसएसएन – 0971-765 X, आईएफ-0120)
- शोध पत्र का शीर्षक 'फर्स्ट रिकॉर्ड इन द ईयर ऑफ द तमिल डी ब्राउन लेथे ड्राईपेटीस टोडर माओर, 1881 (लेपीडोपटेरा : निम्फालीडिया : सैटीरीनी) फ्रॉम ओड़िशा, इंडिया बाई फ्रूट – बेटिंग, जर्नल ऑफ थ्रेटेन्ड टैक्सा11(15) : 1-6, https://doi.org/10.11609/jott.4485.11.15.(सह लेखक - ए. मेहता) (आईएसएसएन – 0974-7007) (ऑनलाइन), 0974-7893 (प्रिंट) (आईएफ-0.440
- शोध पत्र का शीर्षक 'ओड़िशा का एक स्वतंत्र पुँछ वाला चमगादड़ का पहला रिकॉर्ड ' (मैमालिया : चिरोपटेरा : मोलोसीडी) : यह क्या हो सकता है ? थ्रीटेंड टैक्सा का जर्नल, 11(8) : 14071-14074 (2019), डीओआई : 10.11609/जेओटीट.4338.11.8.14071-14074(सहलेखक – एस देवता) (आईएसएसएन: 0974-7007 (ऑनलाइन), 0974-7893 (प्रिंट); आईएफ-0.440)
- शोधपत्र का शीर्षक 'सिमलीपल बायोस्फीयर रिजर्व, भारत-संरक्षण के लिए मानव निहित संक्रमणकालीन क्षेत्र के भीतर चमगादड़ों की विविधता और प्रचुरता, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, अनुभाग की कार्यवाही, बी – जैविक विज्ञान, प्रकाशक – स्प्रिंगर नेथर्टेंड्स। (2019), 90 (2) : 353-363.https://doi.org/10.1007/s40011-019-01108-7 (सहलेखक - एस देवता) (आईएसएसएन - 0369-8211, आईएफ : 0.396)

**डॉ. काकोली बनर्जी,** सहायक प्राध्यापक

- दिनांक 21 अगस्त से 3 सितम्बर 2019 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी में पर्यावरण विज्ञान पर 14 दिन का यूजीसी द्वारा प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।
- वर्ष 2019-20 के दौरान ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के पाठ्यक्रम विकास समिति, अनुसंधान समिति तथा जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग के अध्ययन मंडल के सदस्य रहे।
- मार्गदर्शन की अवधि के दौरान 7 शोध छात्रों को एम. एससी प्रकरण की, 1 शोध छात्र को एम.फिल. की तथा 2 शोध छात्रों को पी-एच.डी. की उपाधि मिली।
- दिनांक 9 फरवरी 2020 को इंस्टीट्यूट फॉर बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन एंड ट्रेनिंग बैंगलोर द्वारा आयोजित 'स्पीशीज डिस्ट्रीव्यूशन मॉडेलिंग में एक सर्टिफिकेट कोर्स ऑनलाइन पूरा किया।
- दिनांक 21 से 23 जनवरी 2020 के दौरान सीआईएफए-आईसीएआर भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एक्वाकल्चर (आईएसजीए- III)में जीनोमिक्स पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुति में भाग लिया।
- दिनांक 5 से 7 मार्च 2020 के दौरान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला ओड़िशा द्वारा आयोजित बायोप्रोसेस ऑन सस्टेनेबल एनवायरनमेंट एंड एनर्जी (आईसीबीएईई) विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 10 नवम्बर 2019 को ओड़िशा सरकार के राज्य स्तरीय बागवानी प्रभाग द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता में न्यायधीश के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 28 फरवरी 2019 को सरकारी कॉलेज, कोरापुट के करियर काउंसिलिंग सेल द्वारा आयोजित स्नातक के छात्रों के लिए दूसरी करियर काउंसलिंग मीटिंग संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 14 से 21 अक्टूबर के दौरान आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्यूसी शोध केन्द्र, सुनाबेड़ा, कोरापुट ओड़िशा में 'मृदा स्वास्थ्य प्रबधन के लिए जैविक खेती' पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (एमटीसी के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बाहरी संसादन संकाय के लिए आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 29-30 जनवरी 2020 के दौरान एमओईएस, हैदराबाद में प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर के रूप में 12वीं पीएएमसी मीटिंग में भाग लिया।

- वर्ष 2019-20 के दौरान एक्वा साइंटिफिका जर्नल और ऊर्जा, पर्यावरण और कार्बन क्रेडिट (एसटीएम) पत्रिकाओं के जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे।

**प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक 'दक्षिण एशिया के उष्णकटिबंधीय आर्द्रभूमि जंगलों की कार्बन भंडारण क्षमता :एक केस स्टडी ट्रॉम भीतरकनिका वाइल्डलाइट सैंक्चुअरी, भारत। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, स्प्रिंगर (2019), 191 (एसयूपीपीआई3) : 795-816, डीओई :https://doi.org/10.1007/s10661-019-7690-y (आईएसएसएन :0167-6369) आईएफ :1959 (सह लेखक :गोविन्दा बल)
- शोध पत्र का शीर्षक 'भारत के ओड़िशा के कोरापुट जिले के पहाड़ी इलाकों में स्वदेशी पुष्प अर्क का उपयोग करके मैक्रोब्रेचियम रसेनबर्गी की संस्कृति, हेलियन, एलसेवीयर (2019), 5 (e02312 to e02324). आईएसएसएननo 2405-8440. आईएफ.0.84 (सह लेखक : जी. आर. खेमेंदु)
- शोध पत्र का शीर्षक, :'पूर्वी भारत में मैंग्रोव जंगलों में उच्च नीले कार्बन क स्टॉक '। उष्णकटिबंधीय doi: https://doi.org/10.1007/s42965-020-00072-y, आईएसएसएन नo : 0564-3295. आईएफ.0.95 (सह लेखक : साहू, सी.के., जी. बल, के. मल्लिक और ए. मित्रा) ट्रपिकल इकोलॉजी (आईएसटीई) स्प्रिंगर (2020), 60(4) :1-18.
- शोध पत्र का शीर्षक, 'समुद्री शैवाल की वृद्धि पर भौतिक-रासायनिक चर की भूमिका '। एसीटीए वैज्ञानिक कृषि। (2019), 3(5): 40-54. आईएसएसएन : 2581-365X. (सह लेखक : ए.एस. तुरुक और जी.आर. खेमेंदु)
- सम्मेलन की कार्यवाही का शीर्षक, 'महानदी मुहाना के नमक दलदली घास में कार्बन भंडारण को प्रभावित करने वाले जलीय और एडाफीर निर्धारण, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोप्रोसेस फॉर सस्टेनेबल एनवायरोनमेंट एंड एनर्जी। आईसीबीएस (ईई) (2020), पृ0-57 (2020), आईएसबीएन : 818553107-2, (सह लेखक – सी.के. साहू, के. मल्लिक, जी. बल और आर. पॉल)
- सम्मेलन की कार्यवाही का शीर्षक, हरे रंग की ऊर्जा के लिए उपकरण के रूप में बायोमास और प्रजातियों की संरचना की मात्रा :ओड़िशा के नबरंगपुर जिले से एक केस स्टडी, दूसरा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोप्रोसेस फोर सस्टेनेबल एनवायरोनमेंट एंड एनर्जी (आईसीबीएसईई) (2020), पृ0-56, आईएसबीएन – 18553107-2 (सह लेखक – पी. परसेठ, सी. देबशर्मा, सी. के. साहू, आर. पॉल
- सम्मेलन की कार्यवाही का शीर्षक, 'बंगाल की खाड़ी का नीला कार्बन सिंक : एक मॉडल दृश्य दृष्टिकोण दूसरा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोप्रोसेस फॉर सस्टेनेबल एनवायरोनमेंट एंड एनर्जी (आईसीबीएसईई) (2020), पृ0-27, (आईएसबीएन – 818553107-2), (सह लेखक – सी.के.साहू, के. मल्लिक, जी. बल और आर. पॉल)।

**अनुसंधान परियोजना**

- भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) परियोजना (2016-19) द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं (जारी) में से एक का प्रधान अन्वेषक।

**डॉ. देवव्रत पांडा,** सहायक प्राध्यापक

- दिनांक 22-23 जनवरी 2020 के दौरान उत्तर ओड़िशा विश्वविद्यालय में ओड़िशा बोटैनिकल सोसाइटी के 44वें वार्षिक सम्मेलन में कई तनाव सहिष्णुता के लिए भारत के कोरापुट से स्वदेशी चावल के भूभाग, विषय पर शोध पत्र पूर्ण क्षमता से प्रस्तुत किया।
- दिनांक 01 से 03 मार्च 2020 के दौरान रेनेशॉ विश्वविद्यालय, ओड़िशा के उभरते विज्ञान रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर अवार्ड मिला।
- दिनांक 18 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2019 के दौरान विशाखापत्तनम के आंध्रा विश्वविद्यालय से जीवन विज्ञान में रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।
- मार्गदर्शन की अवधि के दौरान तीन शोध छात्रों को पी-एच.डी, 01 को एम.फिल. तथा 10 को एम.एससी प्रकरण की उपाधित मिली।
- तीन अन्तर्राष्ट्रीय जर्नलों-फोटो सिंथेटिका एनवायरोनमेंटल साइंस, पॉल्यूशन रिसर्च और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटोरेमेडीशन के तीन शोध पत्रों का पुनर्विवेचन किया।

**पत्रिका प्रकाशन**

- शोध पत्र का शीर्षक कोरापुट, भारत के जंगली खाद्य यम (डायोस्कोरिया एसपीपी) कंद के पोषक एंटी-न्यूट्रीशनल और फीजियो-फंक्शनल गुण 'फूड बायोसाइंस 34 : 100527 (2020), (सह लेखक – बी. पठान, एम. विश्वास) (एलसेवियर, आईएसएसएन : 2212-4292, आईएफ 3.067)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'हार्नेस्टिंग लीफ फोटोसिंथेटिक ट्रेट्स एण्ड एंटीऑक्सीडेंट डिफेन्स फॉर मल्टीपल स्ट्रेस टॉलेरेन्स इन थ्री प्रीमियम इंडीजीनियस राइस लैंड्रेसेज ऑफ जेपुर ट्रेक्ट ऑफ ओड़िशा, इंडिया ' फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी, 47(2) : 9911 (2020) (सह लेखक : बी. मोहांती, एस.एस. मिश्रा, पी. के. बेहेरा, जे. बारीक) (सीएसआईआरओ, आईएसएसएन : 1445-4408, आईएफ : 2.617)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'मॉर्फो फिजीयोलॉजिकल ट्रेट्स में विविधता का मूल्यांकन और तराई के पाँच स्वदेशी भू-भागों के जलमग्न सहिष्णुता के संबंध में आनुवांशिक विविधता, चावल विज्ञान 27(1) :32-43 (2020) (सह लेखक – जे. बारीक, बी, कुमार, एस के लेनका), (एलसेवियर, आईएसएसएन : 1672-6308, आईएफ : 3162
- शोध पत्र का शीर्षक, : 'फसल सुधार के लिए भारत के कोरापुट से स्वदेशी फिंगर बाजरा जीनोटाइप की आनुवांशिक विविधता। जे. प्लांट बायोकेमिस्ट्री बायोटेक्नोलॉजी (2020) ', https://doi.org/10.1007/s13562-020-00557-w(सह लेखक :सह लेखक :ए.एच शैलजा, पी. के. बेहेरा, एस. के लेंका, के. लेंका)

- शोधपत्र का शीर्षक, 'भारत के कोरापुट में इथनोमेडिसीन के रूप में इस्तेमाल किए गए जिंगीबरैसी के चयनित पौधों की रासायनिक रूपरेखा, जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री ' 16(1), 50-60, (2020) (सह लेखक : ए. के. बेहेरा, बी. प्रधान और जे. के. नायक), (आईएसएसएन 1997-0838)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'कोरापुट, ओड़िशा, भारत के साँप के काटने के खिलाफ इस्तेमाल किए गए नृवंशीय पौधों का फाइटोकेमिल मूल्यांकन, एनाल्स आयुर्वेदिक मेडिसिन, 9(1) : 12-21, (2020), (सह लेखक : एस.एस.कुमार, आर. पधान और जे.के. नायक) (आईएसएसएन-2277-4092)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'भारत के कोरापुट के पराजा जनजाति द्वारा प्रयुक्त चयनित औषधीय पौधों की फाइटोकेमिलक रूपरेखा ' पारिस्थितिकी पर्यावरण और संरक्षण, 26(1) : 148-154 (2020) (सह लेखक – पी. टीकादार, एस. के. पालिता), (आईएसएसएन – 0971-765 X)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'लेनका के. लेनका से चयनित चावल की खेती की उपज और फोटोकैमिकल गतिविधि, (स्प्रिंगर), आईएसएसएन 0971-7811, आईएफ – 0.778, मध्यम गहराई स्थिर बाढ़ के तहत उपजा भारत फोटोसिंथेटिका, 57 (4): 1084-1093. (2019), (सह लेखक :ए. राय एण्ड आर. के. सरकार), (स्प्रिंगर; आईएसएसएन: 0300-3604; आई एफ :2.562)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'ओड़िशा के जेपोर पथ के चयनित पारंपरिक चावल के भूभाग में डेटा के जीनोटाइपकि रूपांतरों का आकलन करते हुए, भारत प्रकाशन संश्लेषण लक्षणों के आधार पर डेटा इन ब्रीफ, 25 (2019) 104305 https://doi.org/10.1016/j.dib.2019.10430 (सह लेखक :टी. साहु, जे. बारीक, एस.एस. मिश्रा, बी. पधान, एस. के. लेनका), (एल्सेवियर; आईएसएसएन : 2352-3409)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'कोरापुट से लोक चावल (ओरिजा सैटिवा एल.) जीनोटाइप की आनुवांशिक क्षमता पर डेटा भारत सूखा सहिष्णुता के लक्षणों के संदर्भ में संक्षिप्त, 25 (2019) 104363https://doi.org/10.1016/j.dib.2019.104363. (सह लेखक :एस. एस. मिश्रा, एस. के. मोहांती, पी. के. बेहेरा, एस. के. लेनका), (एल्सेवियर; आईएसएसएन : 2352-3409)
- शोध पत्र का शीर्षक, 'ओड़िशा के जेपुर इरैसी के चयनित पारंपरिक टिस इयंडेटम में लीफ फोटोसिंथेसिस और एंटी ऑक्सीडेंट प्रतिक्रिया, भारत आईओ, फिजियो ओवाइ प्लांट 25(4) के मुकुटुर 847-863 (2019), (सह लेखक :जे. बारीक, एस. मोहांती और एस. के. लेनका ), (स्प्रिंगर, आईएसएसएन: 0971-5894; आईएफ: 2.005)
- शोध पत्र का शीर्षक अनुवांशिक परिवर्तनशीलता और कोरापुट भारत स्थित यूएन म्यून्युलर औरमॉर्फोलॉजिकल मार्कर, फिजियोलॉजी और प्लूटो 25 के आण्विक जीव विज्ञान (5) : 1225-1233 (सह लेखक – बी. पधान, ए. के. मुखर्जी, एस. के. मोहंती, एस. के. लेनका) (स्प्रिंगर, आईएसएसएन: 0971-5894; आईएफ: 2.005

**शोध परियोजना**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के लिए प्रधान अन्वेषक (पीआई), ओड़िशा सरकार द्वारा वित्त परियोजना जिसका शीर्षक है, मॉल्क्यूलर कैरेक्टराइजेनश ऑफ सिलेक्टेड इंडीजीनियस राइस लैंडरेसेस ऑफ जेपुर ट्रैक्ट ऑफ ओड़िशा इन रिलेसन टू ड्रोट स्ट्रेस टॉलेरेंस, नवम्बर 2017 से शुरू हुआ और जारी है।

## व्यवसाय प्रबंधन विभाग

**डॉ. प्रीतिश बेहेरा,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 8 नवम्बर 2019 को सीयूओ के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में स्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित फकीर मोहन सेनापति विश्वविद्यालय, बालासोर, ओड़िशा के प्रध्यापक और अधिष्ठाता का स्ट्रेटेजीस फॉर कार्पोरेट रिस्ट्रक्चरिंग विषय पर संगोष्ठी व्याख्यान को सफलतापूर्वक समन्वित किया।
- दिनांक 13 नवम्बर 2019 को सीयूओ कोरापुट के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में स्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित एचएएल के डेप्यूटी मैनेजर श्रीमान नरसिंहम बी. का 'कॉन्ट्रेक्ट लेबर मैनेजमेंट' विषय पर संगोष्ठी व्याख्यान को समन्वित किया।
- दिनांक 08 जनवरी 2020 को कोरापुट एग्रो प्रोडक्ट्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की चयन प्रक्रिया के लिए मुख्य अतिथि पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- नया वैश्वीकरण दिनांक 9 से 11 जनवरी 2020 के दौरान एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं के उदय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2020 में 'इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल्स' (ईवीस) इट्स इम्पेरेटिव्स रोल इन ब्रिक्स इकोनॉमी) शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 16 नजवरी 2020 को सीयूओ, कोरापुट के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में स्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित श्रीमान गंगाधर परीदा, पूर्व जिला मेजिस्ट्रेट के 'डेयरी फार्मिंग एक सफल उद्योग के रूप में' विषय पर संगोष्ठी व्याख्यान को सफलतापूर्वक समन्वित किया।
- दिनांक 7 मार्च 2020 को एल्जेवियर के सहयोग से ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग ' विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

**श्री सुभाष चन्द्र पट्टनायक,** व्याख्याता (संविदा)

- दिनांक 29 जून 2020 को उत्कल विश्वविद्यालय वाणी विहार भुवनेश्वर से व्यवसाय प्रबंधन विषय पर पी-एच.डी की उपाधि मिली।
- दिसम्बर 2019 में यूजीसी-नेट (एचआरएम) की परीक्षा उत्तीर्ण की।

- दिनांक 27-30 दिसम्बर 2019 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) संबलपुर द्वारा आयोजित 13वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में 'उच्च प्रदर्शन कार्य आचरण और समीपस्थ कर्मचारी परिणाम – भारत से कुछ साक्ष्य, शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27-30 दिसम्बर 2019 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) संबलपुर द्वारा आयोजित 13वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में 'इम्पैक्ट ऑफ सुपरवाइजर सपोर्ट ऑन टर्नओवर इंटेंशन : मेडिएटिंग रोल ऑफ वर्क एंगेजमेंट' शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- प्रकाशित शोध पत्र का शीर्षक 'हाई परफॉर्मेंस वर्क प्रैक्टिसेस, अफेक्टिव कमिटमेंट ऑफ इम्प्लॉइ एंड ऑर्गेनाइजेशनल परफॉर्मेंस : ए मल्टी लेवेल मॉडेलिंग यूजिंग 2-1-2 मेडिटेशन एनालाइसिस ' ग्लोबल बिजनेस रिव्यू में (प्रेस में) (ए स्कोपस इंडेक्स्ड, इएससीआई (वेब ऑफ साइंस) तथा एबीडीसी-रैंक्ड सेज जर्नल)

**यादव देवी प्रसाद बेहेरा,** अतिथि प्रवक्ता

- दिनांक 12-14 दिसम्बर 2019 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक द्वारा आयोजित 7वें पैन-आईआईएम विश्वप्रबंधन सम्मेलन में 'रिस्क ऑब्जॉर्प्शन : द पावर इनहैन्सर ऑफ कॉग्निशन टू रीज डिग्री ऑफ इंटेरेस्ट इन इन्वेस्टमेंट' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 29 फरवरी से 1 मार्च 2020 के दौरान संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बिजनेस मैनेजमेंट एंड सोशल इन्नोवेशन पर राष्ट्रय संगोष्ठी में 'रिसोल्भ्ड : द रोलऑफ हॉ और कोल्ड कॉग्निशन इन फिनेंशिलयल प्रोडक्ट पर्चेस डिसीजन' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- शोधपत्र का शीर्षक 'अवधारणात्मक पूर्वाग्रह : स्टॉक मार्केट निवेश में विविध व्यवहार के लिए एक प्रमुख चालक, टेस्ट इंजीनियरिंग और प्रबंधन। 83(6), 13888-13899) आईएसएसएन-0193-4120 (एससीओपीयूएस), 2020 (सह लेखक – एस.एस. नंदा, एस. के. साहू और टी. आर. साहू)
- शोध पत्र का शीर्षक 'ए स्टडी ऑन द एफिसियेंसी ऑफ ए वेजिटेबल मार्केटिंग : ए इंटीग्रेटेड एप्रोच विद् कंज्यूमर्स एँड फार्मर : एण्ड फार्मर कम - सेलर्स' पर्सपेक्टिव जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफोर्मेशन एंड बिजनेस स्ट्रेटजीस 11(1), 77-78. आईएसएसएन-0976-4925, 2020 (सह लेखक : एस. के. साहू और टी. आर. साहू)

## सांख्यिकी विभाग

**डॉ. महेश कुमार पांडा,** सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रभारी

दिनांक 21-23 दिसम्बर 2019 के दौरान इंडियन सोसायटी फॉर प्रोबैबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स (ईएसपीएस) के संयोजन से सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर में स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित सतत् विकास के सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में हालिया अग्रिमो पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बायेसियन ऑटिमल डिजाइन्स फॉर लाइफ टाइम डाटा विद सेंसरिंग' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

# अनुसंधान गतिविधियाँ

निम्नलिखित एम.फिल शोध प्रबंध और पीएच.डी. शोध विद्वानों द्वारा सत्र 2019-20के दौरान शोधपत्र प्रस्तुत किए गए हैं।

**एम.फिल. के पुरस्कार के लिए**

| क्रमांक संख्या | विषय | नाम | टॉपिक | अवार्ड रेफ. न. और दिनांक |
|---|---|---|---|---|
| 01 | मानव विज्ञान | जुगल प्रकाश कोरकोरा (मार्गदर्शक : डॉ. जयंत कुमार नायक) | ''न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ ट्राइबल मदर्स एण्ड चिल्ड्रेन (0 टू 5 इयर्स) इन तेंतुलीखुँटी ब्लॉक ऑफ नबारनपुर डिस्ट्रिक्ट, ओडिशा : एन एन्थ्रोपॉलोजिकल एप्रोच'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/833 एण्ड 26.04.2019 |
| 02 | | कमल कुमार साडंगी (मार्गदर्शक : डॉ. जयंत कुमार नायक) | ''असेसमेंट ऑफ स्टेटस एण्ड हेल्थ सीकिंग बिहैवियर फॉर नन-कम्यूनिकेबल डीजिज अमाँग ट्राइबल कम्यूनिटिज ऑफ बोरिगसा ब्लॉक ऑफ कोरापुट डिस्ट्रिक्ट'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/902. एण्ड 22.07.2019 |
| 03 | | प्रियदर्शिनि गरदा (मार्गदर्शक : डॉ. जयंत कुमार नायक) | ''लाइफ साइकिल रिचुअल्स : ए केस स्टडी अमांग कोन्ध, एण्ड गडबा ट्राइब ऑफ कोरापुट डिस्ट्रिक्ट, ओडिशा'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/768. एण्ड 03.04.2019 |
| 04 | ओडिआ | प्रशान्त संतरा (मार्गदर्शक : डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई) | एकबिंश शताब्दीरा ओडिआ उपन्यास ओ औपन्यासिका भीमा प्रुस्ति | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2020/42. एण्ड 23.02.2020 |
| 05 | पत्रकारिता और जन संचार | दीपन्नीता दत्ता (मार्गदर्शक : डॉ. प्रदोश कमार रथ) | कन्ट्रिब्यूशन ऑफ इण्डियन वर्नाकुलर न्यूजपेपर इन ट्रांसफॉर्मिंग द इण्डियन सोसायटी ड्यूरिंग द नाइन्टिंथ सेंचुरी (1818-1857) विथ स्पेशल इम्फेसिस ऑन कोलोनियल बंगाल | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1038. एण्ड 22.11.2019 |
| 06 | समाज विज्ञान | बिक्रम भक्त (मार्गदर्शक : डॉ. कपिला खेमेंदु | ''कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी : ए सोसियोलॉजीकल स्टडी ऑफ चम्पादर विलेज, नाल्को, दमनजोड़ी'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/946. एण्ड 08.08.2019 |
| 07 | | शुभश्री लेनका (मार्गदर्शक : डॉ. कपिला खेमेंदु | ''सोशियो-इकोनॉमिक कन्डीशन्स ऑफ स्लम ड्वेलर्स : ए केस स्टडी ऑफ भुवनेश्वर'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/945. एण्ड 08.08.2019 |
| 08 | | संतोषिनी प्रधान (मार्गदर्शक : डॉ. कपिला खेमेंदु | ''प्रोब्लम्स ऑफ एजींग अमाँग ट्राइबल्स : ए स्टडी इन सेमेलीगुडा ब्लॉक, कोरापुट ओडिशा'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/979. एण्ड 16.09.2019 |
| 09 | जैव विविधता औरप्राकृतिक संसाधनों कासंरक्षण | रूपाली पाणिग्राही (मार्गदर्शक : प्रो. एस. के. पलिता) | ''पोटेंशियलिटी ऑफ बट गुआनो ऐज ऑर्गेनिक मेन्योर फॉर क्राप प्लांट्स'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1019. एण्ड 22.10.2019 |
| 10 | | एन. हेमा सैलजा (मार्गदर्शक: डॉ. देवेंद्र पांडा) | कैरेक्टराइजेशन ऑफ जेनेटिक डाइवरसिटी इन इन्डीजिनस फिंगर मिलेट्स ऑफ कोरापुट, इंडिया | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1004. एण्ड 15.10.2019 |
| 11 | | चंदन कुमार साहू (मार्गदर्शक: डॉ. के. बनर्जी) | ''जियोस्पैशियल असेस्मेंट ऑफ वेजिटेशन बायोमास एट पंचपटमाली बाक्साइट माइन्स, कोरापुट, ओडिशा'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/987. एण्ड 24.09.2019 |
| 12 | | आलोक कुमार नायक (मार्गदर्शक: प्रो. एस. के. पलिता) | ''डिस्ट्रीब्यूशन पैटर्न एण्ड हैबिटेट इन्वेन्टरी ऑफ महसीर फिसेस इन गोदावरी ट्रिब्यूटरीज ऑफ साउदर्न ओडिशा, इंडिया'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1029. एण्ड 07.11.2019 |
| 13 | अर्थशास्त्र | रोनाली नायक (मार्गदर्शक : डॉ. मिनती साहू) | ''इम्पैक्ट ऑफ इण्डस्ट्रियलाइजेशन ऑन द लोकल कम्यूनिट-ए केस स्टडी ऑफ यूएल इन रायगड़ा डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1028. एण्ड 06.11.2019 |
| 14 | शिक्षा | सागरिका पात्रा (मार्गदर्शक : डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी) | ''एड्स्टमेंट, अकाडेमिक ऐक्सिटी एण्ड एचीवमेंट ऑफ सेकण्डरी लेवेल ट्राइबल एण्ड नन-ट्राइबल स्टुडेन्ट्स ऑफ ओडिशा आदर्श विद्यालय'' | सूयीओ/एग्जाम/एमफिल/2019/1027. एण्ड 06.11.2019 |

| पी-एच.डी. | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 01 | मानव विज्ञान | राजेश्वर महाराणा (मार्गदर्शक : डॉ. जे.के.नायक) | ''हेल्थ सीकिंग बिहेवियर एण्ड हेल्थ केयर सर्विसेस एमांग द हिल खरिया, मयूरभंज डिस्ट्रक्ट, ओडिशा'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/938. एण्ड 06.08.2019 |
| 02 | ओडिया | साबित्री कुमारी राणा (मार्गदर्शक : : डॉ. आलोक बराल) | भारतीय लोक कहानी : एक सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/922. एण्ड 26.07.2019 |
| 03 | | शांतनु कुमार नायक (मार्गदर्शक: डॉ. प्रदोष कुमार स्वाईं) | ''समकालीन ओडिआ गल्प धरारे गल्पिका रजनीकांत मोहंती : एक अनुशीलन'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2020/12. एण्ड 25.01.2020 |
| 04 | | प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी (मार्गदर्शक: डॉ. आलोक बराल) | उत्तर आधुनिक ओडिआ पौराणिक उपन्यास : चरित्र पुनर्मूल्यायन प्रसंग | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2020/41. एण्ड 23.02.2020 |
| 05 | पत्रकारिता और जन संचार | सौरव गुप्ता (मार्गदर्शक: डॉ. पी.के.रथ) | ''थियेटर ऐज टूल ऑफ कम्यूनिकेशन फॉर डेवेलपमेंट इन केबीके रीजन ऑफ ओडिशा इंडिया-ए मीडिया ऐस्थेटिक्स स्टडी'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/953. एण्ड 13.08.2019 |
| 06 | | मोहम्मद अमीर पाशा(मार्गदर्शक: डॉ. पी.के.रथ) | ''रोल ऑफ मीडिया इन सोशल डेवेलपमेंट ऑफ माइनोरिटीज : ए स्टडी ऑफ बिलासपुर, डिस्ट्रक्ट ऑफ छत्तीसगढ़'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2020/11. एण्ड 25.01.2020 |
| 07 | | राकेश कुमार दुबे (मार्गदर्शक: डॉ. पी.के.रथ) | मीडिया एंड मास मूवमेंट्स : रोल ऑफ प्रिंट मीडिया-केस स्टडी ऑफ मास प्रोटेस्ट मूवमेंट्स अबाउट 'पोस्को, नियामगिरी एण्ड उत्कल एल्यूमिना' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2020/50. एण्ड 09.03.2020 |
| 08 | जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण | स्वाति साकम्बरी मिश्रा (मार्गदर्शक : डॉ. डी. पांडा) | ''साइकोलॉजिकल एण्ड मोलेक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ इण्डीजिनीयस राइस (ओरिजा सत्व लि.) लैण्ड्रेसेस ऑफ कोरापुट इन रिलेशन टू ड्राट टोलेरेन्स'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/777. एण्ड 12.04.2019 |
| 09 | | बन्दना पधान (मार्गदर्शक : डॉ. डी. पांडा) | ''बायोकेमिकल एण्ड मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग ऑफ विल्ड डायोकोरिया स्पीसिज ऑफ कोरापुट रीजन, ओडिशा'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/954. एण्ड 13.08.2019 |
| 10 | | जिज्ञासा बारिक (मार्गदर्शक: डॉ. डी. पांडा) | ''साइकोलॉजिकल एण्ड मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग ऑफ इण्डीजिनीयस लोलैंड राइस (ओराइजा सतिवा एल.) लैण्ड्रेसेस ऑफ कोरापुट इन रिलेशन टू फल्डिंग टोलेरेन्स'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/1021. एण्ड 29.10.2019 |
| 11 | | गोपाल राज खेमेंदु (मार्गदर्शक : : डॉ. के. बनर्जी) | ''इंट्रोडक्शन ऑफ मैक्रोब्रेचियम रजेनबर्गी, ए फ्रेशवाटर प्रान कल्चर इन कोरापुट, ओडिशा : ए सस्टेनेबल अप्रोच'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/1030. एण्ड 07.11.2019 |
| 12 | | गोबिन्दा बल (मार्गदर्शक: डॉ. के. बनर्जी) | ''स्टडी ऑन द कार्बन स्टोरेज इन मैंग्रोव वेजीटेशन एण्ड सेडीमेंट्स ऑफ भीतरकनिका मैंग्रोव इकोसिस्टम उडीसा'' | सीयूओ/एग्जाम/पी-एचडी/2019/1016. एण्ड 21.10.2019 |

# छात्रों का नामांकन

**शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए दाखिल छात्र-छात्राओं का वर्गवार विवरण**

| क्रम सं0 | विभाग | सामान्य | | | एससी | | | एसटी | | | ओबीसी | | | ईडब्ल्यूएस | | | कुल छात्र | प्रवेश की संख्या | रिक्त | अभ्युक्ति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु | म | ति. लि. | पु | म | ति. लि. | पु | म | ति. लि. | पु | म | ति. लि. | पु | म | ति. लि. | | | | |
| 1 | अंग्रेजी में स्नातकोत्तर | 2 | 2 | | 3 | 3 | | 3 | 3 | | 6 | 7 | | | | | 29 | 30 | 1 | |
| 2 | ओड़िआ में स्नातकोत्तर | 0 | 1 | | 3 | 3 | | 5 | 0 | | 9 | 9 | | 0 | 1 | | 31 | 30 | | 1-पुरुष जनजाति पीडब्ल्यूडी |
| 3 | समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर | 8 | 1 | | 5 | 3 | | 1 | 1 | | 3 | 2 | | 0 | 1 | | 25 | 30 | 5 | |
| 4 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर | 3 | 4 | | 2 | 0 | | 2 | 0 | | 4 | 2 | | | | | 17 | 30 | 13 | |
| 5 | मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर | 1 | 11 | | 1 | 3 | | 2 | 1 | | 8 | 0 | | 1 | 2 | | 30 | 30 | 0 | |
| 6 | अर्थशास्त्र मेंस्नातकोत्तर | 0 | 7 | | 3 | 2 | | 3 | 2 | | 6 | 8 | | 1 | 0 | | 32 | 30 | | |
| 7 | जैव विविधता में स्नातकोत्तर | 3 | 3 | | 0 | 5 | | 1 | 2 | | 3 | 7 | | | | | 24 | 30 | 6 | 1-महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी |
| 8 | गणित में स्नातकोत्तर (05 वर्षीयएकीकृत) | 1 | 2 | | 2 | 0 | | 0 | 1 | | 6 | 7 | | | | | 19 | 20 | 1 | |
| 9 | शिक्षा में स्नातक(शिक्षक शिक्षा) | 8 | 7 | | 6 | 4 | | 2 | 2 | | 8 | 13 | | | | | 50 | 50 | 0 | 2-महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी |
| 10 | हिंदी में स्नातकोत्तर | 1 | 4 | | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 0 | 1 | | 1 | 0 | | 8 | 16 | 8 | |
| 11 | संस्कृत में स्नातकोत्तर | 1 | 2 | | 1 | 2 | | 0 | 0 | | 0 | 6 | | | | | 12 | 16 | 4 | |
| 12 | सांख्यिकी में स्नातकोत्तर | 4 | 3 | | 0 | 0 | | 0 | 1 | | 5 | 2 | | | | | 15 | 16 | 1 | |
| 13 | एमबीए | 8 | 4 | | 3 | 3 | | 1 | 2 | | 4 | 5 | | 0 | 1 | | 31 | 30 | | |
| 14 | बीसीए | 7 | 4 | | 1 | 4 | | 0 | 1 | | 5 | 1 | | | | | 23 | 30 | 7 | |
| 15 | मानव विज्ञान में एमफिल | | | | 1 | 0 | | | | | 1 | 0 | | | | | 2 | 2 | 0 | |
| 16 | समाजशास्त्र में एमफिल | | | | | | | 1 | 0 | | | | | | | | 1 | 1 | 0 | |
| 17 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में एमफिल | 0 | 1 | | | | | | | | | | | | | | 1 | 1 | 0 | |
| 18 | जैवविविधता में एमफिल | 1 | 1 | | | | | | | | | | | | | | 2 | 5 | 3 | |
| 19 | अर्थशास्त्र में एमफिल | | | | | | | | | | 0 | 1 | | | | | 1 | 1 | 0 | |
| 20 | शिक्षा में एमफिल | | | | | | | | | | 0 | 1 | | | | | 1 | 1 | 0 | |
| 21 | सांख्यिकी में एमफिल | 1 | 0 | | | | | | | | | | | | | | 1 | 1 | 0 | |
| 22 | मानव विज्ञान में पीएचडी | | | | 1 | 0 | | | | | 1 | 0 | | | | | 2 | 2 | 0 | |
| 23 | जैव विविधता में पीएचडी | 0 | 2 | | 2 | 0 | | | | | 1 | 0 | | | | | 5 | 5 | 0 | |
| 24 | अर्थशास्त्र में पीएचडी | | | | | | | | | | 1 | 1 | | | | | 2 | 2 | 0 | |
| 25 | शिक्षा में पीएचडी | 0 | 1 | | | | | | | | 1 | 0 | | | | | 2 | 2 | 0 | |
| 26 | सांख्यिकी में पीएचडी | 1 | 0 | | | | | | | | 1 | 0 | | | | | 2 | 3 | 1 | |
| उप कुल संख्या | | 50 | 60 | | 34 | 33 | | 21 | 16 | | 73 | 73 | | 3 | 5 | | 368 | 414 | 46 | |
| **कुल योग** | | **110** | | | **67** | | | **37** | | | **146** | | | **8** | | | **368** | | | |

## शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए दाखिल छात्र-छात्राओं का वर्गवार विवरण

| क्रम सं0 | विभाग | सामान्य | | | एससी | | | एसटी | | | ओबीसी | | | कुल छात्र | प्रवेश की संख्या | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु | म | ति.लि. | पु | म | ति.लि. | पु | म | ति.लि. | पु | म | ति.लि. | | | |
| 1 | अंग्रेजी में स्नातकोत्तर | 3 | 7 | | 4 | 2 | | 3 | 1 | | 6 | 4 | | 30 | 30 | |
| 2 | ओड़िआ में स्नातकोत्तर | 1 | 6 | | 3 | 5 | | 2 | 1 | | 6 | 3 | | 27 | 30 | |
| 3 | समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर | 3 | 15 | | 0 | 6 | | 1 | 2 | | 3 | 1 | | 31 | 30 | 1-महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी |
| 4 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर | 5 | 4 | | 0 | 2 | | 1 | 0 | | 0 | 1 | | 13 | 30 | |
| 5 | मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर | 4 | 7 | | 0 | 1 | | 2 | 0 | | 1 | 2 | | 17 | 30 | |
| 6 | अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर | 3 | 4 | | 5 | 1 | | 2 | 1 | | 7 | 7 | | 30 | 30 | |
| 7 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में स्नातकोत्तर | 6 | 9 | | 1 | 4 | | 0 | 2 | | 5 | 4 | | 31 | 30 | 1-महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी |
| 8 | गणित में स्नातकोत्तर (05 वर्षीयएकीकृत) | 4 | 2 | | 1 | 0 | | 1 | 1 | | 4 | 5 | | 18 | 20 | |
| 9 | शिक्षा में स्नातक (शिक्षक शिक्षा) | 9 | 8 | | 3 | 7 | | 2 | 2 | | 11 | 8 | | 50 | 50 | 2-महिला-सामान्य-पीडब्ल्यूडी 1-महिला- ओबीसी-पीडब्ल्यूडी |
| 10 | हिंदी में स्नातकोत्तर | 5 | 1 | | 0 | 1 | | 1 | 0 | | 1 | 6 | | 15 | 16 | |
| 11 | संस्कृत में स्नातकोत्तर | 4 | 2 | | 0 | 1 | | 2 | 0 | | 1 | 1 | | 11 | 16 | |
| 12 | सांख्यिकी में स्नातकोत्तर | 4 | 3 | | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 3 | 0 | | 11 | 16 | |
| 13 | एमबीए | 5 | 9 | | 3 | 1 | | 3 | 0 | | 6 | 5 | | 32 | 30 | |
| 14 | बीसीए | 3 | 2 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 4 | 4 | | 13 | 30 | |
| 15 | ओड़िआ में एम.फिल | 1 | 1 | | | | | | | | 0 | 0 | | 2 | 2 | |
| 16 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.फिल | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 1 | 1 | |
| 17 | जैव विविधता में एमफिल | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 2 | 1 | | 4 | 5 | |
| 18 | अर्थशास्त्र में एमफिल | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 1 | 1 | |
| 19 | शिक्षा में एमफिल | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 1 | | 1 | 1 | |
| 20 | सांख्यिकी में एमफिल | | | | | | | | | | | | | 0 | | 1 |
| 21 | जैव विविधता में पीएचडी | 0 | 2 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 2 | | 2 |
| 22 | अर्थशास्त्र में पीएचडी | 0 | 1 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 1 | | 1 |
| 23 | शिक्षा में पीएचडी | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 1 | 0 | | 1 | | 1 |
| 24 | सांख्यिकी में पीएचडी | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 0 | 0 | | 1 | 0 | | 1 | | 1 |
| **उप कुल संख्या** | | **60** | **86** | | **20** | **32** | | **20** | **10** | | **62** | **53** | | 343 | | 404 |
| **कुल योग** | | **146** | | | **52** | | | **30** | | | **115** | | | **343** | | |

## राष्ट्रीय अध्येतावृति प्राप्तकर्ता – 2019-20

| क्रम सं. | नाम | शैक्षणिक सत्र | कार्यक्रम | विभाग | फेलोशिप के नाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | रश्मि पूजा निकुंज | 2013-14 | पीएच.डी | डीजेएमस | राजीव गांधी नेशनल फैलोशिप |
| 02 | लक्ष्मी प्रिया पात्रा | 2013-14 | पीएच.डी | डीओएलएल | यूजीसी नेट जेआरएफ |
| 03 | राकेश पोल | 2014-15 | पीएच.डी | डीबीसीएनआर | राजीव गांधी नेशनल फैलोशिप |
| 04 | एनी लतीफ | 2016-17 | एम.फिल | डीबीसीएनआर | यूजीसी मौलाना आजाद नेशनल फैलोशिप |
| 05 | सुप्रिया सुरचिता | 2017-18 | पीएच.डी | डीबीसीएनआर | डीएसटी इंस्पायर फैलोशिप |
| 06 | दमयंती बेहेरा | 2017-18 | पीएच.डी | डीओएलएल | यूजीसी नेट जेआरएफ |
| 07 | संतोष जेना | 2018-19 | पीएच.डी | डीईडीएन | नेशनल फैलोशिप फॉर ओबीसी स्टूडेंट्स |
| 08 | करिश्मा राणा | 2019-20 | पीएच.डी | डीई | नेशनल फैलोशिप फॉर ओबीसी स्टूडेंट्स |
| 09 | निरंजन माझी | 2019-20 | एम.फिल | डीएस | नेशनल फैलोशिप फॉर हायर स्टडीज ऑफ एसटी स्टूडेंट्स |

## परीक्षा विश्लेषण – 2019-20

### विश्वविद्यालय से प्रदत्त स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि का विषय-वार विवरण

| क्रम सं. | कार्यक्रम | कुल उपस्थिति | कुल उत्तीर्ण | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ओड़िआ में स्नातकोत्तर | 30 | 30 | 100 |
| 2 | हिंदी में स्नातकोत्तर | 27 | 27 | 100 |
| 3 | मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर | 15 | 15 | 100 |
| 4 | समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर | 24 | 24 | 100 |
| 5 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर | 09 | 09 | 100 |
| 6 | गणित में स्नातकोत्तर (10 वर्षीय एकीकृत) | 06 | 06 | 100 |
| 7 | अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर | 25 | 25 | 100 |
| 8 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में स्नातकोत्तर | 24 | 24 | 100 |
| 9 | शिक्षा में स्नातक | 45 | 45 | 100 |
| 10 | हिंदी में स्नातकोत्तर | 13 | 13 | 100 |
| 11 | संस्कृत में स्नातकोत्तर | 09 | 09 | 100 |
| 12 | सांख्यिकी में स्नातकोत्तर | 09 | 09 | 100 |
| 13 | बीसीए | 11 | 11 | 100 |
| 14 | एमबी | 28 | 28 | 100 |

## वर्ष 2019 की परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त छात्रों की सूची

| क्रमांक संख्या | छात्र का नाम | नामांकन संख्या | कार्यक्रम |
|---|---|---|---|
| 01 | दीप्तिरेखा पात्रा | 17/01/DOLL/12 | ओड़िया में स्नातकोत्तर |
| 02 | स्वागतिका दास | 17/01/DELL/27 | अंग्रेजी में स्नातकोत्तर |
| 03 | पिंकीपल्लवीका पात्रा | 17/02/DA/06 | मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर |
| 04 | पिंकी हीरा | 17/02/DA/07 | मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर |
| 05 | मधुस्मिता दास | 17/02/DS/12 | समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर |
| 06 | डीएम यासमीन लेंका | 17/03/DJMC/04 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर |
| 07 | जॉयदेव मुजूमदार | 17/03/DJMC/05 | पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर |
| 08 | मनीषा पांडा | 14/04/CM/05 | गणित में स्नातकोत्तर, 5 वर्ष एकीकृत |
| 09 | साईं ज्योति परीदा | 17/02/DE/20 | अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर |
| 10 | प्रियाजंली राय | 17/05/DBCNR/15 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में स्नातकोत्तर |
| 11 | सुमन मंडल | 17/03/DEDN/45 | शिक्षा में स्नातक |
| 12 | श्रद्धांजलि जेना | 17/07/DSTAT/07 | सांख्यिकी में स्नातकोत्तर |
| 13 | शुभदा प्रियदर्शनी रथ | 17/01/DSKT/09 | संस्कृत मेंस्नातकोत्तर |
| 14 | रेबेका चेट्टी | 17/DBM/06/25 | वाणिज्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर |
| 15 | सावनी मोहंती | 17/01/DH/09 | हिंदी में स्नातकोत्तर |
| 16 | सचिन कुमार विश्वास | 16/04/DCS/14 | कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक |

## विश्वविद्यालय से प्रदत्त एम.फिल तथा पी-एच.डी उपाधि का विषय-वार विवरण

| क्रमांक संख्या | विषय | शोध स्तर | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **पीएच.डी** | | | **एम.फिल** | | |
| | | **पुरुष** | **स्त्री** | **कुल** | **पुरुष** | **स्त्री** | **कुल** |
| 01 | मानव विज्ञान | 01 | कोई नहीं | 01 | 02 | 01 | 03 |
| 02 | ओड़िआ | 02 | 01 | 03 | 01 | कोई नहीं | 01 |
| 03 | पत्रकारिता एवं जनसंचार | 03 | कोई नहीं | 03 | कोई नहीं | 01 | 01 |
| 04 | समाजशास्त्र | कोई नहीं | कोई नहीं | कोई नहीं | 01 | 02 | 03 |
| 05 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण | 02 | 03 | 05 | 02 | 02 | 04 |
| 06 | अर्थशास्त्र | | | | कोई नहीं | 01 | 01 |
| 07 | शिक्षा | | | | कोई नहीं | 01 | 01 |

## छात्र परिषद-2019-20

| क्रम सं. | विभाग | छात्र परिषद के सदस्यों का नाम |
|---|---|---|
| अध्यक्ष | | डॉ रमेंद्रकुमार पाढ़ी, डीएसडब्ल्यूप्रभारी |
| 1 | ओड़िआ भाषा एवं साहित्य विभाग | बिद्याधर माली |
| 2 | ओड़िआभाषा एवं साहित्य विभाग | सुदिप्ता साहू |
| 3 | अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग | बर्षा रानी पटेल |
| 4 | अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग | प्रज्वल शुभम ब्रह्मचारी |
| 5 | हिंदी विभाग | आलोक बिश्वाल |
| 6 | हिंदी विभाग | इमैनुअल जान |
| 7 | संस्कृत विभाग | पूजा नाइक |
| 8 | संस्कृत विभाग | सौम्य रंजन दास महापात्रा |
| 9 | मानव विज्ञान विभाग | ज्योतिरादित्य पटनायक |
| 10 | मानव विज्ञान विभाग | क्रिस्टीना रानी लिम्मा |
| 11 | समाजशास्त्र विभाग | पी. सुधांशुबाला जेना |
| 12 | समाजशास्त्र विभाग | अरविंदघादेई |
| 13 | अर्थशास्त्रविभाग | आदित्य नारायण दास |
| 14 | अर्थशास्त्रविभाग | चित्तरंजन बाग |
| 15 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग | लक्ष्मीप्रिया हटि |
| 16 | जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग | शुभम सौरव साहू |
| 17 | व्यवसाय प्रबंधन विभाग | ई.लावण्य |
| 18 | व्यवसाय प्रबंधन विभाग | कृष्ण चंद्र महूरी |
| 19 | सांख्यिकी विभाग | स्वयं सिद्ध मिश्र |
| 20 | सांख्यिकीविभाग | मणिकांता भोई |
| 21 | पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग | मिलीतिआदर |
| 22 | पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग | सनतपाढ़ी |
| 23 | शिक्षा विभाग | लक्ष्मीप्रिया स्वाई |
| 24 | शिक्षा विभाग | चंदन कुमार दाश |
| 25 | गणित विभाग | शांतनु कुमार दाश |
| 26 | गणित विभाग | नीतीश कुमार बाग |
| 27 | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | शशीकांतकर्ण |
| 28 | कंप्यूटर विज्ञान विभाग | जगत कुमार पात्रा |
| 29 | एम.फिल | अर्चना बारिक (अर्थशास्त्र विभाग) |
| 30 | पीएच.डी | करिश्मा राणा(अर्थशास्त्र विभाग) |

# अवसंरचनात्मक सुविधाएँ

## केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करने केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी और वर्तमान दो परिसरों में काम कर रहा है (एक लांडीगुडा परिसर में और दूसरा मुख्य परिसर, सुनाबेढ़ा में है)। पुस्तकालय का स्वचालन ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा की सहायता किया जा रहा है। पुस्तकालय का प्रबंधन एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री विजयनंद प्रधान (सीनिय स्केल) द्वारा किया जा रहा है जो पुस्तकालय के प्रभारी हैं, उन्हें एक पुस्तकालय सहायक और तीन सहायक कार्मिक दिया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में सुबह 9.00 बजे से रात 9.00 बजे तक खुला रहता है। शनिवार और रविवार को सुबह 10.00 से अप. 1.00 बजे तक खुला रहता है।

### पुस्तकालय संग्रहण

यद्यपि पुस्ताकलय दस सालों की पुरानी है तथापि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा संकायों की आवश्यकता के अनुसार पुस्तकालय उनके अनरुप है। पुस्तकालय ने 38531 पुस्तकें, 1064 ई-बुक्स, 132 प्रिंटेड पत्रिका पठनीय, संदर्भ पुस्तकें, शोधग्रंथ और शोध निबंध और पत्रिकाओं के पुराने अंक 07-ई-स्रोत डाटाबेस आदि खरीदा है। पुस्तकालय इसके पाठकों को 14 समाचार पत्रों (ओड़िआ, हिंदी और अंग्रेजी) के साथ-साथ रोजगार समाचार पत्र प्रदान करता है।

### केंद्रीय पुस्तकालय की सेवाएँ

यह पुस्तक निम्नलिखित सेवाएँ केंद्रीय पुस्तकालय के पाठकों को प्रदान की गयी हैं :

a. साइबर पुस्तकालय : निःशुल्क और ओपेन एक्सेस डिजीटल संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए सेन्ट्रल लाइब्रेरी एक समर्पित वेब पोर्टल साइबर लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान करती है। जिसमें विभिन्न ई-संसाधनों, जैसे – ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, वीडियो लेक्चर्स, सब्जेक्ट गेटवे, डेटाबेस आदि शामिल हैं।
b. सब्जेक्ट प्लस : केंद्रीय पुस्तकालय में हमारे विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए एक समर्पित मंच प्रधान करता है, जहाँ कोई भी व्यक्ति विभागीय सूचना संक्षेप में पा सकता है।
c. इलेक्ट्रॉनिक शोधग्रंथ तथा शोध-निबंध : केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत सभी इलेक्ट्रॉनिक शोधग्रंथ और शोध-निबंधों को बना रहा है जिसे ईटीडी कहा जाता है।
d. ई-संसाधनों के रिमोट आसेस सुविधा : अब हमारे सभी ई-संसाधन केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई रिमोटक्स सुविधा के माध्यम से किसी भी समय से कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है।
e. संस्थागत डिजिटल रिपोजीटॉरी : हमारे विश्वविद्यालय के बौद्दिक उत्पादन का एक भंडार डी स्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बनाया गया है।
f. न्यू लाइब्रेरी वेबसाइट : पुस्तकालय ने उपयोगकर्ता को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अपनी वेबसाइट विकसित की है।
g. ऑनलाइन पब्लिक आसेस कैटलॉग : केंद्रीय पुस्तकालय ने अपने वेब-ओपीएसी को विकसित किया है, जिससे इंटरनेट उपलब्ध है।
h. स्वचालित वितरण : सभी लेनदेन (चेक इन एवं चेक आउट) बार कोडिंग सुविधा के माध्यम से किया जा रहा है।
i. दस्तावेज सुपुर्दगी सेवा : जो संसाधन हमारे पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है ई-मेल के माध्यम से मांग करने पर उपयोगकर्ताओं को प्रदान किया जा रहा है।
j. रिजर्व संग्रह : केंद्रीय पुस्तकालय एक आरक्षित संग्रह बनाया है विशेष रूप से केवल पुस्तकालय के भीतर उपयोग होता है और इन दस्तावेजों को प्रसारित नहीं किया जा सकता है।
k. सीसीटीवी कैमरा : पुस्तकालय ने अपने संसाधनों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया है।
l. उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम : पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अपने संसाधनों के उचित उपयोग के लिए पुस्तालय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया है।
m. वर्तमान सामग्री सेवा : सभी प्राप्त मुद्रित पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सामग्री पृष्ठ मासिक आधार पर पाठकों कोएक समेकित तरीके से एक पाचन प्रक्रिया के रूप में प्रदान की जाती है।
n. नये आगमन : सभी नये आगमन पुस्तकों को नये आगमन अनुबाग मे प्रदर्शन के लिए एक अलग रैक में रखा जाता है।
o. टॉकिंग पुस्तकालय : केंद्रीय पुस्तकालय के अक्षम पाठकों के लिए एक समर्पित टॉकिंग लाइब्रेरी सुविधा उपलब्ध किया जाता है।
p. समर्पित ओपैक और इंटरनेट टर्मिनाल : ओपैक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के साथ साथ अन्य इंटरनेट संबंधित सेवाओं तक पहुँचने के लिए पाठकों को पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर प्रदान किये जाते हैं।
q. **आईआरएनएस: शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियो की बेहतर दृश्यता के लिए केन्द्रीय पुस्तकालय सीयूओ उपयोगकर्ताओ के समुदाय को भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली की सुविधा प्रदान करता है , जिसमे** https://cuo.irins.org/.**पर**पहुँचा जा सकता है।
r. **कोविड**-19 **पुस्तकालय स्त्रोत : सेंट्रल लाइब्रेरी ने एक आकर्षक ओपेन एक्सेस कोविड** -19लाइब्रेरी रिसोर्सेज वेब पोर्टल बनाया है जिसमे विभिन्न वेबसाइटों जैसे ओपेन एक्सेस ई-बुक्स / ई-जर्नल्स / ई से मुक्त/ ओपेन एक्सेस उपयोगी है। डेटाबेस कोर्टवेयर गोल इनिशिएटिव्स कोविड 19

रेसोर्सेस आदि वेबसाइट वर्तमान में http://library.cuo.ac.in:8081/covid-19-library-resources/के साथ सेंट्रल लाइब्रेरी गॉस्बरिपॉजीटरी में लाइव है https://library-cuo.github.io/COVID-19-Library-Resources/.

s. **बुक रिव्यू:बुक रिव्यू सूचना सेवा का एक माध्यम है , जिसके माध्यम से हाल ही में जारी पुस्तकों के बारे मे जानकारी उपयोगकर्ताओ को पैक रूप मे तुरंत दी जाती है। इसमें विभिन्न ई-समाचारपत्रों की जानकारी शामिल है जो साप्ताहिक आधार पर प्रकाशित होते हैं।**

t. **डीईएलएनईटी** : सेंट्रल लाइब्रेरी डीईएलएनईटी डिस्कवरी पोर्टल का एक सदस्य भी है जो अध्ययन के लिए उपयोगी ई-संसाधन और सुविधाएँ प्रदान करता है और साथ ही अनुसंधान उद्देश्य भी देता है। दोनों परिसरों में आईपी आधारित लॉगिन के माध्यम से पहुँचे।

### सदस्यता शक्ति

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने दोनों परिसरों में काम कर रहा है इसके पास छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलाकर कुल 800 उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान करता है। अपने सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय भी अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और दर्शकों की जरूरतों को पूरा करता है।

### कार्य समय

अपने संसाधनों तक अधिकतम पहुँच प्रदान करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी कार्य दिवसों में 09.00 बजे रात 9.00 बजे तक खुला रहता है। सुनबेड़ा परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय भी शनिवार और रविवार के सुबह 10.00 से अप.1.00 बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम - 2019

केंद्रीय पुस्तकालय – स्टेक क्षेत्र

## कंप्यूटर केंद्र

विश्वविद्यालय की दोनों परिसर में सभी विभागों को लैंन और इंटरनेट सुविधाएंप्रदान करने के लिए दो सर्वर रूम है। दोनों परिसर में तारयुक्त और तार रहित लैन सुविधा है। मुख्य परिसर में बीएसएनएल द्वारा 1 जीबीपीएसका राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया है।एनआइसीएसआई की मदद से कैंपस में वाईफाई प्रोजेक्ट शुरू किया गया था।ऑप्टिकल फाइबर केबल लाइब्रेरी ब्लॉक से लड़कों के छात्रावास, लड़कियों के छात्रावास, अकादमिक ब्लॉक तथा अतिथि गृह तक फैला हुआ है। एमएचआरडी के निर्देश पर मैसर्स रेलटेल को सक्रिय घटक स्थापना कार्य प्रदान किया गया। मैसर्स रेलटेलद्वारा सक्रिय घटक स्थापना कार्य पूरा किया गया। अब दोनों परिसर वाईफाई का लाभ उठा रहे हैं। इंटरनेट सुविधा का लाभ उठाने के लिए हर उपयोगकर्ता को व्यक्तिगत पहचान और गोपनीय शब्द प्रदान किया जाता है।प्रतीक उपयोगकर्ता इस व्यक्तिगत पहचान और गोपनीय शब्द का प्रयोग दो साधनोंपर कर सकते हैं , अर्थात मोबाइल के साथ-साथ लैपटॉप पर भी।

दोनों सर्वर रूम निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित ह:

| क्रम संख्या | सर्वर रूम का स्थान | स्थापितएच/डब्लू तथा एस/डब्लू |
|---|---|---|
| 1 | लेंडीगुडापरिसर (इंटरनेट कनेक्टिविटी20 एमबीपीएस) | i) 1 प्रबंधित स्विच 24 पोर्ट, ii) 2 रूटर्सडीएल2600, iii) एकडब्लूडीएससर्वर, iv) एक प्रोक्सी सर्वर, v) ईपीबीएक्स व्यवस्था – फोर्टीलाइन, vi) प्रिंटर्स-दो, vii) दोऑनलाइनयूपीएस(5 & 6 केवीए) |
| 2 | मुख्य परिसर, सुनाबेड़ा (एनसीएल के माध्यम से 1 जीटीपीएसइंटरनेट कनेक्टिविटी ) | i) दो प्रबंधितसीआईएससीओस्विचएसजी300 28 पोर्ट, ii) जूनिपर रूटर M10 i iii) एक प्रोक्सी सर्वर, iv) 3 ऑनलाइन यूपीएस(10 केवीए-1, 5 केवीए-2) |

दोनों परिसरों में लोकल एरिया नेटवर्क के साथ-साथ 3 14टर्मिनल उपलब्ध है।दोनों परिसरों में 9 कंप्यूटर प्रयोगशाला चल रहे हैं:

i) डीबीसीएनआर विभागीय प्रयोगशाला, ii) जनसंचार और पत्रकारिताविभागीयप्रयोगशाला, iii) साधारण कंप्यूटर प्रयोगशाल, iv) गणित विभागीय प्रयोगशाला, v) कंप्यूटर विज्ञान विभागीय प्रयोगशाला, vi) शिक्षा विभागीय प्रयोगशाला, vii) सांख्यिकी विभागीय प्रयोगशाला

## अवसंरचनात्मक विकास

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का ढांचागत विकास एक सतत प्रक्रिया है।कभी नहीं लगेगा तब तक परिसर को कार्यालय बनाने के लिए निम्नलिखित संरचनात्मक विकास हुए हैं ,वेइस प्रकार है:

### जमीन और चारदिवारी

- उड़ीसा सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय को 430.37 एकड़ जमीन आवंटित किया है ,जिसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया गया।
- यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम से आवंटित किया गया है और इसलीस पर कोरापुट जिलापाल तथा उड़िसा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के बीच हस्ताक्षर हुआ है।
- राज्य सरकार द्वारा आवंटित की गई लगभग 430.37 एकड़ भूमि पर 9.3 किलोमीटर लंबाई की चारदीवारी का निर्माण किया गया है।
- सड़कों और इमारतों के लिए संशोधित वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टर प्लान पूरा हो चुका है।

### भवन

- सीईओ अतिथि गृह (जी+3) 2957 वर्ग मीटर के फिल्म क्षेत्र के साथ लिफ्ट के प्रावधान के साथ 32 कमरे और आठ सुइट्स का निर्माण किया गया है। मार्च 2019 से गेस्ट हाउस को कार्यात्मक बनाया गया है।
- लड़कों के छात्रावास (जी+3) लड़कियों के छात्रावास(जी+3), प्रत्येक 7,735 वर्ग मीटर(प्लिथंक्षेत्र) मैं 238 कमरे हैं 105 वर्ग फीट के। .2016 के शैक्षिक सत्र से प्रति को कार्यान्वित किया गयाहै।
- 2 अस्थाई शैक्षणिक ब्लॉक प्रत्येक 17 वर्ग किलोमीटर के प्लिंथ क्षेत्र और प्रत्येक ब्लॉक में 16 कमरे को कार्यात्मक बनाया गया।
- 775 वर्ग किलोमीटर के प्रिंट क्षेत्र वाले लाइब्रेरी ब्लॉक का निर्माण 2014 से चल रहाहै।
- एक अस्थाई कैंटीन का निर्माण परिसर में किया गया है। बड़ी जगह के लिए एक विस्तारित छत प्रदान की गई है।
- परिसर में स्टॉर्म वॉटर ड्रेन का निर्माण किया गया है।
- विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में चार दुकानों के साथ एक अस्थाई शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण किया गया है और विश्वविद्यालय समुदाय के लाभों के लिए इसे कार्यात्मक बनाया गया है।
- उड़िशाकेंद्रीय विश्वविद्यालय ,सुनाबेड़ा में गर्ल्स हॉस्टल के एक प्रतीक्षालय का निर्मानकियागया है।
- सुनाबेड़ा में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के भीतरअस्थाई जिम्नेशियमलड़कों और लड़कियों के छात्रावास एटीएम काउंटर रूम और बीएसएनएल टावर रूम का निर्माण किया गया है।.
- विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के भीतर खेल के मैदान का लेवलिंग किया गया है और 24 से 27 फरवरी 2019 के दौरान पहली खेलकूद प्रतियोगिताहुईऔर 14 से 16 फरवरी 2020 में भी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- एक स्थाई शैक्षणिक ब्लॉक-I(जी+3) के लिए 6800 वर्ग मीटर केप्लिथं क्षेत्र में निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है यह कार्य 2021 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

### जलआपूर्ति

- सोच से परिसर तक जलापूर्ति सुनाबेड़ा जला से तक सभी दृष्टि से पूरा हो चुका है यह कार्य उड़ीसा सरकार के जन स्वास्थ्यविभाग के माध्यम से हुआ है।
- हिलटॉप जलाशय से शम्प तक जल पंपिंग के लिए आंतरिक जल आपूर्ति का काम प्रत्येक भवन में पूरा हो चुका है।छात्रों के लिए छात्रावास और छात्राओं के लिए छात्रावास में एक एकशम्पका निर्माण हो चुका है। जिसमें 100000 लीटर तक जल रहता है।2एचपी का सेंट्रीफुगल पंप के अलावा सबमर्सिबल पंप दिया गया है। उपयुक्त कार्यपीएच के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय की निधियों से लिया गया है।
- जलापूर्ति 24 घंटे में निश्चित किया गया है और परिसर में 30 वाटर कूलर सहित 30 जलविशोधक स्थापित किए गएहैं।

### बिजली

- राज्य सरकार द्वारा सब स्टेशन से परिसर तक बाह्य 11 केवी बिजली की आपूर्ति का काम पूरा हो चुका है। विश्वविद्यालय साउथ को से 750 केवीए बिजली प्राप्त करता है।
- विश्वविद्यालयकी आंतरिक बिजली आपूर्ति के लिए विश्वविद्यालय ने फीडर लाइन, सप्लाई लाइन, फॉर पैनल ट्रांसफॉर्मर ,इंटरनल विंग और फिटिंग्स आदि का निर्माण किया है।
- विश्वविद्यालयद्वारा परिसर में 250 केवीए उच्च क्षमता वाला 4 ट्रांसफार्मर प्रदान किया गया है और पीएचडिवीजन द्वारा प्रदत जल को ऊपर उठाने के लिए एक सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गयाहै।है।

- परिसर में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था के लिए प्रवेश द्वार सेअंतिम प्रवेश द्वार औरसभी सड़कों के साथ हिलटॉपजलाशयतक प्रावधान रखा गया है।
- छ: (06)हाई मास्ट लाइट दी गई है।छात्रावास के चारों ओर लोन लाइट का प्रावधान किया गया है।
- सीपीडब्ल्यूडी ने बिजली प्रतिष्ठानों के रखरखाव की जिम्मेदारी ली है।

### सड़क मार्ग

- सुनाबेड़ा प्रगतिएनएच26 से मुख्य परिसर का एक मार्ग राज्य सरकार( निर्माण विभाग) द्वारा बनाया गया है रोड निर्माण कार्य में 2.2 किलोमीटर एकता का निर्माण किया गया है।
- सड़क पार्श्व की लाइट परिसर तक एप्रोच सड़क तक भी स्ट्रीट लाइट स्थानीय नगरपालिका परिषद द्वारा प्रदान किया गया है।
- आंतरिक सड़के विश्वविद्यालय द्वारा बनाई जा रही हैं। प्रवेश द्वार से छात्रावास के बाद गांव के प्रवेश द्वार तक सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवारों का काम हो चुका है जिसके साथ सीमा की दीवारों पर चीन लिंकेज विनिर्दिष्ट के अनुसार बनाया गया है।
- परिसर के चारों ओर भूमि संरक्षण, झाड़ी सफाई का काम स्थानीय मजदूरों और मशीनरी की सहायता से पूरा हो चुका है।

### वृक्षारोपण

- उड़ीसा सरकार के वन विभाग द्वारा 12 हेक्टेयर भूमि लड़कियों के छात्रावास और लड़कों के छात्रावास के इर्द गिर्दपर लगभग 12000 पौधे लगाए गए हैं।
- वन विभाग ने परिसर के सौंदर्यीकरण की जिम्मेदारी ली है।परिसर में औषधीय वृक्ष और फूलों की खेती कर रहा है।

### बागवानी

- विश्वविद्यालय ने सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से छात्रावास ,शैक्षणिक ब्लॉक और अतिथि भवन के परिसर के अंदर बागवानी के काम की जिम्मेदारी ली है।
- बागवानी का काम प्रगति पर है।

### इंटरनेटसुविधा

- इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों ने 1 जीबीकनेक्शन बीएसएनएल के द्वारा लिया है।
- एकरूटरकी खरीद एनआईसी के द्वारा की गई है औरएक सर्वर कमरा काम करने के लिए बनायागयाहै।
- पुस्तकालय भवन में अवस्थित जो कंप्यूटर प्रयोगशाला को इंटरनेट सुविधा पहुंचाई गई है
- पूरे परिसर को इंटरनेट सुविधा और वाईफाई प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण का काम प्रगति पर है।
- एक जिओ टावर का निर्माण हो चुका है जिओ सेवा सभी छात्रों और कर्मचारियों को प्रदान की गई है।
- परिसर में बीएसएनल का टावर निर्माण हुआ है और वह भी सक्रियहो चुका है।

## छात्रावास

विश्वविद्यालय ने अपने प्रांगण में दो मुख्य छात्रावासों को क्रियान्वित किया है – लड़कों के लिए छात्रावास एवं लड़कियों के लिए छात्रावास प्रदान करता है। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 240 है। अपने मुख्य परिसर में लड़कों के लिए छात्रावास 10 जुलाई 2016 से शुरू हो गया है और अपने परिसर में लड़कियों के लिए छात्रावास 3 सितम्बर 2016 से शुरू हो चुका है। विश्वविद्यालय के चाहने वाले छात्रों और विद्वानों आदि सभी का छात्रावास सुविधा दी जाती है।

विश्वविद्यालय के दोनों छात्रावासों विभिन्न क्षेत्रीय भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र और छात्राओं को आराम से आवास का एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करते हैं। छात्रों को अत्याधुनिक सुविधायें दी जा रही हैं जिसमें शामिल हैं उत्कृष्ट फर्नीचर से सुसज्जित विशाल कमरे, यदि बिजली जाएगी तो जेनरेटर की सुविधा और चौबीस घंटे अम्बलेंस सुविधा प्रधान की जाती है, इसके साथ साथ इंडोर तथा आउटडोर खेलकूदों की सुविधाएँ जैसे बैडमिंटन आदि प्रदान की जी है। ये छात्रावास छात्रों को स्वतंत्र स्थान प्रधान करता है हाँ छात्र विविधता और भिन्नता के साथ रहने की कला सीखते हैं। लड़कियों और लड़कों के लिए जिमनासियम जैसे अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं।

**अध्यक्ष वार्डेन :**डॉ. कलिपा खेमेंदु
वार्डेन लड़कों के छात्रावास : श्री संजीत कुमार दास, **वार्डेन लड़कियों का छात्रावास:** डॉ. मिनती साहू

# भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पहल : सीयूओ का पर्यवेक्षण

### 2019-20 के लिए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर

यूजीसी, एमएचआरडी और सीयूओ के बीच त्रिपक्षीय एमओयू को 2019-20 के लिए 01 मई 2019 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षरित किया गया था। प्रो। रजनीश जैन, सचिव, यूजीसी, श्री जी. सी. होसुर– सह सचिवएमएचआरडी एवं सीयूओ की ओर से प्रो. एस के पालिता– कुलपित जी ने हस्ताक्षर किए।

### सतर्कता जागरूकता सप्ताह2019

विश्वविद्यालय द्वारा 28अक्टूबर- 02नवंबर 2019के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन यूजीसी के निर्देशानुसार 'अखंडता-जीवन का मार्ग' विषय के साथ किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई -

1. अखंडता प्रतिज्ञा सभी संकायों, छात्रों और कर्मचारियों द्वारा सुबह 11 बजे 28 अक्टूबर 2019 कोनिम्नलिखित स्थानों पर की गई :
(i) एकेडमिक ब्लॉक के सामने , सीयूओकैम्पस, सुनाबेडा (कुलपति के नेतृत्व में)
(ii) कॉन्फ्रेंस हॉल , सीयूओ गेस्ट हाउस, सुनाबेडा (रजिस्ट्रार के नेतृत्व में)
(iii) सीयूओ लैंडिगुडा परिसर , कोरापुट (डॉ. जयंत कुमार नायक, के नेतृत्व में)
2. 01 नवंबर, 2019 को ओडिया, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में 'अखंडता - जीवन का एक तरीका 'पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। डॉ. रामेंद्र परी ने कार्यक्रम को समन्वित किया।
3. 01 नवंबर 2019 को 'अखंडता - जीवन का एक तरीका ' विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी दिन एक संगोष्ठी व्याख्यान का आयोजन भी किया गया।

### जल संरक्षण और जल प्रबंधन पर संगोष्ठी

जल संरक्षण और जल प्रबंधन 'विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को विश्वविद्यालय केसुनाबेडा परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित किया गया था। सीयूओ के कुलपति प्रो. शरत कुमार पालिता ने जागरूकता संगोष्ठी का उद्घाटन किया, जबकि मृदा और जल संसाधन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पार्थ प्रतिम अधिकारी द्वारा एक व्याख्या प्रस्तुत किया गया। सीयूओ के छात्र कल्याण के एसोसिएट डीन डॉ. रामेंद्र पाढ़ी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।
डॉ. सौरव गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

### संविधान दिवस का पालन

26नवंबर 2019को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार संविधान दिवस का पालन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ी।प्रो. एस.के. पलिता नेअकादमिक ब्लॉक में प्रस्तावना के पढ़ने का नेतृत्व किया।डॉ. अमित कुमार दासने कांफ्रेंस हॉल तथा डॉ. जयंत कुमार ने लैंडिगुडा परिसर में नेतृत्व किया।
संसद के सेंट्रल हॉल से संविधान दिवस का सीधा प्रसारण सभी विभागों में उपलब्ध कराया गया। सभी छात्रों और संकाय सदस्यों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति श्रीरामनाथ कोविंद, माननीय उपराष्ट्रपतिश्री वेंकैया नायडू तथा माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को ध्यान से सुना व देखा।

### योग का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

एमएचआरडी और यूजीसी के संयुक्त तत्वावधान में देश के सभी केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन करते हैं। योग का पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 जून 2019 को मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को योग दिवस के रूप में घोषित किया , जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद मोदी द्वारा यूएनजीएमें दिए गये भाषण के बाद किया गया था।

विश्वविद्यालय ने पाँचवी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को 21जून 2019को सुनाबेड़ाके अपने गेस्ट हाउस में थिएटर हॉल में एक शानदार तरीके से मनाया। प्रो. के. पालिताकी उपस्थिति में डॉ. अमूल्य रंजन महापात्र , कोरापुट में रामकृष्ण मिशन के संस्थापक,ने इस अवसर पर जीवन और योग पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने इस दिन एक योग कार्यक्रम का भी प्रदर्शन किया। श्री दुसमंतापरिदा और श्री राजीव कुमारा साहूउत्साही योग विशेषज्ञके रूप में कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

### यूजीसी की राजभाषा समिति का दौरा

यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन के राजभाषा पर आंतरिक निरीक्षण समिति ने 23 सितंबर 2019 को गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार आधिकारिक कार्यों में हिंदी भाषा के उपयोग की निगरानी के लिए विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस समिति की अगुवाईश्री किशोर कुमार, जो किशिक्षा अधिकारी हैं, ने की उनके सहयोगी दो अन्य पदाधिकारी श्री कृष्णा शर्मा एवं श्रीमति मंजु संहरवाल थे। कुलपति प्रो. एस. के. पालिता, रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास ने अपने अन्य पदाधिकारियों के साथ समिति का स्वागत किया।

यात्राओं के दौरान विश्वविद्यालय के सम्मेलन हॉल में समिति के सभी तीनों सदस्योंकुलपति,प्रो. एस. पालिता,रजिस्ट्रार, प्रो. असित कुमार दास, वित्त अधिकारीश्री के. कोशला राव, इनके अलावे संयुक्त रजिस्ट्रार श्री के.वी. उमा राव एवं पीआरओ, डॉ. फगुनाथ भोई की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई।

## विश्व हिंदी दिवस

विश्वविद्यालय ने 10 जनवरी 2020 को छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, प्रशासनिक और अकादमिक कर्मचारियों की उपस्थिति में बहुत सारे उत्साह और जोश के साथ अपने परिसर में विश्व हिंदी दिवस मनाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने सभी को शुभकामनाएं दीं। विश्व हिंदी दिवस का अवसर पर अपने संदेश में प्रो. रामब्रह्मम ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में हिंदी भाषा के महत्व का उल्लेख किया। कार्यक्रम का आरम्भ हैदराबादविश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रोफेसर आलोक पांडे के व्याख्यान 'राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी के महत्व 'के साथ हुआ। रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अध्यक्षीय भाषण दिया। हिंदी विभागाध्यक्ष ने उद्घाटन भाषण दिया।

## माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा'परीक्षा पे चर्चा'

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया और परीक्षा के तनाव से निपटने और इसे मजेदार बनाने के लिए 21.01.2020 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा 'का संबोधन का बड़े पैमाने पर आयोजन किया था। इस कार्यक्रम की स्क्रीनिंग निम्नलिखित स्थानों पर आयोजित की गई थी:

1. पत्रकारिता और जनसंचार विभाग का क्लास रूम, सिटी सेंटर, लैंडिगुडा, कोरापुट;
2. जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग, सिटी सेंटर, लैंडिगुडा, कोरापुट;
3. एंथ्रोपोलॉजी विभाग का क्लास रूम, सिटी सेंटर, लैंडिगुडा, कोरापुट;
4. शिक्षा विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
5. अर्थशास्त्र विभाग के क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
6. समाजशास्त्र विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
7. गणित विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
8. ओडिया भाषा और साहित्य विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थायी परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
9. अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थायी परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
10. हिंदी के विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थायी परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
11. संस्कृत विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई कैम्पस, सुनबेड़ा, कोरापुट;
12. सांख्यिकी विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
13. कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट;
14. व्यवसाय प्रबंधन विभाग का क्लास रूम, सीयूओ स्थाई परिसर, सुनाबेड़ा, कोरापुट।

## स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 30 जनवरी 2020)

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एक व्यक्ति के जीवन के सभी पहलुओं में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए 16 जनवरी से 30 जनवरी 2020 तक एमएचआरडी के प्रमुख कार्यक्रम स्वच्छता पखवाड़ा का अवलोकन किया।

पखवाड़ा 16 जनवरी 2020 को एक प्रतिज्ञा समारोह के साथ शुरू हुआ , जिसका नेतृत्व प्रोफेसर असित कुमार दास ने किया।इसमें सभी छात्रों , शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया और इस विशाल राष्ट्रीय आंदोलन के मशाल वाहक बनने का संकल्प लिया।

17 जनवरी 2020 को पखवाड़ा के एक भाग के रूप में एक अनोखा और अभिनव कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 22 जनवरी 2020 को'जल बचाओ-पृथ्वी बचाओ 'के विषय पर एक पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें भी छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

30 जनवरी 2020 को साफ-सफाई द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम' विषय पर एक सेमिनार आयोजित की गई। शाहिद लक्ष्मण नाइक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के फिजिओलॉजी विभाग के प्रो. डॉ. निरूपमा रे ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया एवं संचारी रोगों के विभिन्न पहलुओं पर बात की और बताया कि संचारी रोगों से कैसे बचा जाए। अतिथि प्राध्यापक प्रो. पी. दुर्गा प्रसाद ने देश के समग्र विकास में स्वास्थ्य की भूमिका पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक श्री सुजीत कुमार मोहंती एवं डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा ने प्रतिज्ञा समारोह का संचालन किया।

## उड़ीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम बदलकर'ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय' कर दिया गया

उड़ीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय को विधि और न्याय मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम , *2019* के हालिया राजपत्र अधिसूचना के अनुसार ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कहा जा रहा है। संसद के उपर्युक्त अधिनियम को भारत के राष्ट्रपति महामहिमरामनाथ कोविंद द्वारा विश्वविद्यालय के आगंतुक की स्वीकृति प्राप्त हुई।ओडिशा राज्य के कोरापुट में केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम *2009* के तहत, भारत के संसद के अधिनियम ( *2009* की संख्या *3C)* के तहत ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और तभी यह विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। यह *15* नए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है। गुणवत्ता और उच्च शिक्षा के लिए "इक्विटी और एक्सेस" के सिद्धांत पर राष्ट्र की चिंता को दूर करने के लिए यूजीसी ग्याहरवीं योजना अवधि के दौरान भारत सरकार द्वारा स्थापित है। प्रधान अधिनियम [धारा *3 (4)*] के हालिया अधिसूचना के अनुसार , ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र ओडिशा राज्य का है।

## मातृभाषा दिवस का उत्सव (मातृभाषा दिवस)

मातृभूमि दिवस (मातृभाषा दिवस) ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट में *21* फरवरी *2020* को सुनबेड़ा परिसर में मनाया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई। रामब्रह्मम ने विश्वविद्यालय परिवार को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर 'वैश्वीकरण के युग में

मातृभाषा की चुनौतियाँ ' 'विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रख्यात आलोचक और ओडिशा के शोधकर्ता , प्रो. देवेंद्र कुमार दाश ने मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग के डीन प्रो. शरत कुमार पालिता , रजिस्ट्रारप्रो. असित कुमार दास , समाज शास्त्र विभाग के अतिथि प्राध्यापकप्रो.दुर्गा प्रसाद, अंग्रेजी भाषा व साहित्य विभाग के प्रो. ई. राजा राव , ओड़िया भाषा और साहित्य विभाग के प्रो.कृष्ण चंद्र प्रधान , विजिटिंग प्रोफेसर, ओडिया भाषा और साहित्य विभाग के अध्यक्षडॉ. आलोक कुमार बरालने स अवसर पर विशिष्ट अथिति के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. आलोक कुमार बराल ने स्वागत भाषण दिया।

### राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर मनाया गया मौन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर, 30जनवरी 2020को विश्वविद्यालय में दो मिनट का मौन रखा गया। संकाय के सभी सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

### उन्नत भारत अभियान सेल

तत्कालीन शिक्षा मंत्रालय ने एमएचआरडी ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस , 2014 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर उन्नत भारत अभियान का एक फ्लैगशिप कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें एक समावेशी वास्तुकला के निर्माण में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थान का लाभ उठाकर ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की योजना है। इस अभियान को उन्नत तकनीकी आविष्कारों के माध्यम से ग्रामीण भारत की विकास की चुनौतियों का समाधान करने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों को जोड़ने के लिए एक आंदोलन के रूप में संकल्पित किया गया है। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान सेल का गठन 27 अगस्त 2015 को किया गया था। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इसके आसपास के पांच गांवों चिकापार , चकरलिपुट, राजपालमा, बलदा और नुआकुडा को गोद लिया है।

यह सेल नियमित रूप से गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जाँच तथास्वास्थ्य, स्वच्छता तथा जागरूकता अभियान चलाते हैं।

विश्वविद्यालय ने पहले ही विकासमूलक क्रियाकलापशुरू की है। जिला प्रशासन से मदद और समर्थन के साथविश्वविद्यालय ने आठ नलकूपों की खुदाई करके , चकरलिपुट, नुगुदा और बलदा में 174शौचालयों तथा स्थायी बिजली का निर्माण करके पेयजल सुविधाएं प्रदान की।

### एक भारत श्रेष्ठ भारत

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम , एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रम का संचालन किया। इसके तहतओडिशा को महाराष्ट्र के साथ जोड़ा जाता है और इस विश्वविद्यालय को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय , वर्धा के साथ जोड़ा गया है। 9 और 10 जनवरी,2020 को इस विश्वविद्यालय के 50 छात्रों को महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयमें छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए चुना गया था। इन्हें विश्वविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा समन्वित किया गया था जिसमें डॉ. सौरव गुप्ता,डॉ. बी के श्रीनिवास,डॉ. देवब्रत पांडा,श्री संजीत कुमार दास,डॉ. मिनाती साहू और डॉ. फगुनाथ भोईशामिल थे। 50 छात्रों का चयन किया गया,जिसमें 3 संगीतकारों का दल भी था।

17 जनवरी 2020 कोएक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब को औपचारिक रूप से यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार एमजीएएचवीवी , वर्धा के साथ छात्र विनिमय प्रोग्राम के लिए चुना गया था। क्लब के सदस्य बनने के लिए विभिन्न विभागों को सदस्य पंजीकरण फॉर्म प्रदान किए गये थे

18 जनवरी 2020 कोएक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम को चर्चा के माध्यम से मनाया गया। प्रो. राजा राव और प्रो. के. सी. प्रधानने छात्रों को संबोधित किया। रजिस्ट्रार डॉ. ए. के. दास को उपस्थिति में कार्यक्रम के बाद इस विश्वविद्यालय की टीम रवाना हुई।

सीयूओ ने 20-25 जनवरी 2020 के दौरान महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,वर्धा का दौरा किया। सीयूओ के दल को गर्मजोशी से स्वागत किया गया और फादर कामिल बुल्के इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हॉस्टल में रखा गया। इस यात्रा का उद्घाटन 20 जनवरी 2020 को वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ला ने किया था। सीयूओ की ओर सेडॉ. सौरव गुप्तामंच पर उपस्थित थे।

पांच दिवसीय कार्यक्रम में फिल्म और थियेटर स्क्रीनिंग,दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों के बीच बातचीत सत्र , गांवों में संयुक्त पीआरए अभ्यास,बापुकुटी और विनोबा आश्रम जैसे ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा आदि शामिल थे। सीयूओ के छात्रों को मराठी समाज व संस्कृति,साहित्य के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

23 जनवरी को एक फूड फेस्टिवल आयोजित किया गया था जिसमें विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया था। 24 जनवरी को एक सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया,जहाँ डॉ. सौरव गुप्ता और डॉ. मिनाती साहू को वर्धा के कुलपति प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्लाद्वारा सम्मानित किया गया। दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों ने संबंधित राज्यों की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक आइटम प्रस्तुत किए। सीयूओ के छात्रों ने ओडिसी नृत्य,माइम,नाटक,संबलपुर लोक नृत्य और कोरापुट का ढेमा नृत्य प्रस्तुत किया।

### एक भारत श्रेष्ठ भारत का समारोह का शुभारंभ

भारत सरकार के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 06 दिसंबर 2019 को शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग के प्रोफेसर शरत कुमारपालिता द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. असित कुमार दास,डॉ. सौरव गुप्ता,श्री सदाशिव प्रधान तथावरिष्ठ अतिथि के रूप में श्री नरेंद्रनाथ पटनायक उपस्थित थे।

### महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय से 56 सदस्यों का ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आगमन

आगंतुकों के स्वागत के लिए 04 फरवरी 2020 को सीयूओपरिसर में उद्घाटन भाषण के साथ पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सीयूओ के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने मुख्य अतिथि के रूप में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्घाटन किया आगंतुक छात्रों , संकाय सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री रघुराम पडाल, प्रो. असित कुमार दास, प्रो. सुशील कुमार त्रिपाठी, प्रो. हेमराज मीणातथा डॉ. सौरव गुप्ताइस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शुरुआत में आगंतुक छात्रों ने कार्यक्रम में शिरकत की।सीयूओके छात्रों द्वारा ओडिशा के त्योहारों का प्रदर्शन किया गया। भगवान जगन्नाथ , ओडिशा के प्रसिद्ध राजा त्योहार, डंडा नाचा, तापोई, सबित्री ब्रत आदि त्योहारों का प्रदर्शन किया गया।सीयूओ ने परिसर में 4-8 फरवरी 2020 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें ओडिया भाषा और साहित्य पर कार्यशाला, कैंपस का दौरा, कोरापुट की जैव विविधता पर सत्र, ओडिशा के मीडिया पर व्याख्यान, फिल्म और स्लाइड शो, प्रख्यात प्रोफेसरों द्वारा ओडिशा के खाद्य के बारे में विशेष व्याख्यान, खाद्य उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं।
कार्यक्रम 8 फरवरी, 2020 को मांजा मंडप, एचएएल, सुनबेडा में आयोजित समारोह के साथ समाप्त हुआ। कुलपति प्रो0आई. रामब्रह्ममने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री तुषारकंती बेहरा, माननीय राज्य मंत्री ओड़िशा सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। कोरापुट के कलेक्टर श्री मधुसूदन मिश्रा , कोरापुट के एस.पी.श्री मुकेश कुमार भामू , श्री आर.एस. दास , महात्मा गांधी हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. चंद्रकांता राणितइस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. श्रीनिवास बी कोटक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। छात्र तथासंकाय कर्मचारी बड़े पैमाने पर मौजूद थे। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' दिवस मनाने के लिए, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय , वर्धा,महाराष्ट्र के छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों सहित 56 सदस्य 4 फरवरी से 9 फरवरी 2020 तक पांच दिनों के लिए इस कार्यक्रम के तहत सीयूओ परिसर में रहे।

# विश्वविद्यालय के कार्यक्रम

### विश्वविद्यालय में कुलाधिपति का दो दिवसीय दौरा

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति प्रो. पी. वी. कृष्ण भट्ट ने 01-02 अप्रैल 2019 के दौरान विश्वविद्यालय के दो दिवसीय दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और ढांचागत विकास पर अधिकारियों के साथ कुछ दौर की बैठकें भी कीं।शैक्षणिक विभागों और पुस्तकालय का दौरा किया और संकाय केगैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के साथ व्यापक चर्चा की।
अपनी यात्रा के पहले दिन के दोपहर के सत्र में, माननीय कुलाधिपति ने "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" पर एक चर्चा की।
दूसरे दिन, उन्होंने सीयूओके जनजातीय कल्याण और सामुदायिक विकास केंद्र का दौरा किया। इसके अलावा , मीडियाकर्मियों के साथ उनका एक संवादात्मक सत्र था जहां उन्होंने विश्वविद्यालय के भविष्य के विकास पर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किए।

### विश्वविद्यालय सांस्कृतिक दिवस -2019

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक दिवस-2019का आयोजन 20अप्रैल 2019को सुनबेड़ा में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो. एस.के. पलिता ने समारोह का उद्घाटन किया। एस.एल.एल. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कृष्ण चन्द्र विश्वाल समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में छात्रों,अनुसंधान विद्वानों और कर्मचारियों ने विभिन्न सांस्कृतिक क्रियाकलाप का प्रदर्शन किया।

### कौशल विकास और कार्यालय प्रबंधन पर कार्यशाला

गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कौशल विकास और कार्यालय प्रबंधन पर 'दो दिवसीय कार्यशाला '17-18 जून 2019 कोविश्वविद्यालय के अतिथिशाला के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजन किया गया। तेजपुर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीरेन दासकार्यशालासंसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल हुए। सीयूओ के रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास ने स्वागत भाषण दिया। तेजपुर विश्वविद्यालय के प्रो. सुभ्रांशु शेखर सरकार तथा सीयूओ के कुलपति प्रो. एस.एस. पलिता ने अपने उद्घाटन भाषण में विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारी के लिए कौशल विकास और कार्यालय प्रबंधन के महत्व को व्यक्त किया।

### गांधीवाद, अम्बेडकरवाद और मार्क्सवाद पर विशेष व्याख्यान: दलित मुक्ति और उद्धार के लिए एक विश्लेषणात्मक व्याख्यान

29 जुलाई 2019 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'गांधीवाद, अम्बेडकरवाद और मार्क्सवाद: दलित मुक्ति और उद्धार के लिए एक विश्लेषणात्मक व्याख्यान ' शीर्षक से एक विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया । उत्कल विश्वविद्यालय के प्रो. रवीन्द्र गरदाने विशेष व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो. शरत कुमार पलिता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. कपिला खेमुंडुने संगोष्ठी का समन्वय किया।

### विभिन्न केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा 2019

ओडिशा के अंदर और बाहर के 12 केंद्रों में 29 जून 30 जून 2019 को सीयूओप्रवेश परीक्षा -2019 आयोजित की गई थी। 26 शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिले के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी।

### छात्रों के लिए स्वागत कार्यक्रम

प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद शैक्षणिक सत्र 2019-20 के छात्रों के लिए एक स्वागत कार्यक्रम 18.07.2019 को आयोजित किया गया था। कुलपित प्रो. शरत कुमार पलिता नेमुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। श्री के. वी. उमा महेश्वर राव , डॉ. रामेंद्र पाढ़ी, डॉ. जयंत कुमार नायक, सभी विभागाध्यक्षों और वार्डन के साथ हॉस्टल की मुख्य वार्डन डॉ. कपिला खेमुंडू उपस्थित थीं। जैव विविधता विभाग के प्रोफेसर डॉ. काकोली बनर्जी ने कार्यक्रम की मेजबानी की।

### 'शोध विषय का चुनाव : इसी प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी व्याख्यान

'शोध विषय का चयन: इसकी प्रासंगिकता 'विषय पर एक संगोष्ठी का व्याख्यान,सीयूओपरिसर में 29 अक्टूबर 2019 को आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. शरतकुमार पलिता ने उद्घाटन और कार्यक्रम की अध्यक्षता की। खलीकोट विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. अमरेन्द्र नारायण मिश्र ने संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

### 'कोरापुट का विकास और सीयूओ' विषय पर संगोष्ठी

19 जुलाई 2019 को सुनबेडा, कोरापुट विश्वविद्यालय परिसर में 'कोरापट्ट का विकास और सीयूओ 'पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। माननीय कुलपति प्रो. शरत कुमार पलिता नेसेमिनार का उद्घाटन किया और मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य भाषण दिया। बीजू पटनायक जनजातीय कृषि-जैव विविधता केंद्र के डॉ. कृष्ण कुमार तथा सेक्टर कंट्रोल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिक डॉ. एसएस.साहू ने अतिथि वक्ताओं के रूप में विचार साझा की। डॉ. काकोली बनर्जी तथा डॉ. कपिला खेमुंडु, समाज शास्त्र विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

### YONO फ्रेशर की पार्टी –एस.बी.आईडिजिटल जागरूकता शिविर

योनो फ्रेशर पार्टी - डिजिटल अवेयरनेस कैंप फॉर स्टूडेंट्स एंड एम्प्लॉई ऑफ सीयूओ पर एक कार्यक्रम 27 सितंबर, 2019 को सूर्यपेडा, कोरापुट में अपने परिसर में आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय ने भारतीय स्टेट बैंक केसुनबेड़ा शाखा के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया गया। सीयूओ के कुलपति प्रो. शरत कुमार पलिता नेमुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। एस.बी.ई, सुनबेड़ा के मुख्य प्रबंधक श्री कोला बालाजी , जैपुर, आर.बी.ओ. के मुख्य प्रबंधकश्री मानस रंजन धीरसामांता तथाश्री आलोक कुमार नेसंसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया।

### 11 वां स्थापना दिवस

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था जो ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ( 2009 के नंबर 3 सी) ने 29 अगस्त 2019 को अपने मुख्य परिसर, सुनाबेडा में 11 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया।

मुख्य अतिथि प्रो. सुमत अगरवाल, रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास, संकाय सदस्य, गैर शिक्षण कर्मचारी, छात्रों व गण्यमान व्यक्ति की उपस्थिति में कुलपति प्रभारी प्रो. शरत कुमार पलिता ने ध्वज फहराकर उत्सव की शुरूतात की।

11 वें स्थापना दिवस का संबोधन दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के प्राचार्य व प्रोफेसर सुमत पी. अगरवाल के द्वारा किया गया।

कुलपति प्रभारी प्रो. शरत कुमार पलिता ने उद्घाटन भाषण दिया। स्थापना दिवस का औपचारिक कार्यक्रम ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास द्वारा स्वागत भाषण के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सौरव गुप्ता ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रमेंद्र पाढ़ी के द्वारा किया गया।

### 73वेंस्वतंत्रतादिवसकापालन

"भारत ने आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति दोनों के मामले में दुनिया में एक अद्वितीय स्थान हासिल किया है। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं , लेकिन चुनौतियों के साथ अवसर भी हैं। ज्ञान और तकनीक से संचालित गुणवत्ता उच्च शिक्षा हमारे देश को आगे ले जाने के लिए समय की आवश्यकता है "कुलपति प्रभारी प्रो. शरत कुमार पालिता ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कहा। इस अवसर पर प्रो. पलिता ने तिरंगा फहराया और परिसर के अंदर वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वित्त अधिकारी श्री के. कोसला राव,कुलपति प्रभारी को झंडा फहराने के लिए आमंत्रित किया है।
इस अवसर पर प्रो. पलिता ने विश्वविद्यालय के रखरखाव तथा इंजीनियरिंग अनुभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया। छात्रावासों के पास विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाए गये। विश्वविद्यालय के छात्र,संकाय और कर्मचारी जिनमें सुरक्षाकर्मी भी थे,बड़े पैमाने पर उपस्थित थे।

### फाइटोकेमिकल्स और स्मार्ट कृषि के 'दोहन पर विशेष व्याख्यान'

10 दिसंबर, 2019 को लैंडिगुडा परिसर में जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश के मंडी के स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर मसकापल्लीने 'फाइटोकेमिकल विविधता में दोहन और भारत में स्मार्ट कृषि की ओर एक यात्रा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. एस. के. पलिता ने विशेष लेक्चर दी और अध्यक्षता की। छात्रों और अनुसंधान विद्वानों ने आए वैज्ञानिक के साथ बातचीत की। नृविज्ञान के अध्यक्ष डॉ. जयंत कुमार नायक तथा जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ. प्रदोष रथ ने बातचीत में हिस्सा लिया। डॉ. देवव्रत पांडा ने इस बातचीत को समन्वित किया।डॉ. काकोली बनर्जी ने ध्नयवाद ज्ञापित किया।

### 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति : हालिया रुझान' पर कार्यशाला

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 04 मार्च 2020 को अपने मुख्य परिसर , सुनबेडा में 'सतत विकास और सार्वजनिक नीति: हालिया रुझान ' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्ममने किया। एफआईडीआर, गुरुग्राम, हरियाणा के संस्थापक वे अध्यक्ष डॉ. चारू दत्त पाणिग्रहीइस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। एसबीसीएनआर के डीन प्रो. शरत कुमार पलिता, प्रो. पी. दुर्गा प्रसाद, प्रो. बी.पी. बारि, प्रो. भागवत पात्रों तथा कार्यशाला समन्वयक और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुघ श्री प्रशांत बेहरा ने कार्यशाला के आवश्यकता पर अपने विचार रखा। वोट ऑफ थैंक्स निकिता पटनायक द्वारा प्रश्तुत किया गया था। बीसीएनआर विभाग के सहायक प्राध्यापक कार्यशाला का समन्वयक थे।

### 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' पर कार्यशाला

विश्वविद्यालय ने 'फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन 7मार्च 2020 को अपने कैंपस सुनबेड़ा में किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया तथा उद्घाटन भाषण दिया। श्री विशाल गुप्ता , कस्टमर कंसल्टेंट, साउथ एशिया, एल्सेवियर संसाधन व्यक्ति थेजो विज्ञान, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन को बढ़ाने वाले सूचना समाधान के एक विश्व-अग्रणी प्रद्योता थे। समाजशास्त्र के अतिथि प्राध्यापक प्रो. पी. दुर्गा प्रसाद तथा बीसीएनआर के डीन प्रो.शरत कुमार पालिताकार्यशाला के अध्यक्ष के रूप में मौजूद थे। सहायक लाइब्रेरियन श्री बिजयनंद प्रधानने स्वागत भाषण दिया तथा डॉ. जयंत कुमार नायक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

### केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए मूकतथा इनफ्लिबनेट सेवाओं पर जागरूकता कार्यक्रम

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 23 जनवरी 2020 को अपने स्थायी परिसर , सुनबेडा में 'मूक तथाइनफ्लिबनेटसेवा' से केंद्रीय विश्वविद्यालयोंके लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इनफ्लिबनेट केन्द्र अहमदाबाद के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया।कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्ममने कार्यक्रम का उद्घाटन किया उद्घाटन भाषण दिए। रजिस्ट्रार प्रो. असित कुमार दास , डीनप्रो. शरत कुमार पालिता तथा अंग्रेजी भाषा विभाग के अध्यक्षश्री संजीत कुमार दास ने अपने विचार प्रस्तुत किए।
श्री संजीत कुमार दास ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर प्रख्यात प्रोफेसर बी.सी. बारिक , प्रो. पी. दुर्गा प्रसाद, प्रो. हेमराज मीणा, प्रो. ई. राजा राव, प्रो.भगवत पात्र, प्रो.कृष्णा चन्द्र प्रधान तथाऑरेनेटिक्स कॉलेज, सुनबेड़ा सरकारी महिला महाविद्यालय, सुनबेड़ा, सेमलीगुड़ा कॉलेज, जेपोर महिला महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के सभी संकाय के शिक्षक, छात्र, विद्वान उपस्थित थे।

### पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खेल: *2019-20* में सीयूओकबड्डी व क्रिकेट पुरुष टीम की भागीदारी

पहली बार , ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट में भाग लिया।वर्ष *2019-20*का यह प्रतियोगिता वीकेएस विश्वविद्यालय, आरा, बिहार में *05-07* दिसंबर *2019* के दौरान आयोजित किया गया। बारह छात्रों (लड़कों) का चयन योग्यता के आधार पर किया गया जिन्हों इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय प्रतिनिधित्व किया। टीम का नेतृत्व विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. गणेश प्रसाद साहू ने किया।
सीयूओ क्रिकेट टीम (पुरुष) ने *24* दिसंबर *2019* से *14* जनवरी *2020* के दौरान पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्व विद्यालय खेल *2019-20* में प्रतिनिधित्व किया। जिसका आयोजन रेवेंशॉ विश्वविद्यालय, कटक में किया गया। 15 छात्रों (लड़कों) का चयन परीक्षणों के आधार पर किया गया। टीम का नेतृत्व विश्वविद्यालय संकाय सदस्य श्री प्रशांत कुमार बेहरा ने किया।

### केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) में भाग लेना

सीयूओ ने इस साल विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान कार्यक्रकम में भाग लेने के लिए 2020 में केंद्रीय विश्वविद्यालय के कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसीईटी) में शामिल हुआ।

सीयूसीईटीएक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है जिसे 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से विनियमित किया जाता है। यह स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल व पी-एच.डी. में प्रवेश के लिए आयोजित एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा है। एक बार आवेदन करने परकिसी छात्र को किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश के अवसर मिल सकताहै।

छात्रों को विशाल प्रदर्शन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए , सीयूओइस कंसोर्टियम में शामिल हो गया है। इस मंच के माध्यम से , सीयूओराष्ट्र भर से आवेदन आमंत्रित करके अपने राष्ट्रीय चरित्र को बनाए रखेगा। प्रवेश परीक्षा भारत के विभिन्न शहरों में साल में एक बार आयोजित की जाती है।

सीयूसीइटी-2020 को बढ़ावा देने के लिए सीयूओ ने फरवरी 2020 से एक अभियान का आयोजन की गई है। इसके अलावा विभिन्न प्रिंट , इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से अधिकतम प्रचार किया गया है।

### प्लेसमेंट ड्राइव

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है , जो भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और इक्विटी, पर गहनबड़े पैमाने पर और संस्थागत प्रभाव बनाने की दिशा में काम कर रहा है।21 जनवरी 2020 को गणित , जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, हिन्दी, अंग्रेजी के परास्नातक छात्रों के लिए प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया।

ईटीवी भारत एक प्रीमियर डिजिटल मीडिया संगठन है। जिन्होंनेपोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के लिए फरवरी 2020 को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया।

### आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की गतिविधियाँ

26 नवंबर, 2019 को आंतरिक शिकायत समिति द्वारा अपने मुख्य परिसर , सुनबेड़ा में लिंग जागरूकता संवेदीकरण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। श्रीमती नम्रता चड्ढा, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व सदस्य , ओडिशा राज्य महिला आयोग इस अवसर की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रभारी प्रो.शरत कुमार पलिताने रजिस्ट्रार डॉ. असित कुमार दासऔर आंतरिक शिकायत समिति के पीठासीन अधिकारी डॉ. मिनाती साहू की उपस्थिति में किया।

समाजशास्त्र विभाग के व्याख्याता व आईसीसी सदस्य डॉ. नूपुर पट्नायक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में आईसीसी के अन्य सदस्य डॉ. सतबाड़ी बेहरा , श्री बिजयनंद प्रधान, डॉ. सौरव गुप्ता, आईसीसी के छात्र प्रतिनिधि सुश्री करिश्मा राणा , सुश्री लक्ष्मीप्रिया हाटी, श्री जगत पात्रोअन्य संकायकर्मचारी, शोध विद्वान तथा छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस -2020: सीयूओ द्वारा तीन प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया गया

कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम के द्वारा सीयूओ की तीन प्रतिष्ठित महिला और एक छात्र को इस विशेष कार्य क्रम पर समाज के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वे महिलाएँ हैं - 'नारी शक्ति स्वरूप', 'आदर्श महिला' समाज से सम्मानित तथा 'मदर्स ऑन व्हील' के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती माधुरी सहस्रबुद्धे ; परब सम्मान से सम्मानित तथा जनजातीय महिलानेत्री कोरापुट का पर्यावरणविद श्रीमती राधा पाण्डया , सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रख्यात अकादमिक, ओड़िशा राज्य फिल्म पुरस्कार (फिल्म-फीरिया) की श्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री पुरस्कार विजेता श्रीमती शिवानी खारा तथा पत्रकारिता व जन संचार विभाग की एक होनहार छात्रा।

6 मार्च 2020 को आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. आई रामब्रह्मम के हाथो हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा कुछ विशिष्टताओं पर एक अध्यक्षीय भाषण भी दिया तथा विशिष्ट अतिथियों और दर्शकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. मिनाती साहू , सहायक अर्थशास्त्र व आईसीसी के प्रोफेसर , ने सभा का स्वागत किया तथा प्रो.सबितप्रभा पट्टनायक , अतिथि प्राध्यापक , शिक्षा विभाग ने आयोजन के महत्व पर सबका ध्यान आकर्षित किया। सेमीलीगुडा कॉलेज जैसे कुछ पड़ोसी कॉलेजों के छात्राओं और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया था तथाउपर्युक्त विषय पर अपने विचार साझा किए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 के अनुसरण पर अंग्रेजी , हिंदी और ओडिया भाषाओं में निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अंत में डॉ. कपिला खेमुंडु द्वारा मेहमानों के परिचय के साथ डॉ. नूपुर पट्टनायक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

## लिंग जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशाला

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने अपने मुख्य परिसर , सुनाबेडा में लिंग जागरूकता और संवेदनशीलता पर एक कार्यशाला आयोजित की। श्रीमती नम्रता चड्ढा , प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व सदस्य , ओडिशा राज्य महिला आयोग इस अवसर की मुख्य अतिथि थीं। कुलपति प्रभारी प्रो. एस. के. पलिता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया

## शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए छात्रों की परिषद का गठन

विश्वविद्यालय के प्रावधान के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र परिषद का गठन किया गया था। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए छात्र परिषद के अध्यक्ष के रूप में डीएसडब्ल्यू एक एसोसिएट डीन,छात्रों के कल्याण और मौजूदा शिक्षण विभागों के 30 छात्रों को चुना गया और नामांकन की प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिनिधि के रूप में नामांकित किया गया। चौदह छात्र प्रतिनिधियों (मौजूदा शिक्षण विभागों में से प्रत्येक से) को छात्र परिषद और सोलह छात्र प्रतिनिधियों (मौजूदा शिक्षण विभागों में से प्रत्येक में से एकपीएचडी अनुसंधान विद्वानों में से एक,एम.फिल से एक) को नामित किया गया था,छात्र परिषद के लिए चुने गए।

सत्र 2019-20 के लिए छात्र परिषद की पहली बैठक 22 अक्टूबर 2019 को बुलाई गई। सबसे पहले,कुलपति प्रभारीप्रो. एस.के. पलिता ने सभी सदस्यों (निर्वाचित और नामांकित दोनों) को विद्यार्थी परिषद में बधाई दी। उनके द्वारा औपचारिक संबोधन के बाद,रजिस्ट्रार और डीएसडब्ल्यूने भी छात्र प्रतिनिधियों को संबोधित किया। कुछ छात्रों के प्रतिनिधियों को भी विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों में नामित किया गया था जैसे खेल और खेल समिति,संस्थागत छात्रों की शिकायत निवारण सेल,सांस्कृतिक समिति,परियोजना निगरानी समिति और समान अवसर सेल।

छात्र परिषद की दूसरी बैठक 08 नवंबर 2019 को आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी डीन,छात्र कल्याण, डॉ. आर. के. पाढ़ी ने की थी।डीएसडब्ल्यू प्रभारी के औपचारिक संबोधन के बाद छात्र परिषद के सदस्यों ने विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया। तीन छात्रों के प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) में नामित किया गया था।

## वार्षिक स्पोर्ट्स मीट 2019-20

विश्वविद्यालय का वार्षिक स्पोर्ट्स मीट **2019-20** का पहला चरण **14-17** नवंबर **2019** के दौरान और दूसरा चरण **14-16** फरवरी **2020** के दौरान आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो. आई. रामाब्रह्मम ने खेल आयोजन का उद्घाटन किया। स्पोर्ट्स मीट में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ जैसे एथलेटिक स्पर्धाएँ जैसे **100** मीटर दौड़,400मीटर दौड़, **4 × 100** रिले रेस, इंडोर गेम्सजैसे कैरम, शतरंज, बैडमिंटन और ग्रुप प्रतियोगिता यानी क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी आदि का आयोजन किया गया था। **16** फरवरी **2020** को समापन कार्यक्रम में, विजेताओं को अतिथि प्राध्यापक बी.सी. बारिक ने पुरस्कार प्रदान किया।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2019 के अवलोकन के हिस्से के रूप में निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2019 को सीयूओ मुख्य परिसर सुनाबेड़ा में 'ईमानदारी- जीवन का एक तरीका' विषय पर दोनों परिसरों के छात्रों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता (ओडिया, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में) और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

# विधिक तथा गैर विधिक समितियाँ

## कार्यकारी परिषद

| क्रमांक | सदस्यों का नाम तथा पता | पदनाम |
|---|---|---|
| 01 | प्रो. आई रामाब्रह्मम<br>कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | पदेन अध्यक्ष |
| 02 | सचिव<br>मानव संसाधन विकास मंत्रालय<br>भारत सरकार, 127, सी, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | सदस्य |
| 03 | प्रो. आदित्य प्रसाद पाढ़ी (यूजीसी)<br>पूर्व कुलपति, बरहमपुर विश्वविद्यालय<br>शांतिनगर, शिरडी मंदिर के पीछे, दानीपाली रोड, बुधराजा, संबलपुर-768004 | सदस्य |
| 04 | सरकार के मुख्य सचिव<br>उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, ओड़िशा सचिवालय, भुवनेश्वर-1 | सदस्य |
| 05 | प्रो. मीना हरिहरण<br>विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय<br>प्रो. सी.आर. राव रोड, गाचीबाउली, हैदराबाद-500046, भारत | सदस्य |
| 06 | प्रो. संघमित्रा बन्द्योपाध्याय<br>प्राध्यापक (एचएजी), मशीन खुफिया इकाई, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता<br>203, बी.टी. रोड, कोलकाता-700108, पश्चिम बंगाल, भारत | सदस्य |
| 07 | प्रो. मंजुला राणा<br>प्राध्यापक एंव हिन्दी विभागाध्यक्ष, एचएनबी, गढ़वाल विश्वविद्यालय<br>श्रीनगर, गढ़वाल-24461741, उत्तराखंड | सदस्य |
| 08 | प्रो. रामा गोविन्दाराजन<br>सैद्धांतकीय विज्ञान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केंद्र, बेंगलुरु | सदस्य |
| 09 | प्रो. एस. के. पलिता<br>अधिष्ठाता, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग<br>ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | सदस्य |
| 10 | डॉ. प्रदोष कुमार रथ<br>सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग,<br>ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | सदस्य |
| 11 | डॉ. असित कुमार दास<br>कुल सचिव<br>ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | पदेन सदस्य सचिव |

## शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

| क्रम सं0 | सदस्यों का नाम और पता | पदनाम |
|---|---|---|
| 01 | प्रो. आई रामाब्रह्मम<br>कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | पदेन अध्यक्ष |
| 02 | प्रति उपकुलपति<br>ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | रिक्त |
| 03 | अध्ययनशाला अधिष्ठाता | प्रो. शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर (**SBNCR**) |
| 04 | शिक्षण विभाग / केन्द्र के अध्यक्ष | पदेन सदस्य |
| 05 | दस प्रो. (उन लोगों को छोड़कर जो अध्ययनशाला के अधिष्ठाता हैं और विभाग / केन्द्र के अध्यक्ष हैं।) वरिष्ठता और क्रम के आधार पर | रिक्त |
| 06 | एक सहयोगी प्रोफेसर जो वरिष्ठता क्रम के अनुसार शिक्षण विभाग के अध्यक्ष नहीं हैं। | रिक्त |
| 07 | कुलपति द्वारा चयनित वरिष्ठाता क्रम के आधार पर एक सहायक प्रोफेसर | श्री प्रशान्त कुमार बेहेरा, विभाग अर्थशास्त्र |
| 08 | ग्रंथपाल | ग्रंथालय प्रभारी |
| 09 | पाँच बाहरी सदस्य जो विश्वविद्यालय की सेवा से नहीं है; शिक्षा की प्रगति और विकास के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सह-चयन | 1. डॉ. के. सुधा राव, भूतपूर्व कुलपति, कर्नाटक मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर<br>2. डॉ. राम कुमार मिश्र, निर्देशक, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, हैदराबाद<br>3. डॉ. वासंती श्रीनिवासन, प्रोफेसर और अध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद<br>4. डॉ. अनिल कुमार सिंह, सहयोगी प्रोफेसर एवं अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, आर.बी.एस. महाविद्यालय, आगरा<br>5. डॉ. डी.वी.एस बालासुब्रमण्यम, लोक प्रशासन में व्याख्याता, आरआरडीएस सरकारी महाविद्यालय, भीमावरम |
| 10 | अधिष्ठाता, छात्र कल्याण | पदेन सदस्य |
| 11 | परीक्षा नियंत्रक | पदेन सदस्य |
| 12 | प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय | पदेन सदस्य सचिव |

## वित्त समिति के सदस्यगण

| क्रमांक | सदस्यों का नाम एवं पता | पदनाम |
|---|---|---|
| 01 | प्रो. आई रामाब्रह्मम<br>कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | पदेन अध्यक्ष |
| 02 | प्रति उप-कुलपति | रिक्त |
| 03 | न्यायालय का नामित व्यक्ति | रिक्त |
| 04 | प्रो. आदित्य प्रसाद पाढ़ी (यूजीसी)<br>(कार्यकारी परिषद का सदस्य)<br>पूर्व कुलपति, बरहमपुर विश्वविद्यालय<br>शांतिनगर, शिरडी मंदिर के पीछे, दानीपाली रोड, बुधराजा, संबलपुर-768004 | सदस्य |
| 05 | प्रो. मंजुला राणा<br>(कार्यकारी परिषद का सदस्य)<br>प्राध्यापक एंव हिन्दी विभागाध्यक्ष, एचएनबी, गढ़वाल विश्वविद्यालय<br>श्रीनगर, गढ़वाल-24461741, उत्तराखंड | सदस्य |
| 06 | प्रो। (डॉ.) सत्य नारायण मिश्र<br>डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, केआईआईटी, भुवनेश्वर | सदस्य |
| 07 | संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहकार / एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो | सदस्य |
| 08 | संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा भाषा), एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो | सदस्य |
| 09 | संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी और यूजीसी द्वारा नामित | सदस्य |
| 10 | वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | सचिव |

## आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अध्यक्ष | प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति, सीयूओ, कोरापुट |
| 2. | निदेशक | प्रो. शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ |
| 3. | प्रशासनिक अधिकारीगण | प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव |
| 4. | संकाय सदस्यगण | 1. श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, जेएमएंडसी<br>2. डॉ. बी.के. श्रीनिवास, सहायक प्राध्यापक, मानव विज्ञान विभाग<br>3. डॉ. मिनाती साहू, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग<br>4. डॉ. महेश कुमार पांडा, सहायक प्राध्यापक, सांख्यिकी विभाग<br>5. डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग |
| 5. | प्रबंधकों के सदस्यगण | प्रो. एस.पी. अधिकारी, कार्यकारी परिषद सदस्य |
| 6. | स्थानीय सोसाइटी से नामित व्यक्ति | 1. प्रो. पी.सी. मोहापात्रा, निदेशक, सीओएटीएस, कोरापुट<br>2. श्री प्रभाकर अधिकारी, सचिव, प्रगति, कोरापुट |
| 7. | नियोक्ता/उद्योगपति/हिताधिकारी के नामित व्यक्ति | 1. डॉ. राजीव साहु, प्रबंधक (एचआर) नाल्को, दामनजोड़ी, कोरापुट,<br>2. श्री तुषार रंजन बेहेरा, डीजीएम (एचआर), एचएएल, कोरापुट |

NB: जल्द ही फिर से गठित किया जाएगा

## भवन निर्माण समिति

| क्रम सं. | नाम और पता | पदनाम |
|---|---|---|
| 1 | प्रो. आई. रामाब्रह्मम<br>कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | अध्यक्ष |
| 2 | प्रो. सृजीत मिश्र<br>निदेशक, नबाकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर (भूतपूर्व सदस्य योजना मंडल) | सदस्य |
| 3 | श्री सुधाकर पटनायक<br>कार्यालय प्रभारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, (उपयोगकर्ता विभाग के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 4 | प्रो. अक्षय राउत<br>अतिथि प्राध्यापक, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट(नामित) | सदस्य |
| 5 | डॉ. कपिला खेमेंदु<br>सहायक प्राध्यापक, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट(नामित) | सदस्य |
| 6 | श्री के. कोसला राव, वित्त कार्यालय प्रभारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | सदस्य |
| 7 | प्रो. (डॉ.) डुलु पटनायक, प्राचार्य,<br>सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, भवानी पटना, कालाहांडी (पड़ोसी जिला इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य) | सदस्य |
| 8 | आदरणीय टी. सिद्धार्थ रेड्डी, डीजी, एमईएस, सुरक्षा मंत्रालय, भारत सरकार | सदस्य |
| 9 | आदरणीय बनबीर दास<br>आईडीएसई (सेवानिवृत), पूर्व डीजी, एमईएस, सुरक्षा मंत्रालय, भारत सरकार | सदस्य |
| 10 | आदरणीय बिरेन्द्र पाण्डेय, कार्यकारी अभियंता (विद्युतीय), सीपीडब्ल्यूडी | सदस्य |
| 11 | आदरणीय जलधर स्वाईं<br>अधीक्षण अभियंता, पीएच विभाग अभियंता, ओड़िशा, सरकार भवानी, कालाहांडी | सदस्य |
| 12 | आदरणीय पद्मलोचन स्वाईं<br>सहायक अभियंता, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट(विश्वविद्यालय अभियंता) | सदस्य |
| 13 | श्री बिश्वरंजन नायक<br>मुख्य वास्तुकार, ओड़िशा सरकार, भुवनेश्वर (वरिष्ठ वास्तुकार) | सदस्य |
| 14 | श्रीमती सबिता साहु, वरिष्ठ वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी | सदस्य |
| 15 | श्री संजीव कुमार मोहंता<br>उपनिदेशक (बागवानी), कोरापुट, विनिर्माण विशेषज्ञ | सदस्य |
| 16 | डॉ. असित कुमार दास<br>कुल सचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट | सदस्य सचिव |

# कोविड-19 के रोकथाम के उपाय

वर्तमान वर्ष के आरंभिक भाग में विश्व में विनाशकारी महामारी कोविड-19 फैली। भारत भी फरवरी के अन्त में इससे प्रभावित होने लगा। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केन्द्रीय और राज्य सरकार के परामर्श निर्देशों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने इस नये कोरोना विषाणु (कोविड-19) के प्रसार को रोकने के लिए पूर्वावधान के निम्नलिखित कदम उठाये।

29 जनवरी 2020 को विधा और निषेध की मार्गदर्शिका के रूप कोविड-19 के लक्षणों की जागरूकता के लिए पहली स्वास्थ्य परामर्शिका जारी की गयी।

दिनांक 12 मार्च 2020 को भारत में संभावित भावी स्थिति के बारे में संवाद आयोजित हुआ जिसके अनुसार नये कोरोना विषाणु के प्रसार को रोकने / कम करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मार्गदर्शिका के अनुसार उपाय करने की सलाह दी गयी और अधिसूचना जारी की गयी।

13 मार्च 2020 को विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने महामारी की विश्वविद्यालय से तुलनात्मक स्थिति पर चर्चा की। यह निर्ण किया गया कि पूर्व सावदानी के उपायों के साथ अध्यापन अध्ययन की प्रक्रिया सतत् रखी जाये। यह भी तय किया गया कि विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने अनौपचारिक अन्तःक्रिया रखी जाये। विश्वविद्लाय परिसर में सभी कक्षाएँ और छात्रावास सुविधाएँ अगले आदेश तक निलम्बित घोषित कर दी गयी और छात्रावास में रहने वाले सभी छात्रों को निर्देश दिया गया कि वे 48 घंटे में छात्रावास खाली कर दे। नये कोरोना विषाणु (कोविड-19) के संभावित प्रसार को रोकने कीअसाधारण आवश्यकता की दृष्टि से और ओड़िशा के उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के प्रकाश में विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने रोकथाम के उपाय अपनाने की आज तत्काल प्रभाव से लागु अधिसूचना प्रसारित की। सभी विषयों की मध्यसत्रीय परीक्षाएँ स्थगित कर दी गयी हैं और संगोष्ठी, परिचर्चा कार्यशाला जैसे सभी कार्यक्रम विश्वविद्यालय में अगेल आदेश तक निरस्त कर दिये गये हैं। शिक्षकों को समय निर्धारिणी के अनुसार छात्रों के उपलब्ध रहने की सलाह दी गयी है। छात्र अध्ययन सामग्री तथा परीक्षाओं के लिए सम्बन्धित शिक्षकों और विभागों से नियमित संवादरत रहें।

19 मार्च 2020 एक परिपत्र जारी किया गया कि शैक्षणिक गैर शैक्षणिक स्टाफ छात्रों को ऑनलाइन सुविधा प्रदान करे।

20 मार्च 2020 को कक्षाएँ ऑनलाइन जारी रखने का निर्णय लिया गया। इस सम्बन्ध में शिक्षण की विभिन्न विधियों पर चर्चा की गयी। शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे ई-मेल, वाट्स एप समूह, टेलीफोन से संवाद तथा अन्य विधियों से शिक्षण प्रक्रिया चलाते रहें। यह भी निर्णय लिया गया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अन्य संवंधित संस्थाओं जैसे केन्द्रीय सरकार के संगठनों से प्राप्त सभी पत्रों परिपत्रों तथा मार्गदर्शिकाओं को प्रसारित किया जाये। कोविड-19 के लिए विशेष रूप से निर्मित विंडो के द्वारा सारी सूचना वेब साइट पर प्रस्तुत की जाये।

दिनांक 23 मार्च 2020 को हुई बैठक में सी.यू.सी.ई.टी. परीक्षा और उसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, ओड़िशा की सहभागिता से सम्बन्धित सभी पक्षों पर विचार किया गया। इस बैठक में सी.यू.सीई.टी की आगामी प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया के विभिन् पहलुओं पर चर्चा की गयी। इनमें विश्वविद्यालय के बाहरी कार्यक्रम, मीडिया पर प्रवेश की सूचना के विज्ञापन, सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति में वृद्धि और प्रवेश प्रक्रिया के लिए तैयारी जैसे मुद्दे शामिल थे।

प्रशासन ने समय समय पर लॉक डाउन की अवधि में हुई क्रियाओं की समीक्षा की। 30 मार्च 2020 को शैणक्षिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ को घर से ही कार्य करने का निर्देश दिया गया। फिर भ वे टेलीफोन और इलेक्ट्रॉनिक संवाद साधनों पर हमेशा उपलब्ध रहें। कार्य की आवश्यकता की स्थिति में बुलाये जाने पर वे कार्यालय में उपस्थिति रहें।

# परिसर पर दृष्टि

NANDANAM

# समाचार पत्रों में सीयूओ

STUDENT EXCHANGE PROGRAMME

## 52 Wardha students visit CUO to learn Odia culture

EXPRESS NEWS SERVICE @Bhubaneswar

AROUND 52 students of Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Viswavidyalaya, Wardha were on a five-day visit to Central University of Odisha (CUO) from February 4 to 8 to learn various aspects of Odia culture and society under a

## CUCET to be held in last week of May

'Test will be conducted in two phases at 112 cities across country'

## CUO Chancellor's varsity visit from April 1

PNS ■ KORAPUT

Central University of Orissa (CUO), Koraput Chancellor Prof PV Krishna Bhatta would visit the university on April 1 and 2, informed a CUO release on Friday.

During his visit, a series of meetings will be organised in which Prof Bhatta will interact with university acting Vice-Chancellor Prof SK Palita and Registrar Prof Asit Kumar Das in respect of the academic and infrastructure development of the university.

He will also interact with the teaching and non-teaching staffs and students.

This is the second visit of Prof Bhatta to the university where he will address the university community in the programme on April 1.

## Central varsity observes 11th Foundation Day

said. "The second aspect is research and innovation. Research which will bring about benefit for the people," he added. "If there are problems, then there are bound to be solutions. Problems should not scare us, rather they should encourage us to find as many solutions as possible," the professor said. The third key aspect is academic administration and the fourth is general administration, he added.

Sharat Kumar Palita, Vice-Chancellor of the university, said CUO has made tremendous progress in the last 10 years by providing higher studies for students from remote corners. "The university has dedicated its efforts for all-round educational development in the tribal areas," he added.

Among others, Asit Kumar Das, Registrar, CUO, participated.

**The university has dedicated its efforts for all-round educational development in the tribal areas**

Sharat Kumar Palita, VC

Visits varsity

## CUO Chancellor Prof Bhatta stresses on moral values

PNS ■ KORAPUT

Chancellor of Central University of Orissa (CUO) Prof PV Krishna Bhatta arrived at Koraput on a two-day visit. On the first day, he visited the departments at the Sunabeda campus and the Central Library there. On the afternoon he delivered a special lecture on the topic 'Role of youth in nation building'. The function was presided over by the Vice Chancellor I/C Prof Sharat Kumar Palita.

Prof Bhatta said that the education provided to the youth should not be based on getting degrees only. The education should be based on acquiring knowledge not only for self but also for the society. He also stressed on the youth to focus on enhancing moral values first. Registrar of the University Prof Asit Kumar Das proposed the vote of thanks.

The lecture was attended by all the faculty members, students and scholars. Prof Bhatta visited both hostels of the university and also interacted with the faculty members, students and staff separately.

# Admission to Central University of Odisha thru' common entrance test

EXPRESS NEWS SERVICE
@ Vijayawada

THE Central University of Odisha (CUO), Koraput will join the Central University Common Entrance Test (CUCET) consortium for admissions to its various undergraduate (UG), postgraduate (PG) and research programmes from this year.

Addressing mediapersons in Vijayawada on Monday, CUO vice-chancellor Prof I Ramabrahmam said, "The university has joined the consortium to provide a wider platform for vast exposure to the students."

The university will offer 30 courses. The details of eligibility criteria and programme-wise intake will be available on the university website (http://cuo.ac.in/) and CUCET website (https://www.cucetexam.in/). Students will have to pay a fee of ₹800 for the exam application.

"The students will be eligible to get admissions in a minimum of six central universities after writing this one entrance exam," said CUCET chairperson Arun Kumar Pujari.

CUCET national coordinator Prof Manish Srimali said a total of 15 central universities, five State universities and National Institute of Technology conduct their admissions on the basis of CUCET results.

Though the exam dates are yet to be announced, the officials said the exams would be tentatively conducted in the month of May. However, the CUCET registration will commence from March.

INDIAN EXPRESS Tue, 18 February 2020 https://epaper.newindianexpress.com/c/49123641

## ఉన్నత విద్యకు హద్దులు లేవు



## ...mission through ...T on May 23, 24

NS ■ KORAPUT

The Central University of Odisha has announced for admission to various Under Graduate, Post-Graduate and research programmes this year through the Central Universities Common Entrance Test (CUCET). The URL of the CUCET-2020 was launched already. ...nt students can apply by ... on the link of the CUCET-2020, available in the CUO website. Online application will start from March 16 and will be closed on April 11. Application fee is Rs 800 for General, OBC and EWS applications and Rs 350 for Scheduled Caste and Scheduled Tribe applicants which can be paid online. No ap... fee is required for P... cants. Applying onc... can get opportuniti... to appear in ent... nation for any course offered by any Central University. The examinations will be conducted for duration of two hours on May 23 and 24 for various UG and PG programmes on offline (OMR mode) and on May 30 and 31 ...us research programmes ...line (Computer ...

## Prof Ramabrahmam assumes charge as new VC of CUO



STATESMAN NEWS SERVICE
KORAPUT, 6 DECEMBER:

Prof. I. Ramabrahmam (in photo) joined as the Vi... Chancellor of Cen... versity of Odi... is the 3rd ... cellor of t... He took ... from Prof. ... acted as a Vic... charge for the ... od after Prof. S... Mohanty resigne... ...ruary 2019. Pr... ...abrahmam ... facult...

## କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଦ୍ୱାରା ୩ ଖ୍ୟାତିସମ୍ପନ୍ନ ମହିଳା ସମ୍ମାନିତ



କୋରାପୁଟ,୮।୩ (ଅନୁପମ ମିଡିଆ): ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ମହିଳା ଦିବସ ପାଳନ ଅବସରରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଦ୍ୱାରା ୩ ଜଣ ଖ୍ୟାତି ସଂପନ୍ନ ମହିଳାଙ୍କୁ ସମ୍ମାନିତ କରାଯାଇଥିବା ଜଣାପଡିଛି ।ପୁରସ୍କୃତ ଆଦର୍ଶ ମହିଳା ମାଧୁରୀ ସହସ୍ର ବୁଧେ ,ଆଦିବାସୀ ମହିଳା ରାଧା ପାଣ୍ଡିଆ , ଖ୍ୟାତିସଂପନ୍ନ ଏକାଡେମିକ ପ୍ରଣତି ଦେବଙ୍କୁ ଉପଢୌକନ ଓ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ଦେଇ କୁଳପତି ଆଇ.ରାମବ୍ରହ୍ମମ ସମ୍ମାନିତ କରିଥିଲେ ।ମହିଳାମାନଙ୍କ ଅଧିକାର ଓ ଦାୟିତ୍ୱ ସଂପର୍କରେ ସମ୍ମାନିତ ୩ ଜଣ ମହିଳା ନିଜ ନିଜ ବକ୍ତବ୍ୟରେ ଆଲୋକପାତ ... ହେଲେ ଭାରତ ଦେଶ ତଥା ... ପାରିବ ବୋଲି ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ ।ଡ. ନୁପୁର ପଟନାୟକ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିବା ବେଳେ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟାପକ ଓ ଅଧ୍ୟାପିକା ଏବଂ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ ।

## କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ 'ଏକ ଭାରତ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଭାରତ'



## ओडिशा केंद्रीय विवि द्वारा कार्यशाला



मुबनेश्वर। ... विश्वविद्यालय ने फाइन ट्यूनिंग रिसर्च प्लानिंग पर एक कार्य... प्रो.आई. रामब्रहमम, विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्य... उद्घाटन भाषण दिया। प्रतिष्ठित प्राध्यापक विशा... एशिया, एल्सेवियर, जो विज्ञान, ... के लिए सूचना समाधान के एक ... किया। प्रो.पी.दुर्गा प्रसाद, ... डीन, स्कूल जैव ... उपस्थित रहे। ...

## కొరాపుట్ వర్సిటీ ...



## କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅନୁସନ୍ଧାନ ଯୋଜନା ଉପରେ କର୍ମଶାଳା



କୋରାପୁଟ, ୮।୩(ବ୍ୟୁରୋ)- କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କୋରାପୁଟର ସୁନାବେଡା କ୍ୟାମ୍ପସରେ ଶନିବାର ଅନୁସନ୍ଧାନ ଯୋଜନା ଶୀର୍ଷକରେ ଏକ କର୍ମଶାଳା ଅନୁଷ୍ଠିତ ... ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଆଇ.ରାମବ୍ରହ୍ମମ୍ ... ମୁଖ୍ୟ ବକ୍ତା ଭାବେ ... ଗ୍ରାହକ ପରାମର୍ଶ ... ପ୍ରଫେସର ଦୁର୍ଗା ପ୍ରସାଦ ... ସଂରକ୍ଷଣ ବିଭାଗୀୟ ମୁଖ୍ୟ ଡା ଶରତ ... ଥିଲେ । ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଗୁଡିକରେ ... ମହତ୍ୱ ଏବଂ ଅନୁସନ୍ଧାନର ଆବଶ୍ୟକତା ... ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଶ୍ରୀ ଗୁପ୍ତା ଅନୁସନ୍ଧାନରେ ... ଅବଗତ କରାଇଥିଲେ । ଡ.ଜୟନ୍ତ କୁମାର ନାୟକ ... ସମସ୍ତ ପ୍ରଫେସର ଏବଂ ଅନୁସନ୍ଧାନ ...

## ପରିଦର୍ଶନ କଲା ୟୁଜିସି ରାଷ୍ଟ୍ରଭାଷା କମିଟି



## କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ

## 'ପଛୁଆ ଅଞ୍ଚଳରେ ଶିକ୍ଷାର ବିକାଶ ଦିଗରେ ସି.ୟୁର ଭୂମିକା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ'




କୋରାପୁଟ,୨୯।୮/ଏନ୍ଏନ୍ଏସ୍: ଆଦିବାସୀ ବହୁଳ ତଥା ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରେ ବହୁ ପଛରେ ଥିବା କେବିକେ ଅଞ୍ଚଳରେ ଶିକ୍ଷାର ବିକାଶ ସହ ଉଚ୍ଚମାନର ଶିକ୍ଷାଦାନ ପାଇଁ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ଭୂମିକା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ। କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓଡ଼ିଶା ନାନା ସମସ୍ୟା ମଧ ଦେଇ ଗତି କରୁଥିଲେ ମଧ ଶିକ୍ଷାଦାନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଗତ ୧୦ବର୍ଷ ମଧରେ ରାଜ୍ୟରେ ଏକ ମାଇଲ ଖୁଣ୍ଟ ହୋଇପାରିବ ବୋଲି ସୁନାବେଡ଼ାସ୍ଥିତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସ୍ଥାୟୀ କ୍ୟାମ୍ପସରେ ଆୟୋଜିତ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ୧୧ତମ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇଥିବା ଦିଲ୍ଲୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅଧୀନ ରାମାନୁଜମ୍ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧକ୍ଷ ସୁମନ୍ତ ପ୍ରସାଦ ଅଗ୍ରୱାଲ ଏହି ମନ୍ତବ୍ୟ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ଜିଲ୍ଲାର ବହୁ ବିଶିଷ୍ଟ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସମେତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ, ଅଧାପକ, ଅଧାପିକା ଓ ସମସ୍ତ କର୍ମଚାରୀ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ପରମ୍ପରାନୁଯାୟୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ତରଫରୁ ମୁଖ୍ୟଅତିଥିଙ୍କୁ ଚାଦର ଏବଂ ଉପଢ଼ୌକନ ଦିଆଯାଇ ସମ୍ମାନିତ କରାଯାଇଥିଲା। ପରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଶ୍ରୀ ଅଗ୍ରୱାଲ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ ଉପଲକ୍ଷେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମଧରେ କରାଯାଇଥିବା ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗିତାର କୃତୀ ପ୍ରତିଯୋଗୀଙ୍କୁ ପୁରସ୍କୃତ କରିଥିଲେ।

କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦିଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଦିଆଯାଇଥିବା ଆହ୍ୱାନକ୍ରମେ ପଲିଥିନ୍ ଓ ପ୍ଲାଷ୍ଟିକ୍ ବ୍ୟବହାର ବର୍ଜନ କରିବାକୁ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଶପଥ ପାଠ କରାଇଥିଲେ। କୁଳସଚିବ ପ୍ରଫେସର ଅସିତ କୁମାର ଦାସ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଦେଇଥିଲେ। ପ୍ରଫେସର ସୌରଭ ଗୁପ୍ତା ମଞ୍ଚ ପରିଚାଳନା କରିଥିବାବେଳେ ଜନସମ୍ପର୍କ ଅଧିକାରୀ ଡ଼.ଫଗୁନାଥ ଭୋଇ ଓ ଅନ୍ୟମାନେ ସହାୟତା କରିଥିଲେ। ଶେଷରେ ଡ଼.ରାମେନ୍ଦ୍ର କୁମାର ପାରି ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

*CUO campus at Sunabeda, Koraput*

CENTRAL UNIVERSITY
OF ODISHA
KORAPUT

Sunabeda, Post NAD
Koraput – 763004, Odisha, India
Phone: 06853-
Website: www.cuo.ac.in
Email: info@cuo.ac.in, pro@cuo.ac.in